दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में अपराध की दुनिया से जुड़ी एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। स्पेशल सेल की ने दो ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनके नाम से दिल्ली-एनसीआर से लेकर पश्चिमी यूपी तक दहशत का माहौल बना हुआ था। ये दोनों न सिर्फ लूट के उस्ताद थे, बल्कि हथियारों की तस्करी और हत्या के प्रयास जैसे संगीन जुर्मों में भी लंबे समय से वांटेड चल रहे थे। 30 मार्च की रात, लक्ष्मी नगर के पुस्ता रोड स्थित फुटओवर ब्रिज के नीचे जब पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो गया। चेकिंग के दौरान दोनों के पास से दो 32 बोर की देसी पिस्तौलें और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए। स्पेशल सेल के अनुसार, आसिफ के खिलाफ दिल्ली में हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में दर्जनों एफआईआर हैं। वह पहले से उद्घोषित अपराधी है और और उस पर कई गैर-जमानती वारंट भी जारी किए जा चुके हैं। उसकी आपराधिक यात्रा वर्ष 2018 में फायरिंग की एक घटना से शुरू हुई थी, जो हाल ही में 2025 में जेल के भीतर सर्जिकल ब्लेड से हमले तक पहुंच चुकी है। उधर आश मोहम्मद की क्राइम फाइल भी कुछ कम नहीं। यूपी गैंगस्टर एक्ट से लेकर डकैती तक, उसकी पूरी जिंदगी जुर्म की दलदल में धंसी रही है। 2019 में दिल्ली के एक व्यापारी से लूट के वक्त वह पुलिस की गिरफ्त में आया था। सूत्रों के मुताबिक, दोनों हाल ही में जेल से छूटे थे और अपने पुराने गैंग के सदस्यों के संपर्क में आकर एक बड़ी लूट को अंजाम देने की तैयारी में थे।

मेधा पाटकर को बड़ी राहत: एक साल तक प्रोबेशन पर रहेंगी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की एक कोर्ट ने मंगलवार को नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता और सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने मानहानि मामले में एक साल की प्रोबेशन अवधि दी है। बशर्ते कि वह अच्छे आचरण का बॉन्ड भरें। एक साल की प्रोविजन पीरियड पर रिहा करने का निर्देश दिया। उनकी उम्र को देखते हुए यह आदेश दिया गया है। साल 2000 में दर्ज मामले में अपनी दोषसिद्धि और पांच महीने की सजा के खिलाफ पाटकर की दायर अपील पर सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल सिंह ने कहा कि उन्होंने पाटकर की उम्र, अपराध की गंभीरता और इस बात को ध्यान में रखा है कि उन्हें पहले कभी दोषी नहीं ठहराया गया है। न्यायाधीश ने 70 वर्षीय पाटकर पर लगाए गए जुर्माने की राशि को भी 10 लाख रुपये से घटाकर एक लाख रुपये कर दिया।

जानें क्या मानहानि मामला

वीके सक्सेना ने 2001 में पाटकर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। उस समय वे अहमदाबाद स्थित एनजीओ नेशनल काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज के प्रमुख थे। सक्सेना ने पाटकर के खिलाफ 25 नवंबर 2000 को देशभक्त का असली चेहरा शीर्षक से एक प्रेस नोट जारी कर उन्हें बदनाम करने का मामला दर्ज कराया था। प्रेस नोट में पाटकर ने कहा था कि हवाला लेन-देन से दुखी वीके सक्सेना खुद मालेगांव आए, एनबीए की तारीफ की और 40 हजार रुपये का चेक दिया। लोक समिति ने भोलेपन से तुरंत रसीद और पत्र भेजा, जो किसी भी चीज से ज्यादा ईमानदारी और अच्छे रिकॉर्ड रखने को दर्शाता है। लेकिन चेक भुनाया नहीं जा सका और बाउंस हो गया। जांच करने पर बैंक ने बताया कि खाता मौजूद ही नहीं है। पाटकर ने कहा कि सक्सेना देशभक्त नहीं बल्कि कायर हैं।

2001 में शिकायत दर्ज होने के बाद अहमदाबाद की एक एमएम अदालत ने आईपीसी की धारा 500 के तहत अपराध का संज्ञान लिया और सीआरपीसी की धारा 204 के तहत पाटकर के खिलाफ प्रक्रिया जारी की। 3 फरवरी, 2003 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी की एक सीएमएम अदालत को शिकायत मिली। 2011 में पाटकर ने खुद को निर्दोष बताया और मुकदमे का दावा किया। न्यायाधीश ने कहा कि पाटकर की हरकतें जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण थीं, जिसका उद्देश्य सक्सेना की अच्छी छवि को धूमिल करना था और इससे उनकी प्रतिष्ठा और साख को काफी नुकसान पहुंचा है। अदालत ने कहा कि आरोपी के बयान, जिसमें उसने शिकायतकर्ता को देशभक्त नहीं, बल्कि कायर बताया और हवाला लेनदेन में उसकी संलिप्तता का आरोप लगाया। ये न केवल मानहानिकारक थे, बल्कि नकारात्मक धारणाओं को भड़काने के लिए भी तैयार किए गए थे।

अदालत ने कहा कि इसके अलावा यह आरोप कि शिकायतकर्ता गुजरात के लोगों और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रख रहा है, उसकी ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर सीधा हमला है। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता के परिचितों के बीच हुई पूछताछ और संदेह, साथ ही गवाहों द्वारा उजागर की गई धारणा में बदलाव, उसकी प्रतिष्ठा को हुए महत्वपूर्ण नुकसान को रेखांकित करता है।

अगले 7 दिनों में ओडिशा के जिलों में बारिश की संभावना

भुवनेश्वर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल का पहला हफ्ता बीत चुका है। मार्च से ही भीषण गर्मी की मार झेल रहे ओडिशा में आने वाले दिनों में मौसम कैसा रहेगा, इस पर मौसम विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान जारी किया है। ओडिशा में भीषण गर्मी के बारे में आईएमडी भुवनेश्वर केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, पिछले 24 घंटे में बौध जिले में सबसे अधिक तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 9 स्थानों पर 9 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक तापमान दर्ज किया गया।। अगले 7 दिनों में ओडिशा के जिलों में बारिश की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। दिन के तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके बाद, अगले 4 दिनों के दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

गुजरात की पटाखा फैक्टरी के ठेकेदार को इंदौर से पकड़ा

मध्य प्रदेश से भेजता था मजदूरों को

इंदौर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्टरी के विस्फोट में पुलिस ने फैक्टरी मालिक को तो पकड़ लिया है, लेकिन उन्हें ठेकेदार की भी तलाश थी। गुजरात पुलिस को पता चला था कि वह इंदौर के बिजलपुर क्षेत्र में रहता है। उसे गुजरात पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया। इसके लिए इंदौर पुलिस ने भी मदद की। आरोपी काम हरीश पिता रामचंद्र मेघवानी है। जब पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हुआ था, तब वह इंदौर में ही था, लेकिन फैक्टरी में हरीश ही मध्य प्रदेश से मजदूरों को भेजता था,जबकि उसे पता था कि फैक्टरी अवैध है। हरीश ने ही गोदाम के लिए स्थल को उपयुक्त बताया था। हरीश बिजलपुर क्षेत्र के ट्रेजर टाउन टाउनशिप में रहता था। हरीश पटाखा फैक्टरी के लिए मजदूर उपलब्ध कराता था और आर्थिक लाभ कमाता था। वह इंदौर में रहता था और देवास और हरदा जिले में जिन मजदूरों को पटाखे बनाने का अनुभव था, उन्हें वह गुजरात भेजता था। आपको बता दे कि गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के कारण 21 लोग जान गंवा चुके है और कुछ घायल भी है। इस मामले में पुलिस फैक्टरी मालिक खूबचंद मोहनानी और उसके बेटे दीपक को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके पास पटाखे बेचने का लाइसेंस था, लेकिन उन्होंने अवैध फैक्टरी खोलकर पटाखों का निर्माण शुरू कर दिया था।

कोर्ट ने कोयला घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री

राज्यसभा सांसद समेत 4 को बरी किया, क्या है पूरा केस?

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट 2017 के एक मामले में पूर्व राज्य मंत्री संतोष कुमार बगरोदिया, पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा , उनके पुत्र देवेंद्र दर्डा और सीबीआई के पूर्व कानूनी सलाहकार के. सुधाकर को सभी आरोपों से बरी कर दिया। स्पेशल सीबीआई जज अरुण भारद्वाज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के पास आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। सीबीआई का आरोप था कि उसके पूर्व निदेशक रंजीत सिन्हा (जिनका 2021 में निधन हो गया) और उनके सहयोगी के. सुधाकर ने बगरोदिया और दर्डा परिवार के साथ मिलकर साल 2012 के कोयला आवंटन घोटाले की जांच को प्रभावित करने की साजिश रची। इसके तहत आरोप था कि सिन्हा ने जांच फाइलों में हेराफेरी कर दर्डा और बगरोदिया को कानूनी कार्रवाई से बचाने का प्रयास किया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने क्या कहा?

1 संतोष बगरोदिया को 2017 में ही एएमआर आयरन एंड स्टील मामले में बरी कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि इस के बाद सीबीआई का यह आरोप कि सिन्हा ने उन्हें बचाने की कोशिश की यह दलील खारिज हो जाता है। कोर्ट ने कहा कि बगरोदिया शुरू से ही निर्दोष थे। अदालत ने सिर्फ उनकी निर्दोषता की पुष्टि की।

2 विजय दर्डा और देवेंद्र दर्डा पर अदालत ने कहा कि दर्डा परिवार की रंजीत सिन्हा से हुई मुलाकातों का जांच पर कोई असर नहीं पड़ा। यदि साजिश होती, तो सिन्हा उनके खिलाफ चार्जशीट ही दाखिल नहीं करते। जज ने कहा सिन्हा ने अपने पद का दुरुपयोग नहीं किया। देवेंद्र दर्डा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होना साबित करता है कि उन्हें कोई विशेष छूट नहीं मिली।

3 के. सुधाकर पर आरोप था कि उन्होंने जांच रिपोर्ट में बदलाव कर आरोपियों को बचाया। लेकिन अदालत ने कहा कि सुधाकर ने अपनी कानूनी राय बदलने के अलावा कोई गलत कदम नहीं उठाया। कोर्ट ने कहा सुधाकर ने आरोपियों से कोई गुप्त बातचीत नहीं की। सिन्हा ने उनकी राय को माना भी नहीं, इसलिए, साजिश का आरोप निराधार है। यह मामला 2012 के कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाले से जुड़ा है, जिसमें कंपनियों को बिना नीलामी के कोयला खदानें आवंटित करने में अनियमितताएं पाई गई थीं। सीबीआई का आरोप था कि एएमआर कंपनी को बांदर कोयला ब्लॉक आवंटित करते समय तत्कालीन प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देशों की अनदेखी की गई। कोर्ट में दाखिल चार्जशीट के मुताबिक पीएम मनमोहन सिंह के आदेश के बावजूद फाइल उन्हें नहीं भेजी गई और बगरोदिया ने गलत तरीके से बैठक कर आवंटन को मंजूरी दिलाई। अदालत ने सभी आरोपियों के खिलाफ साजिश का कोई सबूत नहीं पाया और कहा कि सीबीआई जांचकर्ताओं की अनुपस्थिति में मुलाकातें या फोन कॉल्स आपराधिक साजिश साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

बच्ची की तबीयत खराब हुई तो गांव न आ सकी एंबुलेंस

परिजन 6 किमी लेकर चले पैदल, फिर भी नहीं बची जान

मल्कानगिरी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के मल्कानगिरी जिले से परेशान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। यहां के खैरपुट ब्लॉक के एक गांव की खराब सड़क और सुविधाओं की कमी के कारण एक युवती की जान चली गई, जबकि उसके परिजन खराब सड़क के बावजूद उसे लेकर 6 किलोमीटर तक पैदल चले, लेकिन बच्ची को बचा न सके। बच्ची की मौत के बाद परिजनों ने कहा कि अगर सड़क होती तो शायद बच्ची की जान बच जाती।

जानकारी के मुताबिक, खैरपुट ब्लॉक के एक गांव में संजीता नाम की युवती तेज बुखार आ गया। जब उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई, तो परिवार वाले उसे इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र गोविंदपाली ले जाने लगे, लेकिन गांव कात्राकुंट से मुख्य सड़क तक जाने वाला रास्ता बहुत खराब और पहाड़ी है। उन्होंने एम्बुलेंस को फोन किया तो वह भी उस रास्ते तक पहुंच नहीं पाई, फिर मजबूरी में संजीता के परिवार वालों को उसे कुर्सी पर बिठाकर डंडे के सहारे कंधे से उठाकर लगभग 6 किलोमीटर पैदल चले, जिससे बच्ची को कुछ न हो। लेकिन रास्ते में ही संजीता की तबीयत और बिगड़ गई और इलाज मिल पाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। रोते-बिलखते परिजनों ने कहा कि अगर रास्ता अच्छा होता और एम्बुलेंस समय पर गांव पहुंच पाती, तो शायद संजीता की जान बच जाती। वहीं, बड़ुड़ुगल गांव के सरपंच ने कहा, हमारे गांव में एक अभावनीय घटना घटी है। गांव तक जाने वाली सड़क खराब होने की शिकायत मैंने कलेक्टर और शिकायत प्रकोष्ठ से की थी पर प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

पथरौटा के पास यात्रियों से भरी बस पलटी

दो की मौत, 13 घायल; स्टेयरिंग फेल होने से हुआ हादसा

नर्मदापुरम, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पथरौटा के पास दोपहर एक बस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं 13 लोग घायल हो गए। कॉर्नर फैक्ट्री से इटारसी की ओर आ रही एक यात्री बस पथरौटा के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा स्टीयरिंग फेल होने के कारण बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार करीब 30 यात्रियों से भरी एक बस कॉर्नर फैक्ट्री से इटारसी की ओर आ रही थी। तभी पथरौटा के पास अचानक से बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस कंडक्टर नरेंद्र सिंह चौहान और यात्री नजमा खातून की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की वजह स्टेयरिंग फेल होना बताया जा रहा है। हादसे के समय बस में करीब 30 लोग सवार थे, जिनमें 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद लोग मदद को आगे आए और घायलों को अस्पताल भेजा गया। घायलों में इठल पंवार का हाथ फ्रैक्चर हुआ, स्वस्तिक वर्मा को सिर पर पांच टांके लगे और छात्रा मनीषा को कमर और माथे पर चोट आई। राजेश कलमे, जो बाइक पर सामने से आ रहे थे, उनको भी बस के टूटे शीशे लगने से चोटें आई हैं। ऑर्डनेंस फैक्ट्री पथरौटा से इटारसी जा रही यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से कंडक्टर सहित एक यात्री के असामयिक मृत्यु एवं 13 यात्रियों के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी गहरी शोक संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। दोनों मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख एवं सभी घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

दहेज उत्पीड़न के आरोपी पति को साकेत कोर्ट ने बरी किया, क्या बना आधार?

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने एक पति को उसकी पत्नी की आत्महत्या के लिए दहेज उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया है। एडिशनल सेशन जज सचिन सांगवान ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ ठोस सबूत पेश करने में नाकाम रहा। मृतका, जिसने जून 2014 में आत्महत्या की थी, के पिता के दावों को अदालत ने सामान्य मानवीय व्यवहार से असंगत बताया। शिकायत में कहा गया था कि विवाह के बाद आरोपी ने दहेज की मांग की और पत्नी को प्रताड़ित किया। हालांकि, पिता ने स्वीकार किया कि सगाई या विवाह के समय कोई दहेज मांग नहीं की गई थी। विवाह के छह महीने बाद पत्नी पांच महीने तक मायके रहीं, लेकिन उस दौरान उन्होंने दहेज उत्पीड़न की शिकायत नहीं की। जज ने टिप्पणी की यह आश्चर्यजनक है कि अचानक इतनी बड़ी मांग कैसे उठी, जबकि शुरुआत में कोई दबाव नहीं था। मामले में मृतका के कुछ रिश्तेदारों ने भी गवाही दी, लेकिन अदालत ने उनके बयानों को सुनी-सुनाई बातों पर आधारित और अविश्वसनीय ठहराया। जज ने कहा कि यदि दहेज की मांगें वास्तव में होतीं तो पिता अपने भाई या अन्य परिजनों से इसकी शिकायत जरूर करते। लेकिन अन्य गवाहों ने ऐसी किसी मांग का जिक्र नहीं किया।

बेरोजगारी थी विवाद का कारण?

आरोपी के खिलाफ दर्ज चार्जशीट में कहा गया कि पति-पत्नी के झगड़े का मुख्य कारण आरोपी का बेरोजगार होना था। अदालत ने इस तथ्य पर भी गौर किया कि मृतका ने ससुराल में बहुत कम समय बिताया, जिससे प्रताड़ना का आरोप संदिग्ध लगता है। आरोपी पर आईपीसी की धारा 304बी (दहेज मृत्यु) और 498ए (पति या ससुराल वालों द्वारा क्रूरता) के तहत मुकदमा चलाया गया था। हालांकि, अदालत ने कहा कि विवाह के सात वर्षों के भीतर असामान्य मृत्यु होने के बावजूद, दहेज संबंधी आरोप साबित नहीं हुए।

साकेत कोर्ट ने दिया संदेह का लाभ

साकेत कोर्ट के जज ने फैसले में कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में संदेह का लाभ आरोपी का मूल अधिकार है। अभियोजन पक्ष के सबूतों में कमी और गवाही की कमजोरियों के चलते आरोपी को बरी करना जरूरी था।

8 महीने के बच्चे ने मुंह में लिया गुब्बारा

मासूम की सांस नली में अटका, मौत

शिवपुरी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक मासूम की सांस नली में गुब्बारा फंसने से मौत हो गई। घर में खेलने के दौरान मासूम ने गुब्बारा मुंह में ले लिया और वो उसकी सांस नली में जाकर फंस गया। इस दौरान मासूम बेहोश हो गया। परिजन उसे लेकर एक के बाद एक अस्पताल दौड़ते रहे, लेकिन समय से इलाज न मिलने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। इस घटना से परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। शिवपुरी जिले के नया बस स्टैंड क्षेत्र के निवासी संजय सोनी का 8 माह का बेटा धनु रविवार सुबह घर में खेल रहा था। खेलते समय वहां पड़ा एक गुब्बारा मुंह में ले लिया है। इस दौरान गुब्बारा उसकी सांस नली में जाकर फंस जाता है। गुब्बारा फंसने से मासूम की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। घबराए परिजन उसे लेकर पहले प्राइवेट हॉस्पिटल सिद्धि विनायक और फिर नवजीवन अस्पताल पहुंचे। लेकिन दोनों ही अस्पतालों में डॉक्टरों ने इलाज करने की बजाय दूसरे अस्पताल जाने की सलाह दी। आखिरकार परिजन धनु को जिले के शासकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया और गुब्बारा सांस नली से बाहर निकाल लिया। लेकिन बच्चा काफी देर तक ऑक्सीजन के अभाव में रहा, जिसकी वजह से बच्चे की मौत हो गई।

'सीट बेल्ट नहीं तो आपका परिवार नहीं'

एक्टर सोनू सूद ने वाइफ के एक्सीडेंट के बाद जनता से की ये भावुक अपील

नागपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने अपनी पत्नी सोनाली की हाल ही में हुई सड़क दुर्घटना के बाद वीडियो जारी कर जनता से कार में सीट बेल्ट लगाने की अपील की है। सोनू सूद ने कहा कि कार में पीछे की सीट पर बैठे लोग भी सीट बेल्ट का अवश्य इस्तेमाल करें। सोनू सूद ने कहा कि नागपुर में मेरी पत्नी सोनाली, उसकी बहन और भांजा सड़क हादसे का शिकार हुए थे। हादसे से एक मिनट पहले पत्नी ने पीछे की सीट पर बैठी बहन को कहा कि सीट बेल्ट लगाओ। कुछ ही देर बाद हादसा हो गया। सीट बेल्ट लगाने की वजह से उनकी जान बच गई। सोनू सूद ने लोगों से कहा कि सीट बेल्ट बिना पहने वाहन ना चलाए।। सीट बेल्ट नहीं तो आपका परिवार नहीं।

कार में बैठने वाले भी सीट बेल्ट लगाएं: सोनू सूद

एक्टर ने कहा कि पूरी दुनिया ने कार की हालत देखी है। आप जानते हैं कि अगर किसी ने उन्हें बचाया, तो वह सीट बेल्ट थी। सूद ने पिछली सीट पर बैठते समय सीट बेल्ट न पहनने की आम प्रथा की ओर इशारा किया। उन्होंने दुर्घटना के दिन को याद करते हुए कहा कि कार दुर्घटना तब हुई जब उनकी पत्नी सोनाली ने उनकी भाभी सुमिता से सीट बेल्ट पहनने के लिए कहा, जिससे आखिरकार उनकी जान बच गई। उन्होंने आगे कहा, पिछली सीट पर बैठने वाले 100 में से 99 लोग कभी सीट बेल्ट नहीं पहनते। उन्हें लगता है कि सीट बेल्ट पहनना सिर्फ आगे बैठे व्यक्ति की जिम्मेदारी है। मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि बिना सीट बेल्ट के कार में न बैठें। सोनू सूद ने कहा कि मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ- कभी भी बिना सीट बेल्ट के कार में न बैठें। ज्यादातर ड्राइवर सिर्फ पुलिस को दिखाने के लिए सीट बेल्ट पहनते हैं, लेकिन मेरा विश्वास करें, सीट बेल्ट आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।'

विमल नेगी मौत मामले की जांच के बीच शिवम प्रताप सिंह को पावर कॉरपोरेशन निदेशक पद से हटाया

शिमला, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल पावर कॉरपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी की मौत मामले में चल रही जांच के बीच राज्य सरकार ने पावर कॉरपोरेशन के निदेशक शिवम प्रताप सिंह को हटा दिया है। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य परिवहन प्राधिकरण के सचिव-सह-अतिरिक्त आयुक्त नरेश ठाकुर को निदेशक (कार्मिक एवं वित्त) पावर कॉरपोरेशन का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। इसे लेकर मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं पावर कॉरपोरेशन के निदेशक(कार्मिक एवं वित्त) शिवम प्रताप सिंह अब अगले आदेश तक हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन शिमला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। बता दें, चीफ इंजीनियर विमल नेगी के परिजनों ने आईएएस शिवम प्रताप सिंह पर भी प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं।

अहमदाबाद की 4 बस्तियों को मिलेगा मालिकाना हक

गुजरात सरकार का बड़ा फैसला

अहमदाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात की भूपेंद्र पटेल सरकार ने संपत्ति के अधिकार को लेकर बड़ा फैसला किया है। दरअसल, राज्य सरकार ने अहमदाबाद की 4 रबारी कॉलोनियों को स्थायी मालिकाना हक देने का फैसला किया है। इसके अलावा, इन रबारी बस्तियों में जमीन को बाजार दाम के बजाय रियायती कीमतों पर दिया जाएगा। राज्य सरकार निगम के सहयोग से बिक्री के जरिए लोगों को भूमि उपलब्ध कराएगी। इस बात की जानकारी राज्य के सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने दी है।

इस दर पर मिलेगी जमीन

सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि नगर निगम की तरफ से प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया था। इसमें निगम को 50 प्रतिशत राशि देने का प्रावधान किया गया था। सरकार मालधारी समुदाय को मौजूदा जंत्री के 15 प्रतिशत की दर पर जमीन उपलब्ध कराएगी। डेट अलॉटमेंट सर्कुलर आदेश की डेट से 6 महीने के भीतर ली जानी चाहिए। मूल आवंटी के अलावा बाकी लोगों को जरूरी साक्ष्य पेश करने होंगे और ट्रांसफर फीस का भुगतान करना होगा। इस तरह के अहमदाबाद के 1100 संपत्ति-स्वामी परिवारों को अपना घर और मालिकाना हक मिलेगा।

क्या बोले पूर्व उप महापौर?

सरकार के इस फैसले पर पूर्व उप महापौर रमेश देसाई ने कहा कि वह इस फैसले के लिए गुजरात सरकार के आभारी हैं। यहां सालों से धनी समुदाय की मांग थी। 60 साल से ये लोग मालिकाना हक की मांग कर रहे हैं। अब ये इंतजार खत्म हो गया और इसके लिए वह सरकार के आभारी हैं। सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध करवा रही है। इसके साथ ही उन्होंने 15 प्रतिशत पर प्लॉट उपलब्ध कराने के लिए सरकार का आभार जताया है। इससे आवारा पशुओं की 99 प्रतिशत समस्या हल हो गई है।

बिहार चुनाव में उतरी पूर्व आईपीएस अफसर की 'हिंद सेना', सभी सीटों पर देगी टक्कर

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के चर्चित पूर्व आईपीएस अधिकारी शिवदीप वामन राव लांडे ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई है। उन्होंने इस पार्टी का नाम 'हिन्द सेना' रखा है। उनकी पार्टी हिन्द सेना बिहार में विधानसभा के सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आज पटना में इसकी घोषणा शिवदीप लांडे ने की है, पार्टी का बिहार में अभी किसी के साथ गठबंधन नहीं है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवदीप वामन राव लांडे रहेंगे। उनकी पार्टी के मुद्दे रहेंगे बिहार में 60 लाख बेरोजगारों के लिए काम, उन पर काम करना जो चार-चार साल सेशन विधि में लेट चल रहे हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा रहेगा। पूर्व आई पी एस अधिकारी शिवदीप लांडे की हिंद सेना बिहार के पुराने दिग्गज मंत्रियों एवं विधायकों को टक्कर देगी।

सुविचार: यदि आप अपने मन के संशयों को दूर नहीं करते तो मानों आप कैन्सर की बीमारी को बढने दे रहे हैं

दिलसुखनगर बम विस्फोट मामले में 5 लोगों की मौत की सजा बरकरार

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 2013 हैदराबाद बम विस्फोट मामले में प्रतिबंधित इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के सह-संस्थापक यासीन भटकल और एक पाकिस्तानी नागरिक सहित पांच दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी। न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण और न्यायमूर्ति पी. श्री सुधा की खंडपीठ ने 2016 में सुनाए गए विशेष एनआईए अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली दोषियों की अपील खारिज कर दी।

भटकल उर्फ अहमद सिद्दीबप्पा जरार और पाकिस्तानी नागरिक जिया उर रहमान उर्फ वकास के अलावा, असदुल्ला अख्तर उर्फ हड्डी, तहसीन अख्तर उर्फ मोनू और ऐजाज सईद शेख उर्फ ऐजाज शेख को राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने, आपराधिक साजिश और हत्या सहित अपराधों के लिए एनआईए अदालत ने सजा सुनाई थी। 21 फरवरी, 2013 को हैदराबाद के दिलसुखनगर इलाके में हुए दोहरे बम विस्फोटों में एक मां के गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे सहित 18 लोगों की मौत हो गई थी और 131 अन्य घायल हो गए थे। सभी पांचों को देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या समेत कई अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया। भारतीय दंड संहिता की धारा 302 ए और 121, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3बी और गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम की धारा 16 के तहत मौत की सजा सुनाई गई।

दोषियों में से एक, एजाज शेख के वकील ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि वे हाईकोर्ट के आदेश को पढ़ने के बाद अपील दायर करेंगे। दो दोषी हैदराबाद की चेर्लापल्ली जेल में बंद हैं, जबकि अन्य देश की अन्य जेलों में बंद हैं क्योंकि वे अन्य आतंकवाद मामलों में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। यासीन भटकल, धमाकों के पीछे का दिमाग और मुख्य आरोपी रियाज भटकल का भाई है, जो फरार है और पाकिस्तान में छिपे होने का संदेह है।

एनआईए ने उसके लिए पहले ही इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया है। भटकल बंधु कर्नाटक के भटकल शहर से हैं, जबकि रहमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुस्तफाबाद से हैं, असदुल्ला अख्तर उत्तर प्रदेश से हैं जबकि तहसीन अख्तर और ऐजाज सईद क्रमशः बिहार और महाराष्ट्र के निवासी हैं। उच्च न्यायालय में दोषियों की अपील पर सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के वकील ने इस आधार पर मृत्युदंड का बचाव किया कि आरोपियों ने बम विस्फोटों की योजना बनाई और उन्हें अंजाम दिया, जिसमें कई लोग मारे गए और बाद में एक और बम विस्फोट को अंजाम दिया। जांच एजेंसी ने इस मामले में तीन आरोपपत्र दाखिल किए थे। 16 जुलाई 2015 को पांचों आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए और उसी साल 24 अगस्त को मुकदमा शुरू हुआ।

अभियोजन पक्ष ने मुकदमे के दौरान कुल 157 गवाहों से पूछताछ की। 21 फरवरी, 2013 की शाम को दिलसुखनगर के शॉपिंग क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले स्थान पर 100 मीटर की दूरी पर, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से दो विस्फोट, छह सेकंड के अंतराल पर हुए। पहला विस्फोट दिलसुखनगर में 107 बस स्टॉप पर हुआ, जबकि दूसरा विस्फोट ए1 मिर्ची सेंटर के पास हुआ।

मुख्यमंत्री ने राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी के निधन पर शोक जताया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया, जिन्होंने ब्रह्माकुमारीज ग्लोबल सेंटर की मुख्य प्रशासनिक प्रमुख के रूप में कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दादी जी का जीवन अनुकरणीय है और वे आध्यात्मिक शक्ति, पवित्रता और विश्व बंधुत्व की ज्वलंत मिसाल हैं। उन्हें दुनिया भर के 140 से अधिक देशों में भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं का प्रसार करने, समाज में शांति और मानवीय मूल्यों का संदेश लाने के लिए सराहना मिली। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दादी का निधन राज्य और देश के लिए बड़ी क्षति होगी तथा उनकी आत्मा को शांति मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सभी के लिए मार्गदर्शक है।

हेमा सुनीता ने दमरे की प्रमुख वित्तीय सलाहकार का पदभार संभाला

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईआरएएस (भारतीय रेलवे लेखा सेवा) की 1993 बैच की श्रीमती टी. हेमा सुनीता ने मंगलवार को दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख वित्तीय सलाहकार का पदभार संभाला। उस्मानिया विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में इंजीनियरिंग में स्नातक और आईआईएम, कोलकाता से प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूरा करने के बाद, श्रीमती टी. हेमा सुनीता 1995 में भारतीय रेलवे में शामिल हुईं। उन्हें रेलवे स्टाफ कॉलेज (अब भारतीय रेलवे की राष्ट्रीय अकादमी), वडोदरा में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विशिष्टता के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए "डीजी पदक" से सम्मानित किया गया। बाद में उन्हें एससीआर में तैनात किया गया और उन्होंने जेएओ/पीएफ और पेंशन, डब्ल्यूएओ/एलजीडी और एसएओ/निर्माण/तिरुपति के रूप में काम किया। दो दशकों से अधिक समय तक दक्षिण रेलवे में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विभिन्न पदों पर काम किया। वह इंटीग्रल कोच फैक्ट्री/पेरंबूर में वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (परियोजनाएं) के रूप में प्रतिष्ठित वंदे भारत परियोजना से जुड़ी थीं। उन्होंने यूरोपियन बिजनेस स्कूल, लंदन और पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहां उन्होंने सार्वजनिक निजी भागीदारी, प्रोद्भव लेखा, अंतर्राष्ट्रीय कर कानून आदि में विशेषज्ञता हासिल की। उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, उन्होंने मलेशिया और सिंगापुर में भी प्रशिक्षण लिया। प्रधान वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, वह मई 2023 से दक्षिण मध्य रेलवे में वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी/यातायात और कैपेक्स प्रबंधन के रूप में काम कर रही थीं। वह स्काउट्स एंड गाइड्स (बुलबुल)/दक्षिण मध्य रेलवे की राज्य आयुक्त हैं। उनकी रुचियों में तैराकी, शक्ति प्रशिक्षण और यात्रा शामिल हैं।

सरकार का लक्ष्य बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना : जिला कलेक्टर

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार का लक्ष्य बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित राजीव युवा विकासम योजना का पुन: शुभारंभ हो गया है। इस योजना के अंतर्गत सभी निगमों से संबंधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मंगलवार को जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने राजीव युवा विकासम योजना का शुभारंभ किया। संबंधित अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए कलेक्टर ने कहा कि राजीव युवा विकास योजना के तहत यदि आपके पास राशन कार्ड या खाद्य सुरक्षा कार्ड है तो आवेदन करें। जिला प्रशासन ने कहा कि यह पर्याप्त है और आय प्रमाण पत्र देने की कोई आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर ने स्पष्टीकरण दिया। आवेदन की अंतिम तिथि इस महीने की 14 तारीख तक है।

कलेक्टर ने कहा कि आवेदन ऑनलाइन किए जाएं। आवेदन पत्र कार्यालयों में लोक प्रशासन केन्द्रों पर उपलब्ध है। पीडी डीआरडीए, ईडी एससी निगम अधिकारी नोडल अधिकारियों के रूप में बैंक प्रबंधकों को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अहमदाबाद में विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक में भाग लिया।

आदि श्रीनिवास ने ज्योतिराव फुले की प्रतिमा के लिए धरना देने पर कविता की आलोचना की

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने बीआरएस एमएलसी कविता पर ज्योतिराव फुले की प्रतिमा के नाम पर धरना देने का आरोप लगाया है। मंगलवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि कविता को ज्योतिराव फुले का नाम लेने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि पिछली बीआरएस सरकार ने बीसी समुदाय के लिए कोई महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाया। कविता द्वारा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई का उल्लेख, जो कि पूजनीय व्यक्ति हैं, प्रश्न खड़े करता है। क्या कविता द्वारा ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर चर्चा करने से अधिक गंभीर विरोधाभास हो सकता है? वह शराब कांड में गिरफ्तार होने वाली भारत की पहली महिला नेता हैं। यह खेदजनक है कि एक नेता, जिसने शराब के मामले में लगभग छह महीने तिहाड़ जेल में बिताए, अब सावित्रीभाई फुले के बारे में बात करती है। क्या तेलंगाना के नागरिकों को एक समझौतावादी नेता की बातों पर ध्यान देना चाहिए? यदि कविता फुले की प्रतिमा स्थापित करने की मांग करती है, तो क्या सरकार और विधानसभा अध्यक्ष को उसे गंभीरता से लेना चाहिए? उन्होंने चुनौती दी। बीआरएस पार्टी के सत्ता में रहने के दशक के दौरान कविता ने ज्योतिराव फुले को क्यों याद नहीं किया? उन्होंने अपने पिता, पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को फुले की प्रतिमा स्थापित करने का सुझाव क्यों नहीं दिया? आदि श्रीनिवास ने पूछा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रगति भवन का नाम महात्मा ज्योतिराव फुले के नाम पर रखकर उन्हें सम्मानित किया है।

सरकार से बार और रेस्तरां लाइसेंस के लिए निविदा प्रणाली शुरू करने की मांग

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वाइन्स डीलर्स एसोसिएशन ने राज्य सरकार से मांग की है कि शराब की दुकानों की तरह बार और रेस्तरां लाइसेंस के लिए भी द्विवार्षिक निविदा प्रणाली शुरू की जाए। एसोसिएशन के अनुसार, इस कदम से सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। मंगलवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए तेलंगाना वाइन्स डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डी वेंकटेश्वर राव ने कहा कि शराब की दुकानों में सुरक्षा नहीं है और उन्हें हर दो साल में लाइसेंस के लिए टेंडर प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। बार के लाइसेंस के लिए भी यही नियम लागू होने चाहिए। राव ने कहा कि शराब की दुकानों को यह नहीं पता कि दो साल पूरे होने के बाद उन्हें लाइसेंस मिलेगा या नहीं। लेकिन बार के लिए हर साल लाइसेंस का नवीनीकरण किया जाता है। बार के लाइसेंस के लिए अर्धवार्षिक निविदाओं से सरकार को राजस्व जुटाने में मदद मिलेगी। एसोसिएशन ने सरकार से बारों को पिंट, निप और डिप बेचने की अनुमति देने के फैसले को वापस लेने की भी मांग की। एसोसिएशन ने शिकायत की कि इस फैसले के कारण शराब की दुकानों में बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। राव ने बताया कि बार और रेस्टोरेंट न केवल रेस्टोरेंट के ग्राहकों को पैग के हिसाब से शराब बेच रहे हैं, बल्कि टेकअवे ग्राहकों को एमआरपी कीमतों पर सीलबंद बोतलों में शराब और बीयर भी बेच रहे हैं। इस तरह वे बार और रिटेल आउटलेट दोनों की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा, कारोबार के लंबे समय तक चलने के कारण, बार रात 11 बजे रिटेल आउटलेट बंद होने के बाद आने वाले रिटेल ग्राहकों को सेवाएं देते हैं। इससे रिटेलर की बिक्री पर करीब 20 फीसदी असर पड़ा है। एसोसिएशन ने बारों द्वारा उचित रेस्तरां सुविधाएं बनाए रखने में विफल रहने के मुद्दे को उठाया, जबकि ऐसी सुविधाओं के संचालन के लिए वैध जीएसटी पंजीकरण के साथ बी2 लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

एनआईपीएचएम ने दीक्षांत समारोह में सफलता का जश्न मनाया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान ने मंगलवार को पीजीडीपीएचएम कार्यक्रम के 13वें बैच के लिए अपने दीक्षांत समारोह की मेजबानी की, जो स्नातक करने वाले छात्रों के लिए एक यादगार मील का पत्थर साबित हुआ। यह कार्यक्रम अकादमिक उत्कृष्टता, लचीलापन और उपलब्धि का एक भव्य उत्सव था।

यह पाठ्यक्रम पादप स्वास्थ्य प्रबंधन में विशेषज्ञों को विकसित करने में एक अनूठा कार्यक्रम है। यह एक उद्योग-उन्मुख कार्यक्रम है, जहां छात्रों को विशेष इंटर्नशिप प्रदान की जाती है। पहली बार, संस्थान ने पादप स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में विशेष ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए सीएबी इंटरनेशनल (सीएबीआई) के साथ सहयोग किया। इस समारोह में श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दंडा राजी रेड्डी ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने शिक्षा और आजीवन सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट छात्रों को उनकी शैक्षणिक और पाठ्येतर उपलब्धियों के सम्मान में डिग्री और विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। एनआईपीएचएम के महानिदेशक डॉ. सागर हनुमान सिंह, आईपीओएस ने स्नातकों को बधाई दी और भविष्य के नेताओं को आकार देने में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज, हम न केवल शैक्षणिक कार्यक्रमों के पूरा होने का जश्न मनाते हैं, बल्कि प्रत्येक छात्र द्वारा की गई विकास, दृढ़ता और खोज की यात्रा का भी जश्न मनाते हैं। पीजीडीपीएचएम कार्यक्रम में कुल 22 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। दीक्षांत समारोह स्नातक छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण और लचीलेपन का प्रमाण था।

रतन मोहिनी का निधन आध्यात्मिक सेवा के क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी क्षति : राज्यपाल

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने ब्रह्माकुमारीज की सम्मानित मुख्य प्रशासनिक प्रमुख राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है, जिन्होंने 101 वर्ष की आयु में महासमाधि ली।यहां मंगलवार को अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि दादी रतन मोहिनी जी का निधन आध्यात्मिक सेवा के क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी क्षति है। वे एक प्रखर मार्गदर्शक और दुनिया भर में असंख्य आत्माओं के लिए सांत्वना का स्रोत थीं। उनकी शांत उपस्थिति, दयालु हृदय और उच्च आदर्शों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने असंख्य जीवन को ऊपर उठाया और बदल दिया। राज्यपाल ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया इस असाधारण आत्मा को विदाई दे रही है, उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक सितारे के रूप में चमकती रहेगी।

कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद के पीछे बहुत बड़ा घोटाला : केटीआर

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने के राज्य सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने मांग की कि कांग्रेस सरकार कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन की नीलामी करने की अपनी योजना को वापस ले। रामाराव ने मंगलवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद के पीछे बहुत बड़ा घोटाला है। इसमें भाजपा का एक सांसद भी शामिल है और मैं एक-दो दिन में सभी घोटालों का पर्दाफाश करूंगा।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने यह भी मांग की कि कांग्रेस सरकार भूमि में समृद्ध जैव विविधता के विनाश के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करे। रामाराव ने मांग की कि हिरणों की मौत और जानवरों के विस्थापन के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि अतीत में बॉलीवुड अभिनेताओं को काले हिरण का शिकार करने के लिए दंडित किया गया था। कांग्रेस सरकार कांचा गच्चीबावली भूमि मामले में न्यायालय को गुमराह कर रही है, यह कहकर कि वहां कोई हिरण नहीं है।

उन्होंने कहा कि नेहरू प्राणी उद्यान ने अपनी पिछली रिपोर्टों में उल्लेख किया था कि विश्वविद्यालय की भूमि पर घायल हुए हिरण और मोर सहित जंगली जानवरों को चिड़ियाघर में स्थानांतरित कर दिया गया था और उनका उपचार किया गया था। कांग्रेस सरकार ने दावा किया कि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का उपयोग करके फर्जी तस्वीरें और वीडियो बनाए गए तथा उन्हें सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर साझा किया गया। सरकार विभिन्न वर्गों की प्रतिष्ठित हस्तियों में खामियां ढूंढ रही है। रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। हम इसे अनुमुला रेवंत रेड्डी इंटेलिजेंस भी कह सकते हैं।

अजीब बात यह है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं के बीच कोई समन्वय नहीं था। कांग्रेस के एक सांसद ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय को चौथे शहर में स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है।

सेटविन का उद्देश्य रोजगार के अवसर प्रदान करना : रेवुरी प्रकाश रेड्डी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परकला विधायक, रेवुरी प्रकाश रेड्डी ने कहा कि राज्यों में सत्ता में कांग्रेस सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है और कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। एमएलए रेवुरी प्रकाश रेड्डी, सेटविन के प्रबंध निदेशक के वेनुगोपाल राव के साथ, मंगलवार को राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के सेटविन के तत्वावधान में मोतिगल्ली और सीताफल मंडी प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा किया। इस अवसर पर, एमडी वेनुगोपाल राव ने केंद्रों में आयोजित पाठ्यक्रमों के विवरण, छात्रों के प्रशिक्षण, उन्हें कैसे प्रशिक्षित किया जाए और फिर नौकरी के मेले के माध्यम से उनके लिए नौकरी के अवसर के बारे में बताया। रेवुरी प्रकाश रेड्डी ने कहा कि सेटविन दो दिनों के भीतर अपने विधायी निर्वाचन क्षेत्र में सेटविन की मदद से बेरोजगार युवाओं के लिए एक आशावादी प्रकाश डालकर खुश था। इस आयोजन में सेटविन प्रशिक्षण प्रभारी एम नवीन कुमार, मोतिगल्ली और सिताफल मंडी, वेंकटेश्वर, अनीता और केंद्र के संकाय ने भाग लिया।

कोकापेट में अवैध ढांचों को किया गया ध्वस्त

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोकापेट सर्वे नंबर 100 में अवैध ढांचों को मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच राजस्व अधिकारियों द्वारा ध्वस्त किया गया। अधिकारी उस स्थान पर पहुंचे जहां सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की सूचना मिली थी। अतिक्रमित भूमि पर व्यावसायिक परिसरों का निर्माण किया जा रहा था। स्थानीय नागरिकों की शिकायतों के बाद, गांडीपेट राजस्व अधिकारी पुलिस कर्मियों और मशीनरी के साथ मौके पर पहुंचे और ध्वस्तीकरण का काम शुरू किया। अंतिम रिपोर्ट आने तक, भारी पुलिस सुरक्षा के बीच ध्वस्तीकरण का काम जारी था।

रेलवे हाइड्रोजन ट्रेन, हाइपर लूप आदि के साथ नवीनतम तकनीक लाने को तैयार : रूपा श्रीनिवासन

> रेलवे बोर्ड के सदस्य वित्त ने आईआरआईएफएम का दौरा किया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे बोर्ड के सदस्य वित्त और भारत सरकार की पदेन सचिव सुश्री रूपा श्रीनिवासन ने 7 अप्रैल, 2025 को भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान (आईआरआईएफएम)/सिकंदराबाद का दौरा किया। उन्होंने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) उप-संवर्ग लेखा से संबंधित 55 प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत की, जो वर्तमान में संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे हैं। परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने राष्ट्र निर्माण में भारतीय रेलवे की भूमिका पर जोर दिया और बताया कि रेलवे को अब पुराने और नए का अग्रदूत माना जाता है, रेलवे हाइड्रोजन ट्रेन, हाइपर लूप आदि के साथ नवीनतम तकनीक लाने के लिए तैयार है। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसे एक बहुत ही सुसंगत संगठन बनाने के लिए बहुत सारे संस्थागत संशोधन किए गए हैं। उन्होंने वित्त और लेखा अधिकारियों से नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने के लिए कौशल हासिल करने का आह्वान किया। आईटी की शक्ति, बढ़ता डिजिटलीकरण और बेहतर समर्थन संरचना रेलवे को बदल रही है और लेखा एवं वित्त पेशेवरों को बदले हुए परिदृश्य में बड़ी भूमिका निभानी है। रेलवे बजट के विलय से वित्तीय बाधाएं काफी हद तक हल हो गई हैं।

चूंकि पूंजी व्यय बढ़ गया है, इसलिए सार्वजनिक धन का बुद्धिमानी से प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सार्वजनिक सेवा में नैतिक आचरण की भूमिका पर जोर दिया। श्रीमती अपर्णा गर्ग, महानिदेशक/आईआरआईएफएम ने किए गए प्रशिक्षण गतिविधियों और योजनाबद्ध किए जा रहे नए मॉड्यूल का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। आईआरआईएफएम को पिछले साल क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) से उत्कृष्ट ग्रेडिंग के साथ मान्यता मिली थी और इसने अपने कमीशन के बाद से वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक की सबसे अधिक संख्या में अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। श्रीमती रूपा श्रीनिवासन, सदस्य वित्त/रेलवे बोर्ड का स्वागत महानिदेशक, अपर महानिदेशक और आईआरआईएफएम के अन्य संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। परिवीक्षार्थियों ने प्रशिक्षण और क्षेत्र यात्राओं पर अपने अनुभव साझा किए। इससे पहले, दिन में सुश्री रूपा श्रीनिवासन, सदस्य वित्त/रेलवे बोर्ड ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और वित्त से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रेल निलयम में एक बैठक में एससीआर के सभी भारतीय रेलवे लेखा अधिकारियों को भी संबोधित किया।

सरसंघचालक मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों को दिया खास संदेश

2 घंटे चली बैठक में इन मुद्दों पर हुआ मंथन

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत मंगलवार सुबह काशी प्रवास के बाद लखनऊ पहुंचे। चारबाग रेलवे स्टेशन पर सुबह करीब साढ़े छह बजे ट्रेन से उतरने के बाद वे सीधे राजेंद्र नगर स्थित भारती भवन पहुंचे, जहां उन्होंने अवध प्रांत के पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक की। यह बैठक सुबह 7 बजे से 9 बजे तक चली, जिसमें अवध प्रांत के अध्यक्ष कौशल, अवध कैंट क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और स्वयंसेवक मौजूद रहे। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष (2025) की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ। भागवत की यह यात्रा संघ के आगामी शताब्दी वर्ष के दृष्टिकोण से बेहद अहम मानी जा रही है।

बैठक में यह तय किया गया कि संघ अपने 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में समाज के बीच जाकर संवाद स्थापित करेगा और संघ के योगदान व इतिहास को घर-घर पहुंचाने का अभियान शुरू करेगा। यह अभियान अक्टूबर-नवंबर 2025 से चलाया जाएगा। इस बैठक का एक अहम हिस्सा था – 'मन ठीक संवाद'। इस पहल के तहत डॉ। भागवत ने ऐसे पुराने पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों से संवाद किया, जो बीते कुछ वर्षों से संघ की गतिविधियों में निष्क्रिय हो गए थे। संघ नेतृत्व का मानना है कि शताब्दी वर्ष की सफलता के लिए अनुभवी और पुराने कार्यकर्ताओं को दोबारा सक्रिय करना बेहद जरूरी है।

पीएम मोदी 11 अप्रैल को आएंगे वाराणसी

हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट्स की देंगे सौगात

वाराणसी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आ सकते हैं। इस संभावित दौरे में पीएम मोदी तीन से चार घंटे अपने वाराणसी में रहेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी का आगमन 11 अप्रैल की सुबह 9.30 बजे के आसपास वाराणसी में होगा। इस दौरान पीएम मोदी राजातालाब क्षेत्र के मेंहदीगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे और साथ ही हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में वाराणसी के लगभग 50 हजार से अधिक लोग, जिनमें प्रबुद्ध वर्ग, महिलाएं, किसान, व्यापारी और छात्र आदि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के इस संभावित दौरे को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं।

3800 करोड़ से ज्यादा की सौगात

दरअसल पीएम मोदी 11 अप्रैल को वाराणसी का दौरा करेंगे। यहां पीएम राजातालाब-मेंहदीगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही जनसभा स्थल से ही पुलिस लाइन परिसर में तैयार ट्रांजिट हॉस्टल, रामनगर पुलिस बैरक, कुरू में तैयार राजकीय पालीटेक्निक समेत 1629.13 करोड़ की लागत से पूरी 19 परियोजनाएं जनता को सौंपेंगे और बाबतपुर के पास एनएच -31 अंडर पास टनल, यनिटी माल समेत 2255.05 करोड़ की लागत वाली 25 परियोजनाओं का शिलान्यास रखेंगे। इस तरह पीएम मोदी कुल 3800 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने जा रहे हैं।

तैयारियों में जुटा प्रशासन

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि पीएम मोदी सुबह 10 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पर उतरेंगे। इसके बाद यहां से हेलीकाप्टर से मेंहदीगंज पहुंचेंगे। लगभग ढाई घंटे तक यहां आयोजित कार्यक्रम में जनसभा और परियोजनाओं के लोकार्पण के साथ ही जीआई उत्पादों को प्रमाण पत्र संग विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित करेंगे। दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर अब तैयारियां तेज हो गई हैं। जनसभा स्थल पर जर्मन हैंगर लगने लगा है तो वहीं साफ-सफाई, रंगाई-पोताई, पार्किंग आदि का निर्माण भी शुरू हो गया है।

'लखनऊ में एलीवेटेड रोड के साथ मेट्रो रेल की एकीकृत योजना बनाए विभाग'

कोर्ट का सख्त आदेश

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने पीडब्ल्यूडी, आवास विकास परिषद, एलडीए, लखनऊ मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और नगर निगम को पॉलीटेक्निक से किसान पथ तक एलीवेटेड रोड के साथ-साथ मेट्रो रेल सेवा शुरू करने के संबंध में एकीकृत योजना बनाने के लिए दो माह का समय दिया है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 मई की तिथि नियत करते हुए कहा है कि विशेषज्ञों द्वारा इस एकीकृत योजना को बनाने के बाद इसके पूरा होने में लगने वाला समय भी पता चल जाएगा। तब इसे मूर्तरूप देने के लिए कदम उठाए जा सकते हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने अवध बार एसोसिएशन की वर्ष 2017 की एक जनहित याचिका पर पारित किया। न्यायालय के पिछले आदेश के अनुपालन में पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव अजय चौहान, आवास विकास परिषद के चेयरमैन पी गुरुप्रसाद व एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान उपस्थित हुए। वहीं, एलएमआरसी के जीएम आशीष द्विवेदी तथा एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव कोर्ट में हाजिर हुए। न्यायालय ने पाया कि उसके पिछले आदेश के बाद उक्त प्रोजेक्ट को लेकर कोई विशेष प्रगति नहीं हुई। इस पर पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव का कहना था कि सभी हितधारक विभागों, प्राधिकरण व एलएमआरसी को साथ मिलकर एकीकृत योजना बनाई जा सकती है।

पीएम से संवाद में रायबरेली की महिला ने कह दी ऐसी बात

मोदी को आ गई हंसी, बोले- आपको चुनाव लड़ना है क्या ?

रायबरेली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास में 'मुद्रा योजना' के लाभार्थियों से बातचीत की। बातचीत के दौरान रायबरेली में बेकरी का उद्यम करने वाली महिला मे ऐसी बात कह दी कि पीएम को हंसी आ गई। उन्होंने पलटकर पूछा कि आपको भी चुनाव लड़ना है क्या?

पीएम से संवाद के क्रम में रायबरेली की महिला का नंबर आया तो सबसे पहले उन्होंने मुद्रा लोन योजना शुरू करने के लिए पीएम का आभार व्यक्त किया। इसके बाद कहा कि आपके सहयोग से एमएसएमई को काफी लाभ मिल रहा है। उसके माध्यम से हम व्यापारियों को लाभ मिल रहा है। पहले लाइसेंस लेने में दिक्कतें होती थीं। लोन में काफी समस्या आती थी। अब वह समस्याएं दूर हुई हैं। हम आपसे वादा करते हैं कि आपका जो विकसित भारत का सपना है, हम मिलकर उसे पूरा करेंगे।

महिला की इस बात पर पीएम ने पलटकर पूछा कि आप चुनाव लड़ना चाहती हैं? इस पर उसने हंसते हुए कहा नहीं। फिर पीएम ने महिला से उसके उद्योग और स्टाफ के बारे में पूछा। इस पर महिला ने कहा कि वह बेकरी का उद्योग करती हैं। उनके पास 7-8 लोगों का स्टाफ है। महीने का टर्न ओवर करीब ढाई से तीन लाख का है।

तालाब में गिरी स्कॉर्पियो, पति-पत्नी, दो बेटों की मौत

गया, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गया में रात सड़क हादसे में पूरे परिवार की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और दो बेटे शामिल हैं। परिवार स्कॉर्पियो से श्राद्ध कर्म से घर लौट रहा था। इसी दौरान खिजरसराय में दखिनगांव के पास पुल से बेकाबू होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। हादसे में ड्राइवर बच गया, लेकिन दंपती और उनके दोनों बेटों की जान चली गई। मृतकों की पहचान सहवाजपुर गांव के रहने वाले पेशे से किसान शशिकांत शर्मा (43), उनकी पत्नी रिंकी देवी (40), बड़ा बेटा सुमित आनंद (17) और बालकृष्ण (5) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, शशिकांत शर्मा अपने दोस्त की मां के श्राद्ध में बिहारशरीफ गए थे। यहां से लौटने के दौरान वजीरगंज थाना क्षेत्र में हादसा हुआ। हादसे के बाद गाड़ी ड्राइव कर रहा युवक सिंटू किसी तरह बाहर निकला और मदद के लिए शोर मचाने लगा। सिंटू घायल है और इलाज के लिए उसे मगध मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी वजीरगंज थाना की पुलिस को दी गई है।

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की पत्नी लड़ेगी चुनाव

हरनौत से ताल ठोकने की तैयारी, खुल गया ऑफिस

नालंदा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में चर्चा में रहे नालंदा के संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हरनौत विधानसभा से ताल ठोक रही हैं। हरनौत में चुनावी कार्यकर्ता कार्यालय का उद्घाटन किया गया, जिसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इसके पहले उन्होंने चंडी प्रखंड में कार्यकर्ता सम्मेलन कर लोगों का आशीर्वाद मांगी। हालांकि, वे पिछली बार के विधानसभा चुनाव में लोजपा पार्टी से चुनाव लड़ी थीं, मगर उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी कहा कि अगर जनता ने उन्हें मौका दिया, तो वे क्षेत्र की सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करेंगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली-पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर वे गंभीर प्रयास करेंगी। उन्होंने ये भी कहा कि आम जनता की समस्याओं को सुनना और उन्हें दूर करना ही उनका पहला कर्तव्य होगा। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये कार्यालय जनता और कार्यकर्ताओं के लिए सदैव खुला रहेगा। उन्होंने सभी से अपील की कि वे आगे भी इसी तरह से सहयोग और समर्थन बनाए रखें, ताकि हरनौत को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।

सूखे कुएं से आ रही थी अजीब सी गंध, अंदर झांका तो उड़े होश

भदोही, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के भदोही जिले के गोपीगंज थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। गांव के किसान खेत में थ्रेसरिंग कर रहे थे। इस दौरान खेत के बगल स्थित कुएं से हवा चलने पर अजीब सी गंध आई। आशंका होने पर जब किसानों ने कुएं में झांक कर देखा तो कंकाल जैसा प्रतीत हुआ। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना गोपीगंज थाना क्षेत्र के मदनपुर गांव की है। दोस्त के साथ 3 महीने पहले लापता हुए एक व्यक्ति का कंकाल सोमवार को उसके घर से 250 मीटर दूर एक सूखे कुंए में मिला। घटना के बाद एडिशन एसपी शुभम अग्रवाल समेत अन्य मौके पर पहुंचे। उन्होंने गोताखोर की मदद से उसके शव को बाहर निकलवाया। कंकाल की पहचान उसके कपड़े से उसकी पत्नी रेखा देवी ने अपने पति मुकेश कुमार बिन्द (35) के रूप में की है जो 30 दिसंबर, 2024 से लापता था।

किसान नेता, पुत्र और भाई की गोली मारकर हत्या ट्रिपल मर्डर से मची सनसनी

फतेहपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर के अखरी गांव में मामूली विवाद में हुई कहा सुनी के बाद एक किसान नेता सहित तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ट्रिपल मर्डर की इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। मंगलवार की सुबह एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। सरेआम अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सहित पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर और बाइक के साइड नहीं देने पर विवाद शुरू हुआ था और विवाद इतना बढ़ा कि तीन लोगों की जान चली गई।

वैशाली के जंदाहा में सुबह-सुबह भीषण हादसा, ट्रक और कार की टक्कर में 4 की मौत

हाजीपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली में जंदाहा प्रखंड के अंतर्गत महिसौर थाना क्षेत्र के पनसला चौक के निकट मंगलवार सुबह करीब 3 बजे ट्रक और कार की भीषण टक्कर में एक बच्ची और तीन महिला की मौत हो गई। जबकि चालक समेत तीन घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस ने सभी को सदर अस्पताल लेकर पहुंची। जहां बिदुपुर थाना क्षेत्र के देवा चौक पानापुर कुशियारी निवासी क्रांति कुमार की पत्नी बबीता देवी, 8 वर्षीय पुत्री सोनाक्षी कुमारी एवं गणेश राय की पत्नी मोना देवी की मौत हो गई। मोना देवी आंगनबाड़ी सहायिका है। नवविवाहिता की पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस को देखते ही मची भगदड़, अंदर का था ऐसा नजारा; अफसरों के भी उड़ गए होश

लोनी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद जनपद के लोनी में बॉर्डर थाना पुलिस ने रात रेस्टोरेंट की आड़ में अवैध तरीके से चल रहे हुक्का बार पर छापेमारी की। तीन छोटे हुक्के, एक बड़ा हुक्का, एक चिलम, चार हुक्का की पाइप, दो चिमटा, छह पैकेट तंबाकू फ्लेवर बरामद हुआ है। पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, आरोपी से पूछताछ कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अजय कुमार सिंह ने बताया कि रात सूचना मिली कि बॉर्डर थाना के निकट क्षेत्र में म्यूजिक रेस्टोरेंट के अंदर अवैध तरीके से हुक्का बार चलाया जा रहा है। जानकारी मिलते ही बॉर्डर थाना पुलिस म्यूजिक रेस्टोरेंट के द्वितीय तल पर जाकर गेट खोला तो अंदर धुंआ ही धुंआ भरा था। पुलिस के अनुसार, अंदर चार-पांच लोग हुक्का पी रहे थे। पुलिस को देख भगदड़ मच गई। इस दौरान काउंटर पर मौजूद तीन युवकों से पुलिस ने पूछताछ की। पूछताछ में उन्होने अपने नाम गजेंद्र निवासी जोहरीपुर करावल नगर दिल्ली, दीपक निवासी ईस्ट जवाहर नगर लोनी बॉर्डर, हर्ष शर्मा निवासी जोहरीपुर करावल नगर दिल्ली बताया। उन्होंने बताया कि यह रेस्टोरेंट हम तीनों मिलकर चलाते हैं। पूछताछ के बाद पुलिस ने वहां की तलाशी ली। पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एचएएल प्रबंधक बोला- मेरी सेक्सुअल डिमांड पूरी करो:वरना ट्रांसफर कर दूंगा, मुझे सिर्फ सुकून चाहिए

कानपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कोई मेरा दर्द और समस्या समझता है क्या? मेरी पत्नी गुजर गई है। मेरी भी कुछ जरूरत हो सकती है। मुझे भी सुकून चाहिए। तुम समझ रही हो न। अगर तुमने मेरी सेक्सुअल डिमांड पूरी नहीं की तो भुगतने के लिए तैयार रहो। मैं मानव संसाधन का प्रमुख हूं। जहां चाहूं वहां तेरा ट्रांसफर कर दूंगा। यह धमकी कानपुर में एचएएल के चिकित्सा विभाग के प्रबंधक ने महिला कर्मचारी को दी। कर्मचारी का आरोप है कि प्रबंधक ने मेरा हाथ पकड़ कर अभद्रता की। अपशब्दों का प्रयोग किया।

दुल्हन नहीं, उसकी मां से हुआ प्यार फिर शादी से पहले सास के साथ भाग गया दूल्हा

अलीगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्यार अंधा होता है... ये कहावत को आपने सुनी ही होगी। जब किसी से प्यार होता है तो उम्र, जाति या धर्म कुछ नजर नहीं आता। ऐसी ही बानगी देखने को मिली उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में। यहां शादी से 9 दिन पहले दूल्हा अपनी होने वाली सास के साथ ही भाग गया। दोनों के बीच अफेयर कब शुरू हुआ, किसी को पता न चला। इस घटना के बाद से ही दुल्हन सदमे में है। मामला यूपी के अलीगढ़ के मडराक थाना क्षेत्र का है। यहां एक मां अपनी बेटी के होने वाले पति यानि दामाद के साथ फरार हो गई। दोनों कहां हैं, अभी तक पता नहीं चल पाया है। 16 अप्रैल को महिला की बेटी की शादी थी, वो भी उसी लड़के के साथ जिसके साथ वो खुद भागी है। दूल्हे राजा ने अपनी सास को मोबाइल भी गिफ्ट किया था, जिसके जरिए दोनों चोरी-छिपे बातें करते थे। किसी को इस बात की भनक तक नहीं लगी की दोनों के बीच लव अफेयर चल रहा है। महिला ने खुद बेटी का रिश्ता करवाया था। भागने से पहले वो बेटी की शादी के लिए घर में रखे लाखों रुपये के जेवर और ढाई लाख रुपये कैश भी ले गई है। महिला के परिजनों ने इस बात की शिकायत पुलिस से है। महिला के गुमशुदगी का मामला दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। यह बात जानकर इलाके के लोग भी हैरान हैं। लड़की के होने वाले ससुराल में भी इसकी चर्चा हो रही है। किसी को इस बात पर पहले विश्वास नहीं था। लेकिन दोनों एक ही दिन गायब हुए तो परिवार को शक हुआ। फिर पता चला कि सच में दोनों साथ में ही भागे हैं।

संभल की शाही जामा मस्जिद का बदला गया नाम

तैयार हुआ जुमा मस्जिद बोर्ड

संभल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद एक बार फिर चर्चा में आ गई है, इस बार कोई विवाद या बयान नहीं बल्कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की तरफ भेजे गए एक नए साइन बोर्ड को लेकर है। जिसमें मस्जिद को उसके सामान्य नाम शाही जामा मस्जिद के बजाय "जुमा मस्जिद" लिखा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि जल्द ही ये साइन बोर्ड मस्जिद पर लगाया जाएगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने दस्तावेजों में जामा मस्जिद का नाम जुमा मस्जिद बताया है। एएसआई का दावा है कि नया साइनबोर्ड उनके रिकॉर्ड में दर्ज नाम के अनुसार है। यह मस्जिद पहले भी विवादों में रही है, जिसमें एक याचिका में इसके हिंदू मंदिर होने का दावा किया गया था। पिछले साल हुए सर्वेक्षण के दौरान भी हिंसा हुई थी। एएसआई के वकील विष्णु शर्मा ने बताया कि मस्जिद के बाहर पहले एएसआई का एक बोर्ड लगाया गया था, लेकिन कथित तौर पर कुछ लोगों ने इसे हटाकर इसकी जगह 'शाही जामा मस्जिद' लिखा हुआ बोर्ड लगा दिया। नया बोर्ड एएसआई के दस्तावेजों में दर्ज नाम 'जुमा मस्जिद' के अनुसार जारी किया गया है। शर्मा ने कहा कि मस्जिद परिसर के अंदर पहले से ही इसी नाम का एक नीला एएसआई बोर्ड मौजूद है। संभल की जामा मस्जिद का नाता विवादों से रहा है। इसको लेकर दावा किया जाता है कि यह प्राचीन हिंदू मंदिर का स्थल था। पिछले साल 24 नवंबर को सर्वे के दौरान संभल के कोट गर्वी इलाके में हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें चार लोग मारे गए थे, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। इलाके में शांति बहाली के लिए पुलिस को कई दिनों तक इंटरनेट बंद और कर्फ्यू लगाना पड़ा था।

अचानक थाना पहुंचे तेजप्रताप यादव

सीएम नीतीश के गृह जिले से आए शख्स की यह बात सुन पुलिस के पास गए

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव एक बार फिर चर्चा में हैं। रात्रि को तेज प्रताप यादव अचानक पटना के कदमकुआं थाना पहुंच गए।तेजप्रताप को अचानक थाने पहुंचते देख सारे पुलिसकर्मी चौंक गए। पूर्व मंत्री के आने की सूचना पर फौरन थानेदार भी पहुंचे। इसके बाद तेज प्रताप ने सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा से आए शख्स मदद करने का अनुरोध पुलिस अधिकारी से किया। अब यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

रात में कदलकुआं इलाके में घूम रहे थे तेज प्रताप

बताया जा रहा है कि मध्य रात्रि को तेज प्रताप यादव कदमकुआं इलाके से रात में घूमते हुए गुजर रहे थे। गोलंबर के पास कुछ लोग खड़े थे, जिसे उन्होंने गाड़ी रोक दी। तेजप्रताप यादव ने उनलोगों से पूछा कि कोई दिक्कत है?। मौके पर मौजूद अरूणेश कुमार ने बताया कि नालंदा जिले के गोंदू विगहा पंचायत के मुखिया पति बिंदु यादव पांच दिनों से लापता हैं। छानबीन में उनका लोकेशन यहीं किसी आसपास के अपार्टमेंट में मिल रही है। उन्हें ही खोजने आए हैं। पुलिस की सहायता मिल जाती तो और आसान हो जाता।

तेजप्रताप सभी लोगों को लेकर थाना पहुंच गए

बस इतनी सी बात पर तेजप्रताप सभी लोगों को लेकर थाना पहुंच गए। इसके बाद तेज प्रताप यादव ने कुदमकुआं थानेदार से इन लोगों की मदद की गुहार लगाई। थानेदार के आदेश पर फौरन पुलिस टीम के साथ बताए गए लोकेशन पर भी पहुंचे। लेकिन, लापता व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिल सका। तेज प्रताप यादव ने भी मामले की लगातार निगरानी का भरोसा दिया और कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे।

सुपौल में निगरानी की बड़ी कार्रवाई, घूस लेते एसडीपीओ के रीडर को पकड़ा

सुपौल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में घूस लेने वालों के खिलाफ लगातार निगरानी विभाग की टीम कार्रवाई कर रही है। वैशाली के बाद अब सुपौल में एक्शन देखने को मिला है। निगरानी की टीम ने मंगलवार की सुबह वीरपुर एसडीपीओ के रीडर को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सुबह लगभग 9 बजे एएसआई स्टेनो मिट्ठू कुमार उर्फ बिट्टू को 30 हजार रुपये रिश्वत ले रहे थे। इसी दौरान निगरानी की टीम ने दबोच लिया। बताया जा रहा है कि एएसआई मिट्ठू कुमार एक विशेष कार्य के लिए यह घूस ले रहे थे। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि घूस किस मामले में लिया जा रहा था और इस प्रकरण में और कौन-कौन लोग संलिप्त हैं। निगरानी विभाग की टीम फिलहाल पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। इस कार्रवाई के बाद सुपौल पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निगरानी की टीम की ओर से अब तक इस मामले में आधिकारिक रूप से कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। शाम तक इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा सकती है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का एक और उदाहरण है। बता दें कि बीते सोमवार को निगरानी की टीम ने वैशाली में बड़ी कार्रवाई की थी। निगरानी टीम ने घूस लेते हुए डाटा इंट्री ऑपरेटर आदित्य कुमार को रंगे हाथों पकड़ा था।

20 साल में तीन गुणा कम हुए बिहार में दंगे, डीजीपी ने बताए इसके 2 कारण

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में बीते 20 साल में सांप्रदायिक दंगों की वारदातों में तीन गुणा की कमी दर्ज की गई है। पुलिस मुख्यालय की ओर से इस संबंध में आंकड़े जारी किए गए हैं। बताया गया कि 2004 में राज्यभर में 9 हजार 199 दंगे हुए थे, जिनकी संख्या 2024 में घटकर 3 हजार 186 हो गई। इसके पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला वर्ष 2016 में लागू हुई पूर्ण शराबबंदी कानून और दूसरा 2021 में शुरू हुई डायल-112 प्रणाली। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त दंगा से संबंधित आंकड़ों के मुताबिक, 2001 में 8 हजार 520 दंगे हुए थे। 2004 में संख्या बढ़कर 9 हजार 199 तक पहुंच गई। इसके बाद 2015 में इन घटनाओं की संख्या में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 13 हजार 311 हो गई। 2016 में शराबबंदी कानून के लागू होने के बाद इसमें तेजी से कमी आई। यह संख्या घटकर 11 हजार 617 तक पहुंच गई। 2021 में डायल-112 की शुरुआत की गई। इसके शुरू होने के बाद इन घटनाओं में तेजी से कमी दर्ज की गई। यह 2021 में घटकर 6 हजार 298 तक पहुंच गई। 2024 में यह घटकर आधी के करीब पहुंच गई और यह 3 हजार 186 तक आ गई। इस तरह 20 साल में दंगों की संख्या में तीन गुणा कमी आई है। 2005 में तो महज 205 मामले दर्ज किए गए हैं।

किसी भी आपात स्थिति या घटना के दौरान डायल-112 पर कॉल करने के 15 से 20 मिनट के अंदर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जाती है। दंगा से जुड़ी घटनाओं या किसी झड़प के दौरान डायल-112 पर फोन आते ही पुलिस सक्रियता दिखाते हुए संबंधित मौके पर पहुंचकर इसे नियंत्रित कर लेती है। कुछ एक मामलों में किसी स्थान पर पुलिस की संख्या उपद्रवियों की तुलना में कम होने की स्थिति में झड़प की स्थिति पैदा हो जाती है। ऐसी स्थिति में भी झड़प को नियंत्रित करते हुए लोगों को घायल होने से बचाने में कामयाब रहती है। इसी वजह से 2020 में दंगा की 9 हजार 419 घटनाएं हुई थी जो 2021 में घटकर 6 हजार 298 हो गई।

जयपुर से मुंबई जा रही इंडिगो फ्लाइट को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर से मुंबई जा रही इंडिगो फ्लाइट को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। फ्लाइट में एक धमकी भरी चिट्ठी मिली। जिसके बाद सुरक्षा के तौर पर मुंबई एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। फ्लाइट रात 8 बजकर 50 मिनट पर छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड हुई थी। बता दें कि फ्लाइट की लैंडिंग नॉर्मल थी और पैसेंजर्स के उतरने के बाद यह चिट्ठी बाथरूम में मिली, जिसके बाद तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। जिसके बाद फ्लाइट की जांच की गई, जिसमें पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह चिट्ठी बाथरूम में किसने रखी और उसके पीछे क्या वजह थी। गनीमत रही कि एयरपोर्ट के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। सीएसएमआईए एयरलाइन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से कोऑर्डिनेशन कर रहा है। इंडिगो ने बताया कि यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीएसएमआईए ने अपने बयान में कहा कि जयपुर (जेएआई) से मुंबई (बीओएम) जा रहे एक विमान में एक धमकी भरा नोट मिला।

एहतियात के तौर पर, मुंबई एयरपोर्ट पर रात 8:43 बजे फुल इमरजेंसी घोषित कर दिया गया था। विमान 8 बजकर 50 मिनट पर सुरक्षित उतरा। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से एयरपोर्ट का संचालन अप्रभावित रहा। सीएसएमआईए ने यह भी कहा कि वे एयरलाइन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि वे स्थिति पर पूरी नजर रख रहे हैं।

फडणवीस के मंत्री का एलान

'औरंगजेब की कब्र वाले खुल्दाबाद शहर का नाम बदलकर रत्नापुर रखा जाएगा'

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में औरंगजेब को लेकर मचे बवाल के बीच देवेंद्र फडणवीस सरकार के मंत्री ने खुल्दाबाद शहर का नाम बदलने का एलान कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने कहा है कि मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र वाले खुल्ताबाद शहर का नाम बदलकर रत्नापुर रखा जाएगा। सामाजिक न्याय मंत्री, राज्य के कुछ अन्य नेता और दक्षिणपंथी संगठन छत्रपति संभाजीनगर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर खुल्ताबाद से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहे हैं। औरंगजेब, उसके बेटे आजम शाह, निजाम आसफ जाह और कई अन्य लोगों की कब्रें इस इलाके में स्थित हैं।

'औरंगजेब की कब्र के लिए महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं'

इससे पहले पिछले महीने शिरसाट ने कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज को प्रताड़ित करने और उनकी हत्या करने वाले क्रूर सम्राट औरंगजेब की कब्र के लिए महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। पिछले हफ्ते ही पत्रकारों से बात करते हुए शिरसाट ने कहा था कि छत्रपति संभाजीनगर को पहले खड़की के नाम से जाना जाता था और बाद में इसका नाम बदलकर औरंगाबाद कर दिया गया।

'रत्नापुर का नाम बदलकर खुल्दाबाद कर दिया गया था'

शिवसेना नेता ने कहा, 'खुल्दाबाद को पहले रत्नापुर के नाम से जाना जाता था। औरंगजेब के शासनकाल में कई जगहों के नाम बदले गए थे। हम खुल्ताबाद का नाम बदलकर रत्नापुर करने जा रहे हैं।' छत्रपति संभाजीनगर जिले के संरक्षक मंत्री ने कहा, 'हम उन सभी जगहों के नाम बदलने की प्रक्रिया चला रहे हैं, जिनके नाम उचित नहीं हैं। जैसे- औरंगाबाद। औरंगजेब के शासनकाल में रत्नापुर का नाम बदलकर खुल्ताबाद कर दिया गया था।'

सरकार स्मारक बनाने को लेकर भी सकारात्मक

शिरसाट ने कहा कि सरकार खुल्ताबाद में एक स्मारक बनाने को लेकर भी सकारात्मक है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके बेटे संभाजी महाराज के इतिहास का प्रतीक बनेगा।

6 महीने बाद 'जिंदा' हो गई महिला, हैरान कर देगी 46 साल की उमा की ये कहानी

शहडोल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक 46 साल की महिला को रोजगार सहायक और पंचायत सचिव ने सरकारी दस्तावेज में मरा हुआ घोषित कर दिया। ये मामला शहडोल जिले के बुढार जनपद पंचायत के एक गांव का है। महिला अब लाभर्थी नहीं रही। उसे लाडली बहना योजना का पैसा नहीं मिल रहा है। महिला परेशान है और खुद को जीवित साबित करने से लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रही है। महिला का नाम उमा खुशवाहा है। ये महिला ग्राम पंचायत खामीडोल की है। दरअसल, बीते साल अक्टूबर में महिला के पति की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद महिला को ग्राम रोजगार सहायक शिवराम सिंह कंवर ने परिवार समग्र आईडी पर मृत घोषित कर दिया। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, महिला ने कहा कि मेरे पति की मृत्यु के बाद लाडली बहना योजना का पैसा मेरे लिए बहुत मददगार साबित हुआ। मैंने अपने पति के अंतिम संस्कार के लिए 20 हजार रुपये का कर्ज लिया था, लेकिन पिछले साल नंवबर से अचानक मुझे लाडली बहना योजना का पैसा मिलना बंद हो गया। महिला ने कहा कि इसके बाद मैंने गांव के रोजगार सहायक से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि वो जांच करेंगे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

क्या सरकारी जमीन पर बनी दरगाह वक्फ संपत्ति है? गुजरात हाईकोर्ट ने दिया ये आदेश

राजकोट, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट के आनंदपरा गांव में एक नेशनल हाइवे पर बनी एक सौ साल पुरानी दरगाह को राज्य हाईकोर्ट ने वक्फ की संपत्ति मानने से इनकार कर दिया है। यही नहीं राज्य सरकार ने हाइवे के विकास के लिए दरगाह हाटने का जो फैसला लिया है, उसको भी गुजरात हाईकोर्ट ने सही ठहराया है। ये दरगाह आनंदपरा गांव के नेशनल हाइवे 27 पर है। ये सूफी संत हजरत जलाल शाह पीर की दरगाह है। दरअसल, काटारिया उस्मानगनी हाजीभाई ट्रस्ट ने गुजरात हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। याचिका में ट्रस्ट ने राज्य सरकार के दरगाह को तोड़ने के फैसले को चुनौती दी थी। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अनिरुद्ध पी मायी ने राज्य सरकार के कदम को सही ठहराते हुए ट्रस्ट की याचिका को खारिज कर दिया।

कोर्ट बोला- सरकारी जमीन वक्फ की संपत्ति नहीं

कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ट्रस्ट एक पंजीकृत वक्फ है, लेकिन इसके बाद बाद भी वो इस जगह पर अपना मालिकाना हक साबित नहीं कर पाया है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी जमीन पर बनी दरगाह को वक्फ की संपत्ति नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार ने नेशनल हाइवे अधिनियम 1956 के तहत सही तरह से जमीन अधिग्रहित की है। दरगाह को तोड़ने का फैसला गलत नहीं- कोर्ट कोर्ट ने कहा कि राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में ये जमीन सरकारी जमीन है। हाइवे के विकास ने सरकार का दरगाह को तोड़ने का फैसला बिल्कुल भी गलत नहीं हैं। सरकार का ये फैसला नियम के अनुसार है। दरअसल ट्रस्ट की ओर से दावा किया गया था कि ये दरगाह सौ साल पुरानी है। दरगाह वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज है। ट्रस्ट ने ये भी कहा कि ये दरगाह जर्जर हो चुकी है और वो इसका दोबारा निर्माण करना चाहता था, लेकिन कोर्ट ने इसे अवैध बताते हुए उसकी याचिका और दावे को खारिज कर दिया।

दिल्ली में फीस बढ़ाने वाले प्राइवेट स्कूल पर कसी जाएगी नकेल, शिक्षा मंत्री ने किया वादा

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में इन दिनों कुछ प्राइवेट स्कूल बच्चों की फीस में बढ़ोतरी कर रहे हैं, जिसकी कई शिकायतें सोशल मीडिया पर सामने आई। अब इसी को लेकर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने वादा किया कि वे जल्द मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले प्राइवेट स्कूलों पर कार्रवाई करेंगे। मंत्री ने कहा कि ऐसे स्कूलों की लिस्ट तैयार की गई है और हर एक का निरीक्षण किया जाएगा, फिर उसके बाद निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सूद ने आगे कहा, "प्रदेश के 1,677 प्राइवेट स्कूल में से 335 सरकारी जमीन पर चल रहे हैं और वे दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट 1973 के तहत आते हैं इसलिए फीस बढ़ाने के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता है, केवल 114 स्कूल ही इस शर्त से फ्री हैं।" मंत्री ने 'मॉडर्न स्कूल' मामले में 2004 के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए दोहराया कि प्राइवेट स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीओई) की मंजूरी के बिना फीस नहीं बढ़ा सकते। सूद ने द्वारका के एक प्राइवेट स्कूल के आंकड़ों का हवाला दिया, जिसने 2020 से 2025 तक लगातार अपनी फीस में 7 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी की है। उन्होंने कुछ प्राइवेट स्कूलों के नाम भी बताए, जिन्होंने शिक्षा निदेशालय की मंजूरी के बिना फीस में 30 से 38 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। मंत्री ने कहा कि सभी 1,677 प्राइवेट स्कूलों से 'ऑडिट' रिपोर्ट इकट्ठा करने के लिए समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच करने के लिए समिति में तहसीलदार और लेखा अधिकारी शामिल हैं। साथ ही मुख्यमंत्री के निर्देश पर दिल्ली सरकार ने फीस बढ़ोतरी के मामलों में सुनवाई में तेजी लाने के लिए कोर्ट से अपील की है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग ने शिक्षा उपनिदेशक की निगरानी में एक ईमेल सेवा शुरू की है,

122 करोड़ के गबन में चौंकाने वाले खुलासे हिरेन भानु ने हितेश मेहता पर फोड़ा ठीकरा

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में हुए 26 करोड़ के गबन मामले में पूर्व चैयरमेन हिरेन भानु ने गिरफ्तार आरोपी हितेश मेहता पर ठीकरा फोड़ा है। उन्होंने पुलिस थाने में अपने बयान दर्ज कराए और कई खुलासे किए। हिरेन भानु ने अपने बयान में कई सनसनीखेज दावे भी किए हैं। भानु ने सारा ठीकरा गिरफ्तार आरोपी हितेश मेहता पर फोड़ा है। सूत्रों की मानें तो हिरेन भानु ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में बैंक घोटाले को लेकर स्टेटमेंट दर्ज कराया है। अपने बयान में उन्होंने सीधे-सीधे हितेश मेहता को दोषी ठहराया है, जो इस मामले में गिरफ्तार है। वहीं हिरेन भानु पर बैंक घोटाले की जांच शुरू होने के बाद देश छोड़कर भागने का आरोप लगा है।

भानु का दावा- मेहता ने कबूली हेराफेरी की बात

हिरेन ने दावा किया है कि उनकी पत्नी गौरी भानु बैंक की कार्यवाहक अध्यक्ष हैं और वे किसी घोटाले के कारण भागी नहीं हैं, बल्कि वे उनके साथ विदेश में रह रही हैं। थाईलैंड ट्रिप की प्लानिंग पहले से ही की हुई थी। बता दें कि भानु ने पिछले महीने मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू को अपना बयान दिया था और कथित 122 करोड़ रुपये के घोटाले के लिए गिरफ्तार आरोपी हितेश मेहता को दोषी ठहराया था। उन्होंने दावा किया था कि जब आरबीआई के अधिकारी प्रभा देवी बैंक के मुख्यालय पहुंचे थे तो मेहता ने खुद उन्हें फोन किया और गुजराती में स्वीकार किया कि उन्होंने यह काम किया है। 5 साल में पैसे की हेराफेरी की बात कबूल की है।

26 करोड़ के भुगतान को किया खारिज

भानु ने यह भी दावा किया कि मेहता ने दहिसर स्थित एक इमारत को 70 करोड़ रुपये देने की बात कबूल की है, जबकि उसके द्वारा 6 अन्य लोगों के साथ मिलकर कथित तौर पर बड़ी रकम भी निकाली गई थी। भानु ने अपने बयान में इस बात से इनकार किया है कि मेहता ने उसे 26 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। उन्होंने कहा कि उनके आय के स्रोत उनके आयकर रिटर्न में दर्ज हैं और उनके खिलाफ आरोप असत्यापित हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे मेहता पर झूठ पकड़ने वाला परीक्षण किया गया था और जिसके परिणाम नकारात्मक आए थे। भानु ने यह भी सवाल उठाया कि 2021 से आरबीआई की निगरानी के बावजूद धोखाधड़ी पर किसी का ध्यान कैसे नहीं गया, जिससे गंभीर संदेह पैदा होता है।

पंजाब में भाजपा नेता के घर ग्रेनेड अटैक सरकार पर हमलावर हुआ विपक्ष

मंत्री बोले-ये लॉरेंस बिश्नोई का काम

चंडीगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर में आतंकी हमले पर राजनीति गरमा गई है। पूरा विपक्ष एकजुट होकर सरकार पर हमलावर हो गया है। वहीं मान सरकार के मंत्री एक्शन लेने की बात कह रहे हैं। रात धमाके के बाद केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू मनोरंजन कालिया का हालचाल जानने के लिए जालंधर पहुंचे। बिट्टू ने कहा कि इस तरह के हमलों से पूरा पंजाब और देश दहल गया है क्योंकि पंजाब ऐसी चीजों से गुजरा है और तब भी इस तरह से ग्रेनेड नहीं फेंके जा रहे थे। मनोरंजन कालिया पंजाब में भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं और रात में उनके गेट पर ग्रेनेड फेंके जाते हैं। राज्य सरकार पूरी तरह से यहां नियंत्रण खो चुकी है, हर दिन पुलिस थानों पर ग्रेनेड फेंके जा रहे हैं। पंजाब में आतंक का माहौल है। यहां दो ग्रुप बन गए हैं, एक दिल्ली से हैं जो पंजाब में लूट करने आए हैं और दूसरे पंजाब से हैं। आम आदमी पार्टी सिर्फ लूट करने आई है, उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। वहीं पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि इस तरह के धमाकों की आवृत्ति और नियमितता में वृद्धि हुई है। आश्चर्य है कि क्या ये धमाके पंजाब सरकार के बहरे कानों में कोई आवाज पैदा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को जाग जाना चाहिए, कहीं बहुत देर न हो जाए। पंजाब एक और काला युग बर्दाश्त नहीं कर सकता। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि पंजाब में अराजकता की सारी हदें पार हो गई हैं। पुलिस थानों, पूजा स्थलों पर हमले और बाबा साहब डॉ। बीआर अंबेडकर की मूर्तियों को तोड़ने के बाद अब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर ग्रेनेड हमला हुआ है।

बासमती पर 27 फीसदी अमेरिकी टैरिफ: पंजाब के किसानों को झटका, पाक को हो सकता है फायदा

जालंधर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत हर साल अरबों डॉलर कीमत के बासमती चावल अमेरिका को निर्यात करता है। इसका निर्यात का मुख्य केंद्र पंजाब की बासमती है। इस व्यापार पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर अतिरिक्त 27 फीसदी पारस्परिक कर लगाने का फैसला लिया है। इसका सीधा असर पंजाब पर होगा। पंजाब से बासमती निर्यात अशोक सेठी का कहना है कि मान लीजिए कि एक क्विंटल बासमती चावल की कीमत 100 रुपये है। वहीं, अमेरिका की ओर से 27 फीसदी पारस्परिक कर लगाने से इस एक क्विंटल चावल की कीमत अमेरिका में 127 रुपये होगी। इस तरह अमेरिकी आयातक भारत को छोड़ दूसरे बाजारों की खोज पर निकलेंगे। इससे पाकिस्तान को फायदा हो सकता है। पंजाब की बासमती पाकिस्तान की बासमती का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मुकाबला करती है। इस तरह यह पारस्परिक कर भारतीय निर्यात के लिए समस्या बन सकता है। भारतीय निर्यात पर प्रभाव के साथ अमेरिका का यह कदम चेन सप्लाई को बाधित कर सकता है। भारत सबसे अधिक कृषि उत्पादों का निर्यात अमेरिका को करता है। दोनों देशों के बीच साल 2024 में द्विपक्षीय कृषि व्यापार कुल करीब 50 हजार करोड़ रुपये का था। इस दौरान भारत ने करीब 40 हजार करोड़ रुपये के कृषि उत्पादों का निर्यात अमेरिका को किया था।

2023-24 में अमेरिका को 3.08 लाख मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में अमेरिका को 3.08 लाख मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया गया। देश से कुल 59.42 लाख मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया गया, जबकि 2023-24 में अमेरिका को 3.15 लाख मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया गया। 1991 के बाद से बासमती एक स्थानीय व्यंजन से नकदी फसल बन गई है। इसका निर्यात इसके पिछले कुल मूल्य से 37 गुना बढ़ गया है। अब राज्य में 6.71 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बासमती धान उगाया जाता है। बासमती धान की खेती में पंजाब और हरियाणा का योगदान देश के कुल उत्पादन का 70 फीसदी से ज्यादा है। बासमती धान की खेती में कम पानी लगता है और इसे देर से भी बोया जा सकता है। बासमती धान की खेती में फायदा ज्यादा होता है। बासमती चावल की नई किस्म पंजाब बासमती 7 को पीएयू ने विकसित किया है। बासमती धान की खेती में अमृतसर, मुक्तसर, फाजिल्का, तरनतारन, और संगरूर जिले प्रमुख हैं।

आदेशों की अनुपालना नहीं करने पर अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह हाईकोर्ट तलब

शिमला, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने उच्च न्यायालयों के कर्मचारियों को 20 फीसदी इंक्रीमेंट देने के आदेशों की अनुपालना न करने पर अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह को तलब किया है। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश संदीप शर्मा की खंडपीठ ने कहा कि अगली सुनवाई से पहले अगर आदेशों की अनुपालना नहीं की गई तो अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह को रिकॉर्ड के साथ व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होना होगा। इस मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय अराजपत्रित कर्मचारी संघ की ओर से अदालत में वर्ष 2018 में याचिका दायर की थी। याचिका में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की तर्ज पर हाईकोर्ट रजिस्ट्री के कर्मचारियों के वेतनमान में समानता लाने के लिए 1 जनवरी 2006 से ग्रेड पे 20 फीसदी की वृद्धि के साथ दिए जाने की मांग की थी। जिसे प्रदेश उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर दिया। उसके बाद सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम गई। शीर्ष अदालत ने भी हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। इसके बाद कर्मचारी संघ ने आदेशों की अनुपालना न करने पर एक्जीक्यूशन याचिका दायर की गई।

सरकार की ओर से पिछली सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि विभाग ने मीटिंग करने के बाद यह निर्णय किया कि दो साल के भीतर चार किस्तों में कर्मचारियों को यह पैसा रिलीज किया जाएगा, लेकिन अभी तक यह हाई पे इंक्रीमेंट कर्मचारियों को नहीं दिया गया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रतिवादी जानबूझकर न्यायालय की ओर से दिए गए निर्णय को लागू करने से बच रहे हैं।

मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन में करने वाली है 'सर्जरी'

उठाए जा सकते हैं बड़े कदम

भोपाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस में अब बड़े बदलाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद अब संगठन स्तर पर कांग्रेस को मज़बूत करने की तैयारी की जा रही है। अहमदाबाद में होने जा रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस में बड़ा बदलाव होगा। जिला ब्लॉक और मंडल स्तर पर बड़े बदलाव होंगे, जिसमें नए चेहरों को शामिल किया जाएगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस में अब 50% से ज़्यादा जिला अध्यक्षों को बदलने का खाका तैयार हो चुका है। लंबे समय से पद पर ज़मे और कमज़ोर प्रदर्शन करने वाले जिलाध्यक्षों की लिस्ट तैयार हो चुकी है। 12 साल से ज्यादा लंबे समय से पद जमे जिला अध्यक्षों को हटाया जाएगा। युवा और जमीनी स्तर पर काम करने वाले चेहरों को तरजीह दी जाएगी। जनता के बीच जनाधार वाले युवाओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। ।

जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर पर होंगे बदलाव

कांग्रेस मीडिया विभाग प्रभारी मुकेश नायक का कहना है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद बदलाव होगा। इसमें युवा चेहरों को ज़िम्मेदारी दी जाएगी। मज़बूत जनाधार वाले नेताओं को भी बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। हटाया किसी को नहीं जाएगा बस लंबे अरसे से पदों पर जमे कार्यकर्ताओं की जगह अब नए लोगों को काम सौंपा जाएगा। संगठन को मजबूत करने बदलाव बेहद जरूरी है।

2028 विधानसभा चुनाव से पहले बड़े बदलाव की तैयारी

कांग्रेस अब 2028 और 2029 के चुनावों के लिए पूरी ताकत झोक रही है। नई टीम और मजबूत जनाधार के साथ 2028 के चुनाव में उतरने की तैयारी में है।कांग्रेस की तैयारी 2028 के चुनाव से पहले अपनी कमजोर हो चुकी जमीन को मजबूत करने की है। मध्य प्रदेश में इस समय जीतू पटवारी अध्यक्ष हैं। वहीं उमंग सिंघार राज्य में नेता प्रतिपक्ष हैं। दोनों ही नेता राज्य में काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं।

होटल में मिला मेघालय के प्रधान सचिव का शव, दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला; जताई जा रही ये आशंका

शिलांग, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मेघालय के प्रधान सचिव मोहम्मद ए रजी का शव एक होटल में मिला है। अधिकारियों ने बताया कि वे अपनी निजी यात्रा के तहत उज्बेकिस्तान गए थे। वहां के एक होटल में वे मृत पाए गए। अधिकारियों को मुताबिक रजी 4 अप्रैल से उज्बेकिस्तान के बुखारा शहर में ठहरे थे। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत हृदयाघात से हुई है। आईआरटीएस अधिकारी मोहम्मद ए रजी 2021 से प्रतिनियुक्ति के तहत मेघालय में तैनात थे।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि सोमवार की सुबह रजी ने फोन कॉल नहीं उठाई। इसके बाद होटल के कर्मचारियों ने उनके कमरे का दरवाजा तोड़ा। जहां वे मृत मिले। इस बीच मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने पीटीआई को बताया कि आवश्यक औपचारिकताएं चल रही हैं।

सीबीआई को रिश्वत की मिली थी टिप

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (सीबीआई) ने बीते दिन 3 रेलवे के बड़े अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। सीबीआई को छापेमारी में लाखों रुपये कैश और करोड़ों के कीमत के सोना-चांदी मिले हैं, जिसे देख टीम को एक पल के लिए अपनी आखों पर यकीन नहीं हुआ। जांच एजेंसी को जानकारी मिली थी कि रेलवे ऑफिसर्स दिल्ली की एक प्राइवेट कंपनी के दिल्ली बेस्ड प्राइवेट वेंडर और उसके परिवार को फायदा पहुंचाने को एवज में रिश्वत की डिमांड कर रहे है। इसके बाद सीबीआई की एक टीम ने रेलवे के अधिकारियों को 7 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। इसके बाद और तफ्तीश के लिए एजेंसी ने इनके घरों पर छापे मारे। जहां पर मानों सीबीआई के हाथ कुबेर का खजाना लगा। इन करप्ट अधिकारियों के ठिकानों से सीबीआई ने 60 लाख से ज्यादा कैश, कई गोल्ड बार और 3 करोड़ से अधिक कीमत की ज्वैलरी बरामद की।

जब रेलवे अधिकारी के ठिकानों पर मारी रेड तो धन देख भौचक्की रह गई टीम

करोड़ों के धन हुए बरामद

सीबीआई ने बताया कि रिश्वत लेते पकड़े गए तीनों अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया गया। फिर इन तीनों आरोपियों के घर और दफ्तरों समेत कुल 9 लोकेशन पर छापेमारी की गई, जहां से 63.85 लाख कैश, गोल्ड के गहने कीमत 96.26 लाख, प्रॉपर्टी के कागज़ात, मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क, रिश्वत पेमेंट के कागजात बरामद किए गए है। छापेमारी में गिरफ्तार डीईई की पत्नी के नाम से एक लॉकर बरामद हुआ जिसमें ज्वैलरी और 3.5 करोड़ के कई सोने की बार बरामद हुए।

सीबीआई ने किया अधिकारियों और कंपनी के मालिकों को गिरफ्तार

सीबीआई से मिली जानकारी के मुताबिक, ये अधिकारी भष्ट्राचार के सरताज हैं, ये रेलवे में ठेका, बिल क्लियर कराने का वादा करके मोटी रिश्वत लिया करते थे। इसके बाद सीबीआई ने मामला दर्ज करके दो अधिकारियों को गिरफ़्तार किया है, जबकि तीसरे के नाम एफआईआर दर्ज कर ली है। सीबीआई ने इन अधिकारियों के नाम भी जारी किए हैं, पहला नाम नई दिल्ली के डीआरएम ऑफिस के सीनियर डीईई साकेत चंद श्रीवास्तव का है, दूसरा नाम भी नई दिल्ली के डीआरएम ऑफिस के एसईई (इलेक्ट्रिकल) तपेन्द्र सिंह गुर्जर और तीसरा नाम डीआरएम ऑफिस के एसईई (इलेक्ट्रिकल सेक्शन के इंचार्ज) अरुण जिंदल हैं। अरुण जिंदल को अभी सीबीआई ने गिरफ्तार नहीं किया है। इसके अलावा, सीबीआई ने वात्सल इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली के मालिक गौतम छावला को गिरफ्तार किया है और वात्सल इंफोटेक कंपनी के नाम एफआईआर दर्ज की है। साथ ही शिवमणि इंटरप्राइजेज प्राइवेट कंपनी गाजियाबाद के नाम एफआईआर दर्ज की है और इसके डायरेक्टर साकेत कुमार को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा कई अज्ञात प्राइवेट और पब्लिक सर्वेंट के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 9 अप्रैल - 2025

बिजनेस में दोस्ती कैसी?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ ने जहां पूरी दुनिया के शेयर बाजार को झकझोर दिया वहीं अपने खास दोस्त एलन मस्क को भीपरेशान कर रखा है। चीन पर लगाए टैरिफ को लेकर सबसे ज्यादा परेशानी दिखाई दे रही है। टेस्ला के मालिक मस्क ने ट्रंप से टैरिफ हटाने की मांग की है। एलन मस्क चाहते हैं कि ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ हटा दिए जाएं। क्योंकि नया टैरिफ टेस्ला के बिजनेस को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसलिए उन्होंने सीधे ट्रंप से बात करके कहा, 'टैरिफ हटा दीजिए, इससे फायदा होगा। ट्रंप की चीन से आने वाले सामान पर 50% टैरिफ लगाने की योजना है। इस पर मस्क ने सोशल मीडिया पर अपनी राय रखी और सीधे राष्ट्रपति को भी समझाने की कोशिश की। लेकिन उनकी कोशिश सफल नहीं हो पाई है। ट्रंप कुछ बातों पर तो सहमत थे लेकिन टैरिफ लगाने की अपनी योजना को जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने पहले ही 34% टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी। यह पहली बार नहीं है जब मस्क और ट्रंप के बीच व्यापार को लेकर विवाद बढ़ रहा है। साल 2020 में, टेस्ला ने ट्रंप प्रशासन के पहले लगाए गए टैरिफ को चुनौती दी थी। शुरुआत में मस्क ने इस कदम का समर्थन किया था, लेकिन बाद में उन्होंने इस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। खबरों के अनुसार, उन्होंने इस फैसले के बाद अपने कर्मचारियों को डांटा भी था। इस मुकदमे के कारण मस्क की आलोचना हुई थी। लोगों ने कहा था कि मस्क चीन के साथ मिलकर ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को कमजोर करने में लगे हैं। नए टैरिफ से मस्क के कई समर्थक भी परेशान हैं। कुछ लोगों ने ट्रंप के अधिकारियों, जैसे उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, से भी बात की है। मस्क के दोस्त और निवेशक जो लॉन्स्डेल ने कहा, 'मैंने प्रशासन में अपने दोस्तों से कहा कि टैरिफ से चीनी कंपनियों से ज्यादा अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होगा। यह सब मस्क और उनकी कंपनी टेस्ला के लिए एक मुश्किल समय में हो रहा है। इससे टेस्ला की बिक्री में भी कमी आई है। मस्क को बढ़ती राजनीतिक सक्रियता का खामियाजा भुगतना पड रहा है। मस्क लंबे समय से टैरिफ के खिलाफ रहे हैं। उनकी कंपनी टेस्ला चीन और अमेरिका दोनों में उत्पादन और बिक्री करती है। इसलिए टैरिफ से उनकी कंपनी को भारी नुकसान का अनुमान है। टेस्ला की ब्रांड वैल्यू को नुकसान हो रहा है। चीन में भी ट्रंप की टैरिफ नीतियों और मस्क के जुड़ाव से टेस्ला को बहुत नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने टेस्ला के शेयर का लक्ष्य मूल्य 550 डॉलर से घटाकर 315 डॉलर कर दियाहै। ऐसे में संभावना व्यक्त की जा रही है कि मस्क कभी भी ट्रंप के सलाहकार के पद को अलविदा कह देंगे। बहरहाल, दोनों के विवाद का असर लंबे समय तक कायम रहेगा। मस्क चाहते हैं कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बेहतर हों। उनका मानना है कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि दुनिया भर में आर्थिक विकास को गति मिल सके। मस्क की बातों से पता चलता है कि वह व्यापार को लेकर काफी गंभीर हैं। वह चाहते हैं कि दुनिया भर में मुक्त व्यापार हो ताकि सभी देशों को फायदा हो। लेकिन ट्रंप प्रशासन की नीतियां मस्क के विचारों के खिलाफ हैं। इसलिए मस्क और ट्रंप के बीच विवाद होना लाजिमी है। देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में मस्क और ट्रंप एक साथ और कितने कदम साथ-साथ चल सकते हैं।

बढ़ती हुई तलाक की महामारी

अशोक कुमार झा

हमारा देश का इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारी परंपरा, हमारा धर्म, हमारा सोच हमेशा से पूरी दुनिया से कुछ अलग और विशेष रहा है। हमारी सनातन संस्कृति में कई ऐसी खास चीजें रही है जो हमेशा से हमें पूरी दुनिया में अलग पहचान हमें दिलाती रही है। वैश्वीकरण के साथ जैसे जैसे हमारा जुड़ाव हमारी संस्कृति के बाहर के लोगों के साथ होता गया और हमने अपनी संस्कृति से बाहर के लोगों की संस्कृति को करीब से समझना शुरू किया तो हमें अपनी संस्कृति की कई ऐसी चीजें जो हम परंपरा से निभाते आ रहे, वह हमें कुरीति सी लगने लगी और हमें दूसरे की संस्कृति में आकर्षण होने लगा। जैसा कि हमारी संस्कृति में सती प्रथा या सिर्फ एक बार शादी की प्रथा या फिर वैदिक रीति रिवाज से शादी करने जैसी प्रथा हमें कुरीति जैसा प्रतीत होने लगी और हमने धीरे धीरे इस कुप्रथा को कम करने की दिशा में सोचना शुरू कर दिया। धीरे धीरे हम अपनी मूल संस्कृति और संस्कार से दूर होने लगे और बाहर की संस्कृति हमारे अंदर प्रविष्ट होनी शुरू हो गई। अपनी सोच में इस बदलाव का असर हमारी पीढ़ियों पर होने लगा और हमारी नीचे की पीढ़ी यानी नई पीढ़ी को बाहर की कुछ प्रथाएं अधिक भानें लगी। उन्हीं में से एक प्रथा जो हमारी संस्कृति में प्रवेश कर चुकी है वह है तलाक नाम की प्रथा। यह प्रथा आज हमारी संस्कृति में एक बहुत बड़ी महामारी का रूप ले चुकी है। हमारी संस्कृति में शादी का मतलब होता है जन्म जन्म यानी सात जन्म का रिश्ता, जो एक बार जुड़ जाने के बाद हमारी मृत्यु के बाद भी खत्म नहीं होती। साथ ही परिवार का मतलब होता है हमारा अपना जिसके साथ हमारा आत्मीय मिलन हो जाता है जिसके खिलाफ सोचना भी परमात्मा के फैसले पर अंगुली उठाने के समान माना जाता था। परंतु आज की हमारी नई पीढ़ी की सोच में शादी जैसी पवित्र बंधन को सिर्फ एक रस्म और समझौते की तरह माना जाने लगा है। पहले हम हमेशा रिश्ते को भगवान की देन समझ कर उसे टूटने से बचाने और हर हाल में निभाने के बारे में सोचा करते थे पर हमारी आज की नई पीढ़ी अब बात बात में रिश्ते को तोड़ने की एक दूसरे को धमकियां दिया करते हैं और कई मामले में छोटी छोटी बातों को लेकर शादी जैसे जन्म जन्मांतर के लिए बनाए गए पवित्र रिश्ते एक झटके में टूटते हुए नजर आने लगे हैं जो हमारी संस्कृति के लिए बहुत बड़ी चिंता का विषय है। आज हम दूसरे धर्मों यानी मुस्लिम महिलाओं में तीन तलाक जैसी प्रथा को कुप्रथा मानकर उसको दूर करने की दिशा में कदम उठाना शुरू किया है जिसका लाभ भी इस देश की कई मुस्लिम महिलाओं को अब तक मिल चुका है परंतु इसके विपरीत हमारी संस्कृति में प्रवेश कर रही इस कुप्रथा के बारे में हमने अभी तक सोचना शुरू नहीं किया है जो हमारी सोच और संस्कृति में जहर की तरह घुलती जा रही है जिस पर समय रहते गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। आज इस तलाक जैसी महामारी का दुष्परिणाम हमने अपने कुछ करीबियों को झेलते देखा है। हमारे समाज में बच्चों की खुशहाल जिन्दगी के लिए समय रहते उनके योग्य लड़के या लड़की से शादी कराना और अपने सामने में अपने वंश परंपरा को आगे बढ़ते हुए देखना एक सपना होता है और अपने इस सपने को पूरे करने के लिए अपना मान सम्मान, इज्जत और प्रतिष्ठा सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार हो जाते हैं परंतु हमारी रिश्तों में समझौतावादी प्रवृत्ति की कमी के कारण हमारे आजकल के बच्चे पति पत्नी में एक दूसरे की खूबियां देखने की जगह कमियां ढूंढने में लग जाते हैं जिस कारण शादी के बावजूद हमारा मन का मिलन नहीं हो पाता है और धीरे धीरे वह तलाक जैसी भयावह स्थिति का रूप ले लेती है। हमारी नई पीढ़ी यह बिल्कुल नहीं सोच पाती है कि इसके बाद उसके माता पिता का क्या होगा ? जब अचानक से उसे अपने बेटे या बेटी की तलाक की खबर मिलेगी, तब उसे कितना चोट पहुंचेगा और उस चोट को वह कैसे संभाल पाएगा ?

डोनाल्ड ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ एक 'खूबसूरत चीज'!

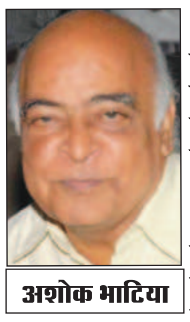

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनियाभर में टैरिफ लगाने के बाद मार्केट में भूचाल आया हुआ है। भारत समेत लगभग हर देश की स्टॉक मार्केट धड़ाम हो गई। बात अगर भारत की करें तो यहां सेंसेक्स में 3000 से ज्यादा और निफ्टी में 900 अंक से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं ट्रंप ने टैरिफ को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेसिप्रोकल टैरिफ एक 'खूबसूरत चीज' है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकियों को यह बात 'किसी दिन' समझ जरूर आएगी। वहीं ट्रंप की इस खूबसूरत चीज यानी टैरिफ के कारण सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट के निवेशकों को 19 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। सोमवार बाजार ने अपनी उथल-पुथल के साथ दिखाया कि यह कितना अस्थिर था। यह गिरावट, निश्चित रूप से, सभी देशों पर आयात शुल्क लगाने के ट्रम्प के फैसले का परिणाम है। आयात कर दो चरणों में लागू होंगे. पहला चरण 2 अप्रैल से लागू हुआ था। इसके तहत अमेरिका के साथ कारोबार करने वाले सभी देशों पर 10 प्रतिशत का न्यूनतम आयात शुल्क लगता था। दूसरा चरण 9 अप्रैल से लागू होगा। उस समय, प्रत्येक देश के उत्पादों पर कर लगाया जाएगा क्योंकि वे अमेरिकी बाजार में प्रवेश करते हैं। जैसे, संयुक्त राज्य अमेरिका अब अमेरिकी उत्पादों पर समान कर नहीं लगाएगा क्योंकि ये देश अमेरिकी उत्पादों पर लगाते हैं। इस हास्यास्पद 'जैसा है' नीति की घोषणा के बाद से, अमेरिकी पूंजी बाजार गिर रहा है और निवेशकों को लगभग 6.5 ट्रिलियन डॉलर (समग्र भारतीय बाजार का संयुक्त मूल्य 4.5 ट्रिलियन डॉलर) का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट को अब भारतीय बाजार द्वारा समर्थित किया गया है, जो ट्रम्प के आगे क्या है, इसका प्रतिबिंब है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के विरोध में अमेरिका में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और एलन मस्क के खिलाफ नारेबाजी की. ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का गुस्सा प्रदर्शनकारियों के नारों में जाहिर हुआ और ट्रंप द्वारा लगाई गई नई टैरिफ बढ़ोतरी आज सचमुच धराशायी हो गई. कई लोगों ने नोट किया है कि यह सबसे बड़ा प्रशासन-विरोधी विरोध था, और यह ट्रम्प के टैरिफ युद्ध पर अमेरिकी लोगों के गुस्से को दर्शाता है। ट्रम्प की टैरिफ नीतियां एकमात्र मुद्दा नहीं हैं जिनके लिए उच्च करों की आवश्यकता होती है, लेकिन यह हजारों लोगों की नौकरियों को खर्च करने और उन्हें बेरोजगार बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों को भी खर्च करने वाला है। संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी संख्या में मध्यम आयु वर्ग के और वृद्ध लोग हैं, इसलिए सेवानिवृत्ति लाभों का वहां बहुत महत्व है, लेकिन ट्रम्प के टैरिफ अमेरिकियों को इन लाभों का भुगतान करने के लिए मजबूर करेंगे, इसलिए लोग सड़कों पर ले गए हैं। यदि आप कुछ पाना चाहते हैं, तो आपको कुछ खोना होगा। जापान और ब्रिटेन सहित कई विश्व नेताओं ने ट्रम्प के साथ टैरिफ पर बातचीत की है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प उनकी बात नहीं सुनेंगे। ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ सबसे पहले नेशनल मॉल में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए थे और लहर धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल रही है। इसी तरह के समूह कई अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका ध्यान ट्रम्प पर है। वे मस्क और कई अरबपतियों पर हमें बर्बाद करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हैं, जिस पर ट्रम्प ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ ने दुनिया को हिला दिया है, कुछ का कहना है कि भारत सबसे कम प्रभावित हुआ है। लेकिन यह कोई रहस्य नहीं है कि वैश्विक बाजार सदमे और भ्रम की स्थिति में हैं। जबकि ट्रम्प के टैरिफ ने मुक्त व्यापार को चोट पहुंचाई है, कुछ ने कहा है कि मुक्त व्यापार के झटके को गंभीर रूप से चोट नहीं पहुंचाई जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि अमेरिकी टैरिफ युद्ध का वैश्विक बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह किसी भी बाजार के लिए खतरा है, ट्रम्प के टैरिफ के कारण दुनिया भर के लोग सड़कों पर हैं, और वे अपने भविष्य के बारे में चिंतित हैं। ट्रम्प के टैरिफ ने वैश्विक बाजारों में भारी आर्थिक उथल-पुथल पैदा कर दी है, और इसलिए, निवेशक डर या भावना से प्रेरित नहीं हैं। ट्रम्प की टैरिफ योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि लोग इससे कैसे निपटते हैं। वित्तीय बाजार अनिश्चितता से भरा है, इसलिए लोगों को यह पहचानना चाहिए कि स्थिति को स्वीकार करना और बिना किसी तत्काल निर्णय के शांति से निर्णय लेना आज की जिम्मेदारी है। ट्रंप के ट्रेड टैरिफ शेयरों में जो गिरावट आई है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है . दुनिया को 1929 की वैश्विक मंदी याद आ रही होगी जब अमेरिका में भी ऐसी ही मंदी आई थी और फिर अमेरिका ढह गया था । तब संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर थे। शेयर बाजार ढह गया था और उनके समय में कई लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। आज, इस स्थिति के बावजूद, अमेरिका अभी भी उसी दयनीय स्थिति में है। आज, अमेरिकी लोग सड़कों पर हैं और इसके नतीजे पूरी दुनिया में हैं। वहाँ हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में आज के विरोध प्रदर्शन को सबसे बड़ा कहा जाता है, लेकिन ट्रम्प के टैरिफ युद्ध ने एक और गंभीर परिणाम सामने लाया हैः वैश्विक अर्थव्यवस्था ने एक हिट लिया है, और यह प्रत्येक देश पर निर्भर है कि दुनिया इससे कैसे उबरेगी। उद्योग में गिरावट आई है और प्रतिशोधी खतरों की लहर चल रही है, जिससे दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी माहौल बन रहा है और चीन संयुक्त राज्य अमेरिका पर धमकाने का आरोप लगा रहा है। यूरोपीय संघ ने अमेरिका पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि व्यापार युद्ध और टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं है। यह बिल्कुल सच है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने टैरिफ वापस लेने का आह्वान किया है। बेशक, यह सच है कि संयुक्त राज्य अमेरिका इसे स्वीकार नहीं करेगा। यह एक स्थिति है।लेकिन ट्रम्प और उनके सहयोगियों को परवाह नहीं करनी चाहिए। क्योंकि यह राष्ट्रपति अपनी 'क्रांतिकारी' नीतियों के लिए अपनी ही बुद्धिमत्ता की तारीफ करने में व्यस्त है! इतना कि वह अभी भी ढहते बाजार पर ध्यान देने की आवश्यकता महसूस नहीं करता है। इसके विपरीत, वह नागरिकों को कुछ समय के लिए कुंजी सहन करने की सलाह देता है। बेशक, थोड़ी देर के लिए, वह यह कहने की आवश्यकता महसूस नहीं करता कि वास्तव में कितना है। उन्होंने कहा, "अमेरिका के खजाने में अरबों डॉलर आने लगे हैं। उनके पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि उन्होंने इन अरबों डॉलर को कहां से आते देखा। ट्रम्प का दावा है कि उनके कार्य ₹दवा₹ हैं। अगर किसी विश्व महाशक्ति के मुखिया को दवा और जहर में फर्क भी नहीं पता है तो इस 'दवाई' का सेवन करने वालों के लिए मुश्किल है। ट्रम्प और उनके साथी स्वार्थ के भ्रम में इतने हैं कि इसके बजाय वे अन्य देशों को खुद को चेतावनी दे रहे हैं। अन्य देशों को समान कर वृद्धि के साथ अमेरिकी टैरिफ वृद्धि का जवाब नहीं देना चाहिए, वह सलाह देते हैं। चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका को उसी तरह से जवाब देने की हिम्मत का पहला सम्मान है।

चीनी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के अमेरिका के फैसले के बाद चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर ऐसे ही टैरिफ बढ़ाने का फैसला किया था। ट्रंप ने कहा, 'चीन को इस तरह के फैसले पर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी। इसका मतलब है कि ट्रम्प उम्मीद करेंगे कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने हाथ बांध देगा। चीन ने भी ऐसा करने की कोई इच्छा नहीं दिखाई और इसके बजाय संयुक्त राज्य अमेरिका को उसी तरह से जवाबी कार्रवाई की। एक तरफ, जहां अमेरिकी खुद बड़े पैमाने पर ट्रम्प की नीतियों के साथ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे, यहां तक कि प्रतिद्वंद्वी चीन जैसे देशों ने भी ट्रम्प को बताया कि वह अपने फैसले के साथ क्या सुनना चाहते थे।

भगवान महावीर: मौन में अनहद नाद, त्याग में अनंत प्रकाश

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब समय की धारा में मानवता भटकने लगती है, जब हिंसा की आंधी, लोभ की लपटें और असत्य का कोहरा चारों ओर छा जाता है, तब इतिहास के पन्नों से एक ऐसी महान आत्मा का प्रकाश उभरता है, जो न केवल अपने युग को आलोकित करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक शाश्वत प्रेरणा बन जाती है। लगभग ढाई हजार साल पहले वैशाली के निकट कुंडलपुर की पावन धरती पर जन्मे भगवान महावीर स्वामी ऐसी ही एक अलौकिक विभूति थे। उनका आगमन केवल एक तीर्थंकर का जन्म नहीं था, बल्कि यह एक ऐसी क्रांति का सूत्रपात था, जिसने मानव चेतना को अहिंसा, करुणा और सत्य के उस शिखर तक पहुंचाया, जहां से जीवन का सच्चा अर्थ समझ में आता है। उनके विचार आज भी उतने ही जीवंत और प्रासंगिक हैं, जितने उस काल में थे, जब उन्होंने संसार को यह सिखाया कि हिंसा से नहीं, प्रेम से, और लालच से नहीं, संयम से ही सच्ची विजय प्राप्त होती है। 599 ईसा पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को जन्मे भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, परंतु उनका जीवन और दर्शन किसी एक संप्रदाय की परिधि में बंधकर नहीं रहा। वे एक विश्व-गुरु थे, जिनके संदेश ने न केवल भारत, बल्कि समस्त मानवता को एक नई राह दिखाई। अहिंसा परमो धर्मः-यह उनका वह अमर सूत्र था, जो केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन का वह आधार है, जिस पर व्यक्तिगत शांति और सामाजिक समृद्धि की इमारत खड़ी की जा सकती है। उनके जीवन की सबसे बड़ी शिक्षा यह थी कि सिद्धांतों को केवल बोलना पर्याप्त नहीं, उन्हें जीना पड़ता है। और यही उन्होंने किया—राजसी वैभव को ठुकराकर, सांसारिक सुखों को त्यागकर, और 12 वर्षों की कठोर तपस्या के बाद कैवल्य ज्ञान प्राप्त कर उन्होंने यह सिद्ध कर दिखाया कि आत्मा की शक्ति ही सच्ची शक्ति है। महावीर का जीवन एक चलता-फिरता विश्वविद्यालय था। 30 वर्ष की आयु में संन्यास लेने के बाद उन्होंने जो मार्ग चुना, वह आसान नहीं था। नंगे पांव, बिना किसी सांसारिक संपत्ति के, मौसम की मार झेलते हुए, लोगों के ताने सुनते हुए भी वे अडिग रहे। उनकी तपस्या केवल शारीरिक कष्टों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक आंतरिक यात्रा थी-मन को वश में करने की, क्रोध को शांत करने की, और लोभ को समाप्त करने की। जब उन्हें कैवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ, तब उन्होंने 30 वर्षों तक देश-देशांतर में घूमकर लोगों को यह समझाया कि जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुखों की प्राप्ति नहीं, बल्कि आत्मा की मुक्ति है। उनके उपदेशों में अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे पंच महाव्रत थे, जो आज भी मानव जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का रास्ता दिखाते हैं। आज का युग भगवान महावीर के संदेशों की प्रासंगिकता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। विश्व भर में हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, और पर्यावरणीय संकट अपने चरम पर हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में हिंसक संघर्षों के कारण 20 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं में 35% की वृद्धि हुई है। ऐसे में भगवान महावीर का जियो और जीने दो का सिद्धांत केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक समाधान है। यदि विश्व की जनसंख्या का एक हिस्सा भी उनके अहिंसा और संयम के मार्ग को अपनाए, तो न केवल मानवीय संघर्ष कम होंगे, बल्कि प्रकृति के साथ हमारा रिश्ता भी संतुलित हो सकता है। उदाहरण के लिए, शाकाहारी जीवनशैली को अपनाने से न केवल हिंसा कम होती है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है-एक तथ्य जो वैज्ञानिक अध्ययनों से भी प्रमाणित है। भारत में जैन समुदाय इसका जीवंत उदाहरण है। लगभग 45 लाख जैन अनुयायी आज भी महावीर के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारते हैं। वे न केवल अहिंसा का पालन करते हैं, बल्कि दान, संयम और सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज को मजबूत करते हैं। यह कोई संयोग नहीं कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अहिंसा और सह-अस्तित्व की भावना आज भी जीवित है—इसका श्रेय महावीर जैसे महापुरुषों के दर्शन को जाता है। उनके पंच महाव्रत आज भी उतने ही प्रभावी हैं। अहिंसा हमें हिंसा से दूर रखती है, सत्य हमें नैतिकता सिखाता है, अस्तेय चोरी और लालच से बचाता है, ब्रह्मचर्य संयम का पाठ पढ़ाता है, और अपरिग्रह हमें संचय की प्रवृत्ति से मुक्त करता है। ये सिद्धांत न केवल व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाते हैं, बल्कि सामूहिक रूप से समाज को भी समृद्ध करते हैं। महावीर जयंती का दिन हमारे लिए महज एक उत्सव का अवसर नहीं है, बल्कि यह एक पवित्र ठहराव है-एक ऐसा क्षण जो हमें अपनी आत्मा के गहरे कोनों में झांकने और आत्म-मंथन करने का अवसर देता है। यह हमें जागृत करता है कि सच्चा धर्म मंदिरों की भव्यता या रस्मों के शोर में नहीं, बल्कि हमारे रोजमर्रा के कर्मों की सादगी और पवित्रता में बसता है। यह दिन हमें प्रेरणा देता है कि हम अपने भीतर छिपी कमजोरियों-हिंसा की आग, क्रोध की उग्रता, और ईर्ष्या के विष-को न केवल पहचानें, बल्कि साहस के साथ उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। आज के इस युग में, जब सोशल मीडिया का मायाजाल नफरत की आंधी और विभाजन की दीवारें खड़ी कर रहा है, महावीर का अमर संदेश एक प्रकाशस्तंभ बनकर उभरता है—यह हमें सिखाता है कि वाणी में संयम और विचारों में निर्मलता ही वह अजेय शक्ति है, जो हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाती है। हमारे सामने एक अनंत संभावनाओं का द्वार है—या तो हम उस भयंकर अंधेरे में विलीन हो जाएं, जहां हिंसा, स्वार्थ और विनाश की आंधियां सब कुछ कुचल रही हैं, या उस चिरप्रदीप्त ज्योति को आत्मा से थाम लें, जो महावीर की तपस्वी साधना से प्रज्ज्वलित हुई है। यह ज्योति हमारे हृदय में शांति का सौंदर्य नृत्य रचती है और एक ऐसी दुनिया का स्वप्न संजोती है, जहां हर प्राणी प्रेम की मखमली लहरों पर झूमता, सम्मान के स्वर्णिम आकाश में विहार करता हो। आज, इस अमर बेला में, एक अटूट प्रतिज्ञा का अलौकिक दीप प्रज्ज्वलित करें—अहिंसा को अपनी प्राणवायु का मधुर राग बनाएं, सत्य को वह प्रचंड ज्वाला जो हर कपट को राख कर दे, और करुणा को वह किरणमाला जो विश्व के हर कण को प्रेम की स्वर्णिम छटा से नहला दे। भगवान महावीर का जीवन एक ओजस्वी संदेश है, एक दमकता हुआ आह्वान है, और एक अखंड प्रेरणा का प्रतीक है। वे हमें सिखाते हैं कि सच्ची विजय बाहरी मैदानों पर नहीं, बल्कि अपने मन के गहन संग्राम को जीतने में छिपी है। जब हम उनके इस अलौकिक दर्शन को आत्मसात करेंगे और अपने कर्मों में ढालेंगे, तब तक उनका तेजस्वी प्रकाश हमारे जीवन, हमारे समाज, और इस धरती को अनंत आलोक से भरता रहेगा।

स्वतंत्रता का अतिक्रमण सामाजिक दायित्वों का हनन

संजीव ठाकुर

वाल्टेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है।वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है वहां समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा रखता है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके। इसी के फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है। स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिच गई है। व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे-धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अब ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी निजता के अधिकार को अपने पास रखते हुए दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान ना पहुंचाएं या उसकी स्वतंत्रता पर अतिक्रमण न करें, जिससे जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध संग संग चलते रहे और सामाजिक परिवेश का कर्तव्य तथा अधिकार के बोध में सामंजस्य बना रहे। हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट्र का विकास संभावित है। हम अपने आधुनिकता के चलते अपने दायित्व और मूल्यों के प्रति असावधान होते जा रहे हैं भारतीय समाज में बदलते समय के साथ नागरिक नैतिक मूल्यों की परवाह किए बगैर अपनी स्वच्छंदता एवं शक्ति के बल पर मनमानी तथा भ्रष्टाचार निरंकुशता को सर्वोपरि बनाने में लगे हुए है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत देश के आम नागरिकों के द्वारा राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधियों को विधिवत चुनकर संसद तथा विधान भवन भेजती है ताकि राज्य और देश का कल्याण हो सके किंतु अपने अधिकारों के प्रति उत्साहित यह राजनेता अपने मूलभूत कर्तव्य को भूलकर जनता का शोषण करने में लीन हो गए हैं और अधिकार संपन्न होकर निरंकुशता की श्रेणी में आकर बैठ गए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने अधिकार तथा उत्तरदायित्व में तालमेल न बिठा कर शासन की व्यवस्था को बिगाड़ कर रखा है।

अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने लिखा है कि जिस देश की आम जनता झोपड़पट्टी में रह रही हो उस देश के शासक प्रशासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता है। यह बात उन्होंने बहुत पहले कही थी पर यह आज भी अत्यंत प्रासंगिक तथा समीचीन है। वर्तमान में देश में यह बात तो एकदम स्पष्ट है कि हमें अपने अधिकारों को तब भली-भांति ज्ञान व बोध है किंतु उत्तरदायित्व के प्रति हम जानबूझकर अनजान बने हुए हैं यह देश के विकास के लिए उचित नहीं है इससे देश के विकास में बाधा होती है। अधिकारों तथा उत्तरदायित्व के संदर्भ में कई समितियों ने बड़ी ही नकारात्मक अनुशंसा प्रस्तुत की है जिसमें इस बात का हवाला है कि राजनीति तथा प्रशासन में सब तरफ लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद फैला हुआ है क्योंकि हमारे राजनेता शासक प्रशासक अपने अधिकारों का तो समुचित प्रयोग करते हैं किंतु उत्तरदायित्व के मामले में अपने आप को अनभिज्ञ बताते हुए जनता के सामने हाथ खड़े करके निरीह बने रहते हैं।

बाबूजी की बेमिसाल बायोग्राफी

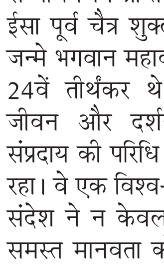

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गाँव के चौपाल पर बैठे बुजुर्गों की मंडली में आज एक नई हलचल थी। बाबूजी, जो हमेशा अपने अनुभवों का पिटारा खोलकर बैठते थे, आज कुछ खास उत्साहित दिख रहे थे। उनके हाथ में एक मोटी किताब थी, जिसका शीर्षक था, मेरी जीवन गाथाः बाबूजी की जुबानी। रामू काका ने चुटकी ली, अरे बाबूजी, ये क्या? अपनी ही बायोग्राफी लिख डाली? बाबूजी ने मुस्कुराते हुए कहा, हाँ भई, अब हमारे जीवन के किस्से भी तो जानना चाहिए नई पीढ़ी को। श्यामलाल ने हँसते हुए कहा, बाबूजी, कहीं इसमें वो किस्सा तो नहीं जब आप कुएँ में गिर गए थे? बाबूजी ने आँखें तरेरते हुए कहा, अरे, वो तो बचपन की बात थी। असली मज़ेदार किस्से तो बाद में आए। मंडली के सभी लोग हँस पड़े। बाबूजी ने किताब खोलकर पढ़ना शुरू किया, तो सुनो, जब मैं पहली बार शहर गया, तो सोचा कि बड़े लोगों की तरह सूट-बूट पहनूँ। लेकिन जैसे ही ट्रेन में चढ़ा, किसी ने कहा, 'भाईसाहब, आपका कोट उल्टा है।' मैंने झेंपते हुए कहा, 'अरे, स्टाइल है भाई, स्टाइल।' रामू काका ने ठहाका लगाते हुए कहा, बाबूजी, आपका स्टाइल तो निराला है! बाबूजी ने गर्व से कहा, और सुनो, एक बार मैंने सोचा कि अंग्रेजी सीख लूँ। टीचर ने पूछा, 'हाउ आर यू?' मैंने जवाब दिया, 'आई एम फाइन, थैंक यू।' फिर उसने कुछ और पूछा, तो मैंने वही जवाब दिया। आखिर में टीचर ने कहा, 'तुम्हें और कुछ नहीं आता?' मैंने कहा, 'आई एम फाइन, थैंक यू।' श्यामलाल ने पेट पकड़कर हँसते हुए कहा, बाबूजी, आपकी अंग्रेजी तो गज़ब है! बाबूजी ने मुस्कुराते हुए कहा, अरे, वो तो पुरानी बातें हैं। अब तो मैं 'हैलो' और 'बाय-बाय' भी जानता हूँ। मंडली के सभी लोग हँसी से लोटपोट हो गए।

बाबूजी ने फिर से किताब में झाँकते हुए कहा, और वो दिन याद है जब मैंने पहली बार सिनेमा देखा। हीरोइन ने हीरो से कहा, 'आई लव यू।' मैंने बगल वाले से पूछा, 'ये क्या कह रही है?' उसने कहा, 'प्यार का इज़हार कर रही है।' मैंने सोचा, 'अरे, ये तो हमारे गाँव में सीधे शादी कर लेते हैं, यहाँ पहले इज़हार करना पड़ता है।' रामू काका ने चुटकी ली, बाबूजी, आपने कभी इज़हार किया था? बाबूजी ने शरमाते हुए कहा, अरे, हमारे जमाने में इज़हार नहीं, सीधा ब्याह होता था। श्यामलाल ने मजाक में कहा, तो बाबूजी, आपकी बायोग्राफी में रोमांस का तड़का नहीं है? बाबूजी ने हँसते हुए कहा, अरे, हमारे जमाने का रोमांस चिट्ठियों में होता था, वो भी घरवालों से छुपाकर। मंडली के सभी लोग हँसते-हँसते लोटपोट हो गए। बाबूजी ने किताब बंद करते हुए कहा, तो भाइयों, ये थी मेरी जीवन गाथा। अब आप लोग भी अपनी-अपनी बायोग्राफी लिखो, ताकि आने वाली पीढ़ी हमारे किस्सों से सीख ले सके। रामू काका ने मुस्कुराते हुए कहा, बाबूजी, आपकी बायोग्राफी तो बेस्टसेलर होगी बाबूजी ने गर्व से कहा, अरे, हमारी जिंदगी भी किसी फिल्म से कम नहीं।

समस्याओं का अंत और सेहत में सुधार!

ऐसे कई संकेत देता है तुलसी के पौधे में मंजरी या फूल का आना

तुलसी का पौधा भारतीय घरों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। न सिर्फ यह धार्मिक दृष्टि से खास है, बल्कि इसके हेल्थ बेनेफिट्स भी बहुत ज्यादा हैं। तुलसी को आस्था और भक्ति का प्रतीक माना जाता है और इसे घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। तुलसी के पौधे में फूल आना न सिर्फ एक प्राकृतिक घटना है, बल्कि यह कई शुभ संकेतों का प्रतीक भी है। इसके फूल का उगना एक संकेत है कि आपके जीवन में किसी अच्छे कामों की शुरुआत होने वाली है और कठिनाइयों का अंत जल्द ही होगा।

तुलसी में फूल आने का मतलब क्या होता है?

जब तुलसी के पौधे में फूल खिलते हैं, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। यह घटनाएं आपके जीवन में सकारात्मक बदलावों की ओर इशारा करती हैं। ज्योतिष के अनुसार, तुलसी का पौधा भगवान विष्णु की पूजा का एक रूप है और इसके फूल घर में भगवान के आशीर्वाद को आमंत्रित करते हैं। यह संकेत होता है कि आपके घर में समृद्धि, शांति और सुख आएंगे। साथ ही, तुलसी के फूल घर में सकारात्मकता का संचार करते हैं, जो आपके परिवार के सभी सदस्य के लिए लाभकारी साबित होता है।

स्वास्थ्य के लिहाज से भी है महत्वपूर्ण

तुलसी का पौधा न सिर्फ मानसिक शांति का प्रतीक है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। जब तुलसी में फूल आते हैं, तो इसे स्वास्थ्य लाभ का संकेत माना जाता है। खासकर जब घर में कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमार हो या बार-बार बीमारियों का सामना कर रहा हो, तो तुलसी का फूल उसके स्वास्थ्य में सुधार के संकेत देता है। यह पौधा शरीर के भीतर नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने में मदद करता है और सकारात्मकता को बढ़ावा देता है।

कठिन समय का अंत और सफलता की शुरुआत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी में फूल आना यह संकेत हो सकता है कि आपके जीवन में कोई कठिन समय समाप्त होने वाला है। यह समय के साथ बदलाव का संकेत होता है, खासकर जब आप किसी आर्थिक या व्यक्तिगत संकट का सामना कर रहे हों। इसके अलावा, अगर आपका कोई काम लंबित था और वह रुक गया था, तो तुलसी में फूल खिलने के बाद वह काम जल्द ही पूरा हो सकता है और आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। यह संकेत है कि आप सफलता की ओर बढ़ रहे हैं और जल्द ही जीवन में नए अवसर और उपलब्धियां आ सकती हैं।

विवाह, संतान सुख और सामाजिक उन्नति का संकेत

तुलसी में फूल आने से विवाह और संतान सुख से संबंधित भी शुभ संकेत मिलते हैं। अगर किसी परिवार में विवाह या संतान सुख की प्रतीक्षा की जा रही हो, तो तुलसी के फूल इस बात का संकेत देते हैं कि जल्द ही यह इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। इसके अलावा, तुलसी का फूल सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान में भी वृद्धि का संकेत है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि आपके जीवन में आने वाले समय में आपको समाज में एक सम्मानित स्थान मिलेगा और आप अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे।

हाजीपुर आए थे प्रभु राम, आज भी मौजूद है पद चिंह

रामदाना के लाई से होती है प्रभु की पूजा

वैशाली के रामचौरा मंदिर में रामनवमी पर प्रभु श्रीराम के पदचिन्हों की पूजा होती है। यहां रामदाना से बनी लाई का प्रसाद चढ़ाया जाता है। मेले में राम सीता लिखी लाई आकर्षण का केंद्र होती है।

आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे है जहां प्रभु श्रीराम के चरणों मे अनोखा प्रसाद चढ़ाया जाता है। इस मंदिर में श्रीराम के पद चिन्ह मौजूद जिसकी पूजा रामनवमी के दिन यहां पहुंचने वाले भक्त करते है। इतना ही नहीं भगवान राम के साथ-साथ उनके प्रिय हनुमान की पूजा भी की जाती है। मान्यता है कि इस दिन रामदाना से बना लाई भगवान को समर्पित किया जाता है जिसे स्थानीय भाषा में खोबी का लाई भी कहा जाता है।

इस दिन मंदिर परिसर में बड़ा मेला लगता है जहां बड़ी संख्या में लाई की दुकान आपको देखने को मिल जाएगी। खास बात यह है कि राम सीता लिखा लाई इस मेले के आकर्षण का केंद्र बना रहता है। वहीं लाई खरीदने वाले लोगों का हुजूम भी आप देख सकते हैं। मान्यता है कि प्रभु श्रीराम यहां आए थे जिनके पदचिन्ह आज भी यहां मौजूद हैं जिसकी पूजा के लिए ना सिर्फ वैशाली जिले से बल्कि दूसरे जिले से भी लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचते हैं।

महिलाएं ने की परिक्रमा

रामनवमी को लेकर पूरा इलाका भक्तिमय हो गया है और मंदिर परिसर में ही 24 घंटे का अष्टयाम किया गया है। वहीं, महिलाएं ने भगवान राम की पूजा अर्चना के यज्ञ स्थल की परिक्रमा भी की। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम प्रशासन द्वारा किए गए थे। कहा जाता है कि हाजीपुर के रामचौरा में भगवान राम लक्ष्मण दोनों जनकपुर जाने के दौरान यहां पर विश्राम किए थे।

हनुमान जन्मोत्सव से इस मूलांक के शुरू होंगे अच्छे दिन

वैदिक पंचांग के अनुसार, हनुमान जन्मोत्सव का पर्व 12 अप्रैल को है। **मूलांक 09-** अंक ज्योतिष के अनुसार, जिन लोगों का जन्म 9, 18, या 27 तारीख को होता है। उनका मूलांक 09 होता है। इस मूलांक के स्वामी मंगल देव हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि व्यक्ति का मूलांक ग्रह एवं नक्षत्रों की चाल और व्यक्ति की जन्म तिथि के आधार पर तय किया जाता है। इस मूलांक लोगों पर मंगल ग्रह का प्रभाव होने की वजह से क्रोधित जल्दी होते हैं।

इस मूलांक की सबसे अच्छी खासियत है कि जीवन में किसी समस्या में हार नहीं मानते हैं और काम को बेहद सरलता से करते हैं।

इस मूलांक की आर्थिक स्थिति अच्छी रहती है और ससुराल पक्ष से धन की मदद मिलती है। बजरंगबली की कृपा से जीवन में सफलता हासिल करते हैं। बड़े भाई से रिश्ते मधुर और मजबूत रहते हैं। इसके अलावा हनुमान जी की कृपा से जातक के सभी काम पूरे करते हैं।

ऑफिस डेस्क पर भूलकर भी न रखें ये 4 पौधे, वरना रुक जाएगा प्रमोशन

वास्तु शास्त्र में बताए गए उपाय बेहद फलदायी साबित होते हैं। ऐसा माना जाता है कि वास्तु टिप्स को फॉलो करने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और कारोबार में बेहद लाभ देखने को मिलता है। कई लोग अपने ऑफिस डेस्क पर कई तरह के पौधे रख लेते हैं, जिससे उन्हें लाभ की जगह नुकसान का सामना करना पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस डेस्क पर कुछ पौधों को रखने की सख्त मनाही है। ऐसा करने से व्यक्ति का प्रमोशन रुक सकता है। साथ ही जॉब में कई तरह की समस्या आ सकती है। ऐसे में आइए हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि ऑफिस डेस्क पर किन पौधों को रखने से बचना चाहिए?

काम में आ सकती है समस्या

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। इस पौधे को बेहद पवित्र माना जाता है। इस पौधे को लगाने के लिए नियम का पालन का पालन करना अधिक जरूरी होता है। साथ ही इस पौधे के पास साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि डेस्क पर खाने-पीने की चीजें भी रखी जाती हैं। जो जूठी भी होती हैं। इसलिए ऑफिस डेस्क पर तुलसी का पौधा नहीं रखना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं, जिससे आपको ऑफिस में समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

काम में आ सकती है रुकावट

बांस के पौधे को सनातन धर्म में सुख-समृद्धि का प्रतीक माना गया है। कई लोग ऑफिस डेस्क पर बांस का पौधा रखना बेहद पसंद करते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र की मानें, ऑफिस डेस्क पर इस पौधे को रखने से मानसिक शांति प्रभावित हो सकती है। साथ ही काम में रुकावट सकती है। इसी वजह से बांस के पौधे को डेस्क पर रखने से बचना चाहिए।

प्रमोशन में आ सकती है समस्या

एलोवेरा का पौधा लगाना शुभ माना जाता है, लेकिन इसे ऑफिस डेस्क पर रखने से बचना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस पौधे को ऑफिस डेस्क पर रखने से वातावरण प्रभावित होता है और प्रमोशन में दिक्कतें आ सकती हैं, क्योंकि इस पौधे में कांटे होते हैं।

काम पर पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

इसके अलावा ऑफिस डेस्क पर कैक्टस का पौधा रखने से बचना चाहिए। इस पौधे की पत्तियां कंटीली होती हैं। ऐसे में इस पौधे को डेस्क पर रखने से काम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

10 अप्रैल को देवगुरु बृहस्पति बदलेंगे नक्षत्र इन दो राशियों की पलट जाएगी किस्मत!

सनातन धर्म में प्रदोष का व्रत बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार 10 अप्रैल को प्रदोष का व्रत रखा जाएगा। मान्यता के अनुसार इस दिन महादेव और माता पार्वती की पूजा-आराधना की जाती है। गुरुवार के दिन प्रदोष व्रत पड़ने से इसे गुरु प्रदोष व्रत भी कहा जा रहा है। इसके अलावा, ज्योतिष गणना के मुताबिक गुरु प्रदोष व्रत के दिन ही देवगुरु बृहस्पति अपना नक्षत्र परिवर्तन भी करने जा रहे हैं।

इसका प्रभाव राशि चक्र की 12 राशियों के जातकों पर सकारात्मक और नकारात्मक तौर पर देखने को मिलेगा। तो चलिए विस्तार से समझते हैं कि गुरु प्रदोष के दिन देवगुरु बृहस्पति के नक्षत्र परिवर्तन करने से किन राशियों की किस्मत बदल सकती है।

10 अप्रैल से शुरू होगा अच्छा समय!

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि ज्योतिष गणना के अनुसार 10 अप्रैल को देवगुरु बृहस्पति नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। 10 अप्रैल को देवगुरु बृहस्पति शाम 7:51 पर रोहिणी नक्षत्र से निकलकर मृगशिरा नक्षत्र में गोचर करेंगे, जिसका प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर सकारात्मक और नकारात्मक तौर पर रहेगा। लेकिन दो राशियां ऐसी हैं जिनकी किस्मत बदल सकती है, जिसमें मिथुन राशि और वृषभ राशि के जातक शामिल हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह समय बेहद खास रहेगा। बिगड़ा काम बनेगा, धन-संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। करियर और कारोबार से जुड़े लोगों को नए अवसर भी मिल सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, व्यापार में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर ये समय मिथुन राशि के जातकों के लिए हर लिहाज से अच्छा होने की संभावना है।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए यह समय बेहद शुभ रहेगा। सभी प्रकार के सुख की प्राप्ति होगी, धन लाभ हो सकता है। सरकारी तंत्र से लाभ होगा, करियर में सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में उत्तम परिणाम आएंगे। नौकरी में प्रमोशन होगा, सीनियर का साथ मिलेगा, दांपत्य जीवन में भी मधुरता रहेगी।

शराबी ने प्रेमानंद महाराज को दिया ऐसा ज्ञान, गांठ बांध ली उसकी बात

श्री हित प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज को लोग प्रेमानंद महाराज के नाम से जानते हैं। वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज भक्तों से अपने जीवन के अनुभवों और घटनाओं को साझा करते रहते हैं, जो उनके लिए लाभकारी होते हैं। यदि आपने उनके सुझावों को माना तो भक्ति की राह आपके लिए सुगम हो जाएगी। ऐसे ही प्रेमानंद महाराज ने बताया कि एक बार वे रास्ते से जा रहे तो एक शराबी ने उनको रोक लिया। उस शराबी ने उनको ऐसा ज्ञान दिया कि उन्होंने उसकी बात को गांठ बांध ली। यदि कोई भी व्यक्ति उस शराबी की बात को समझ जाए तो उसकी किस्मत बदल सकती है। प्रेमानंद महाराज से जानते हैं उस घटना के बारे में।

गंगा किनारे कर रहे थे भ्रमण, रास्ते में मिल गया शराबी

प्रेमानंद महाराज ने बताया कि उस समय उनकी उम्र 18 से 19 वर्ष की थी। उस समय वे ब्रह्मावर्त बिठुर में गंगा किनारे भ्रमण कर रहे थे। उसी बीच एक शराबी ने उनको अपने पास बुलाया, तो वे उसके नजदीक गए। वो शराब पिए हुआ था, उसके मुंह से शराब की दुर्गंध आ रही थी। तब प्रेमानंद महाराज ने उससे पूछा कि क्यों बुलाया है? क्या कहना चाहते हो?

प्रेमानंद महाराज को शराबी ने दिया महत्वपूर्ण ज्ञान। शराबी ने संगमरमर की मूर्ति से समझाया टूटने का महत्व। चुनौतियों से न डरें, सफलता अवश्य मिलेगी।

अपने साथ ले गया शराबी, बैकुंठ धाम में कर दिया खड़ा

उस शराबी ने कहा कि मेरे साथ चलो। उसने प्रेमानंद महाराज को अपने साथ लेकर एक मंदिर में गया। प्रेमानंद महाराज ने मन में सोचा कि देखते हैं ये क्या करता है। उस शराबी ने प्रेमानंद महाराज को बैकुंठ धाम में लेकर गया। वहां पर भगवान श्रीहरि विष्णु की मूर्ति लगी थी।

मूर्ति की ओर इशारा करके किया सवाल

शराबी ने प्रेमानंद महाराज से कहा कि देखते हो इस मूर्ति को। तो प्रेमानंद महाराज ने कहा कि हां। शराबी ने पूछा कि नीचे क्या है? तो उन्होंने कहा कि संगमरमर है। फिर उसने पूछा कि ये मूर्ति किसकी है? तो प्रेमानंद महाराज ने उत्तर दिया कि ये भी संगमरमर की है। तो शराबी ने उनसे पूछा कि समझा कुछ? तो उन्होंने कहा कि नहीं, समझा।

तब शराबी ने प्रेमानंद महाराज को दिया बड़ा ज्ञान

तब शराबी ने मूर्ति की ओर इशारा करके कहा कि इस मूर्ति को तिल-तिल करके काटा गया, ये संगमरमर टूटा नहीं, तो भगवान बनकर पूजा जा रहा है और ये नीचे का संगमरमर टूट गया तो आज पैरों के तले रौंदा जा रहा है। संगमरमर यह भी है, संगमरमर वह भी है। शराबी ने प्रेमानंद महाराज से कहा कि हे! तू बाबा जी बना है, टूटना नहीं।

घर में इस जगह पर रख दें कामधेनु गाय की मूर्ति

हिंदू धर्म में गाय को बेहद पवित्र माना जाता है। कामधेनु केवल एक गाय नहीं है यह पालन-पोषण, ममता और इच्छा पूर्ति की प्रतीक है। क्या आप जानते हैं कि कामधेनु गाय आपकी ज़िंदगी में कितनी समृद्धि ला सकती है? बस आपको यह जानना होगा कि कामधेनु गाय की मूर्ति को कहां और किस रूप में घर में स्थापित करना है। अगर आप इसे सही दिशा और विधि से घर में रखते हैं तो यह न सिर्फ आपके जीवन में समृद्धि लाती है बल्कि मानसिक शांति और रिश्तों में मिठास भी भर देती है

कहां रखें कामधेनु गाय की मूर्ति?

ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा)

आप अपने जीवन में सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाना चाहते हैं, तो कामधेनु को ईशान कोण में रखें। इससे आपकी सोच में स्पष्टता आती है, सही और गलत की पहचान बेहतर होती है और निर्णय सही साबित होते हैं। लगभग 30 से 50 दिनों के भीतर आप अनुभव करेंगे कि आपकी निर्णय क्षमता में गजब का सुधार हुआ है।

पूर्व दिशा- अगर आप चाहते हैं कि लोग आपको सही समझें, कोई गलतफहमी न हो और आपकी प्रतिष्ठा बनी रहे तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूर्वी कोने में रखें। इस दिशा में रखने से आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होनी लगेंगी।

उत्तर दिशा- अगर आप अपने कौशल और हुनर से धन प्राप्त करना चाहते हैं तो उत्तर दिशा में कामधेनु गाय की मूर्ति का स्वरूप रखें। इससे धन, अवसर और प्रशंसा तीनों की प्राप्ति होगी।

किचन में कभी ना खत्म होने दें ये 6 चीजें

रसोई घर में चावल का खत्म होना दरिद्रता और आर्थिक तंगी का संकेत माना जाता है चावल मां लक्ष्मी एवं शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। रसोई घर में बार-बार चावल समाप्त होने से शुक्र ग्रह खराब फल देने लगता है।

रसोई घर में कभी भी हल्दी खत्म नहीं होनी चाहिए। यदि आपकी रसोई में हल्दी जल्दी-जल्दी खत्म हो जाती है तो इससे आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा और आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

रसोई घर में कभी भी जी खत्म नहीं होना चाहिए। घी का खत्म होना आपको आर्थिक परेशानियों और जीवन के संघर्ष में धकेल देता है।

रसोई घर में कभी भी नमक खत्म नहीं होना चाहिए। नमस्ते खत्म होने से घर के सदस्यों के बीच में रिश्ते खराब होते हैं और मतभेद शुरू हो जाते हैं।

रसोई घर में सदैव की पानी का पत्र भरा हुआ होना चाहिए यदि यह पत्र नहीं होता है यह पानी खत्म हो जाता है तो यह जीवन में संकट और परेशानियों को आमंत्रण देने वाला होता है।

रसोई घर में कभी भी चीनी शक्कर आदि खत्म नहीं होनी चाहिए। यदि यह खत्म हो जाती है तो आपके घर में सुख शांति और सदस्यों के मध्य मिठास खत्म होने का प्रतीक माना जाता है।

एटली के साथ अल्लू अर्जुन की नई फिल्म का एलान

वाइल्ड फायर 'पुष्पराज' अब एक बार फिर सिनेमा की दुनिया में आग लगाने के लिए तैयार हैं। पैन इंडिया स्टार अल्लू अर्जुन का आज 43वां जन्मदिन है और इस खास मौके पर अभिनेता की ओर से उनके फैंस को खास तोहफा दिया गया है। अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर उनकी नई फिल्म का एलान हुआ है, जिसका निर्देशन एटली करेंगे। हालांकि, इस फिल्म की चर्चा काफी पहले से थी, लेकिन आज खास अवसर पर निर्माताओं ने इसका आधिकारिक एलान कर दिया है।

फिल्म का अस्थाई शीर्षक

आज प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने आज, 8 अप्रैल, 2025 को एक्स पर वीडियो साझा करते हुए इसकी जानकारी साझा की। अल्लू अर्जुन ने साउथ के निर्देशक एटली के साथ मिलकर एक 'शानदार' प्रोजेक्ट बनाया है, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया साइंस-फिक्शन एक्शनर बताया जा रहा है। आगामी फिल्म का संभावित नाम 'एए22' है, की विशेष घोषणा मंगलवार को अर्जुन के 43वें जन्मदिन पर की गई।

निर्माताओं ने साझा किया वीडियो

यह अल्लू अर्जुन की 22वीं और एटली की छठी फिल्म है, इसलिए निर्माताओं ने इसे 'एए22-ए6' का हैशटैग भी साझा किया। कैप्शन में लिखा गया, 'लैंडमार्क सिनेमैटिक इवेंट के लिए तैयार हो जाइए। एए22xए6- सन पिक्चर्स की ओर से एक शानदार मास्टरपीस।' वीडियो में 'स्टाइलिश स्टार' अल्लू अर्जुन चेन्नई में प्रोडक्शन हाउस के ऑफिस की ओर जाता हुआ दिखाई दे रहे हैं, जहां वह निर्देशक एटली और निर्माता कलानिधि मारन से मिलते हैं। तीनों चर्चा करते हुए और आधिकारिक तौर पर प्रोजेक्ट को लॉक करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

तकनीकी विशेषज्ञों की टीम

वीडियो में लॉस एंजिल्स में वीएफएक्स स्टूडियो का उनका दौरा भी दिखाया गया है, जहां वे हॉलीवुड के कई प्रसिद्ध तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से स्क्रिप्ट पर काम करते हैं। इनमें आयरनहेड स्टूडियो के सीईओ और आर्ट डायरेक्टर जोस फर्नांडीज शामिल हैं, जो स्पाइडर-मैनः होमकमिंग, कैप्टन अमेरिकाः सिविल वॉर और एवेंजर्सः एज ऑफ अल्ट्रॉन पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं और जेम्स मैडिगन, एक वीएफएक्स सुपरवाइजर, जिन्होंने जीआई जोः रिटैलिएशन और आयरन मैन 2 जैसी फिल्मों पर काम किया है। कई अन्य शीर्ष हॉलीवुड तकनीशियन भी इस परियोजना पर सहयोग करते हुए दिखाई देते हैं।

एटली ने साझा की खुशी

एटली ने अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, 'यह वह फिल्म है जिसे बनाने का मैंने हमेशा सपना देखा था। पटकथा को उस रूप में ढालने में कई साल लग गए, जिस पर मैं वास्तव में विश्वास करता हूं।'

अब सन पिक्चर्स में कलानिधि मारन सर के दूरदर्शी नेतृत्व में आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन सर के साथ इसे जीवंत करना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। यह फिल्म अपने मूल में बड़े पैमाने पर है और इसकी कहानी जादुई है, जिसे हर जगह दर्शकों को प्रभावित करने और उनका मनोरंजन करने के लिए तैयार किया गया है।'

राशा थडानी के साथ दोस्ती पर बोलीं तमन्ना 'मैं मतलब के लिए दोस्त नहीं बनाती'

बॉलीवुड में इन दिनों एक नई फ्रेंडशिप के काफी चर्चे हो रहे हैं। हालांकि, कई लोगों को ये दोस्ती थोड़ी अजीब भी लग रही है। ये नई जोड़ी है अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की। इन दोनों ही एक्ट्रेस की दोस्ती पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई है। हालांकि, दोनों ही अभिनेत्रियों के बीच उम्र का अच्छा-खासा फासला है। इसी को लेकर अक्सर ये सवाल भी उठता है कि आखिर ये दोनों दोस्त कैसे बने? अब इसी को लेकर तमन्ना ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया है कि कैसे वो और राशा थडानी दोस्त बन गए।

तमन्ना ने बताया कहां पहली बार मिले वो और राशा

बात करते हुए तमन्ना ने राशा के साथ अपनी दोस्ती की शुरुआत कहां से हुई और कब दोनों पहली बार मिले, इसको लेकर बात की। तमन्ना ने कहा, "मैं और राशा एक पार्टी में पहली बार मिले। इसके बाद हम दोनों साथ में डांस करने लगे। उसके बाद हम एक-दूसरे के संपर्क में आ गए। हम दोनों के बीच उम्र का पर्याप्त फासला है, लेकिन ये मायने नहीं रखता। क्योंकि यह लोगों के साथ उनके व्यक्तित्व के हिसाब से संबंध बनाने के बारे में है। जिससे आपकी बॉन्डिंग अच्छी बन जाती है, वो आपका दोस्त बन जाता है।"

मैं मतलब के लिए नहीं करती दोस्ती

तमन्ना ने आगे कहा, "मैं उन लोगों के साथ दोस्ती करती हूं जिनके साथ मैं मजे कर सकूं, जिनका साथ मुझे अच्छा लगे और वो भी मेरे साथ ऐसा ही महसूस कर सकें। मैं किसी भी तरह के लाभ या मतलब के लिए किसी से दोस्ती नहीं करती हूं। यही होना भी चाहिए।

अक्सर मस्ती करते दिखती हैं तमन्ना और राशा

पिछले कुछ दिनों में तमन्ना और राशा थडानी को अक्सर एक साथ देखा गया है। फिर वो चाहे राशा के जन्मदिन की पार्टी हो या फिर रवीना टंडन के घर पर हुई होली पार्टी। दोनों ने एकसाथ काफी मस्ती की और इसके वीडियो-फोटो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। इसके अलावा राशा की पहली फिल्म 'आजाद' के वक्त भी तमन्ना ने फिल्म के गाने 'उई अम्मा' पर राशा के साथ कई रील बनाई थीं।

'ओडेला 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं तमन्ना

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशा थडानी ने इसी साल आई फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में कदम रखा है। हालांकि, अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। वहीं तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ओडेला 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होनी है।

क्या फिर साथ काम करेंगे जूनियर एनटीआर-सुकुमार ?

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और मशहूर निर्देशक सुकुमार की ऑफ-स्क्रीन दोस्ती इन दिनों चर्चा में है। हाल ही में दोनों एक साथ नजर आए। सोशल मीडिया इस तस्वीर को सुकुमार की पत्नी तबिता सुकुमार ने शेयर किया। उन्होंने इसे मजेदार कैप्शन दिया- तरक की प्रेमथो। ऐसा उन्होंने इस लिए लिखा, क्योंकि जूनियर एनटीआर साल 2016 में सुकुमार की फिल्म 'नन्नकु प्रेमथो' में नजर आ चुके हैं।

जूनियर एनटीआर ने भी इस तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम पर दोबारा शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में फिल्म का डायलॉग भी लिखा, जिसका हिंदी अर्थ है, यह भावना हमेशा मेरे साथ रहती है, सुकुमार। तस्वीर में दोनों के चेहरे पर खुशी साफ देखी जा सकती है।

जूनियर एनटीआर और सुकुमार ने 2016 में फिल्म 'नन्नाकु प्रेमतो' में साथ काम किया था। जनवरी 2025 में इस फिल्म ने अपनी रिलीज के नौ साल पूरे किए हैं। इसमें रकुल प्रीत सिंह, जगपति बाबू और राजेंद्र प्रसाद जैसे सितारे भी थे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म थी, जिसमें अपने पिता के साथ धोखा करने वाले शख्स से एक बेटे के बदला लेने की कहानी दिखाई गई थी। इसके बाद दोनों ने फिर कभी साथ काम नहीं किया, लेकिन इस तस्वीर ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है। हर कोई यह जानना चाहता है कि क्या ये जोड़ी जल्द ही कोई नया प्रोजेक्ट लेकर आएगी। हालांकि, इसको लेकर अभी तक सुकुमार या जूनियर एनटीआर में से किसी ने भी कोई टिप्पणी नहीं की है।

जूनियर एनटीआर के पास इस वक्त कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इसके अलावा वह प्रशांत नील के साथ उनकी एक्शन ड्रामा फिल्म 'ड्रैगन' में भी काम कर रहे हैं। एनटीआर ने अपनी फिल्म 'देवारा' के सीक्वल की भी पुष्टि की है, जिसकी शूटिंग 'ड्रैगन' के बाद शुरू होगी। खबरें हैं कि वह 'जेलर' डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार के साथ भी एक एक्शन फिल्म में नजर आ सकते हैं।

'पुष्पा' की सफलता का आनंद ले रहे सुकुमार

दूसरी ओर, सुकुमार 'पुष्पा' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अल्लू अर्जुन की 'पुष्पाः द रूल - पार्ट 2' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर घोषित की जा चुकी है। अब फैंस उनके अगले प्रोजेक्ट का इंतजार कर रहे हैं।

'इंडियन आइडल 15' जीतने से पहले ही मानसी घोष ने किया था बॉलीवुड में डेब्यू

कई महीनों तक कड़ी प्रतिस्पर्धा और अच्छा परफॉर्मेंस देने के बाद आखिरकार इंडियन आइडल 15 को रविवार को अपना विजेता मिल गया है। कोलकाता की 24 साल की मानसी घोष ने रविवार को इंडियन आइडल 15 का खिताब अपने नाम किया। उन्हें इनाम में एक ट्रॉफी, एक कार और 25 लाख रुपये मिले। इसके साथ उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से लोगों का दिल भी जीता।

कौन हैं मानसी घोष?

मानसी का ताल्लुक पश्चिम बंगाल के कोलकाता से है। उन्हें बचपन से ही गाने का शौक है। वह जब आठवीं में थीं तो उन्होंने गायिका बनने का सपना देखा था। तभी से वह इस पर मेहनत कर रही हैं। जब वह गायिकी के लिए मेहनत कर रही थीं उस दौरान उनके रास्ते में कई दिक्कतें भी आईं। स्पेशल एपिसोड में उनके मां-बाप भी स्टेज पर नजर आए और उनके बचपन के कड़े संघर्ष के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि छोटी उम्र में ही मानसी ने वित्तीय जिम्मेदारियां उठा ली थीं। मानसी ने उनसे कहा था मैं तुम्हारे लिए कई घर खरीदूंगी।

बॉलीवुड के लिए पहले गाना गा चुकीं मानसी

आपको बता दें कि मानसी सिर्फ इंडियन आइडल में जीत की वजह से सुर्खियों में नहीं हैं, बल्कि वह बॉलीवुड में डेब्यू की वजह से भी चर्चा में हैं। इंडियन आइडल में जीत दर्ज करने से पहले मानसी ने बॉलीवुड के लिए गाना गाया है। मानसी ने इस बारे में बात करते हुए स्क्रीन से बताया बॉलीवुड में मेरा डेब्यू ललित पंडित और शान सर के साथ हुआ है। यह गाना पहले ही रिकॉर्ड हो चुका है। यह गाना आने वाली फिल्म के लिए है। अब मैं बादशाह सर के साथ गाउंगी।

मानसी ने सुभाजीत चक्रवर्ती और स्नेहा शंकर को हराया

मानसी ने अपनी दमदार गायकी के दम पर साथी फाइनलिस्ट सुभाजीत चक्रवर्ती और स्नेहा शंकर को हराया। उनके लगातार प्रदर्शन और दर्शकों से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद की।

'इंडियन आइडल सीजन 15' अक्टूबर 2024 में शुरू हुआ और पांच महीने तक चला। इस दौरान शो में कई प्रतियोगियों ने अपने सुरों के जादू बिखेरे। अंत में तीन प्रतियोगी फाइनल तक पहुंचे। अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत मानसी घोष ने शो अपने नाम किया।

साउथ निर्देशक बॉबी कोली के साथ पर्दे पर धमाल मचाने की तैयारी में ऋतिक रोशन

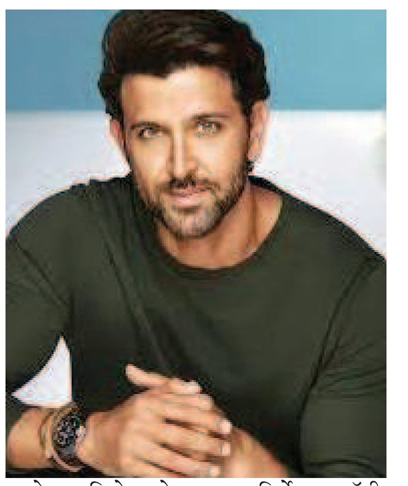

तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक बॉबी कोली ने अपनी पिछले दो फिल्मों 'वाल्टेयर वीरैया' और 'डाकू महाराज' से दर्शकों का दिल जीत है। इन फिल्मों में उन्होंने सीनियर हीरो चिरंजीवी और बालकृष्ण को जिस शानदार अंदाज में पेश किया, उसकी हर तरफ तारीफ हुई। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे बॉबी?

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक बॉबी कोली जल्द ही बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' कहलाने वाले ऋतिक रोशन के साथ काम कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि हाल ही में बॉबी ने ऋतिक से मुलाकात की और उन्हें एक कहानी सुनाई। ये कहानी ऋतिक को इतनी पसंद आई कि दोनों के बीच बात आगे बढ़ रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बॉबी अपनी पहली हिंदी फिल्म ऋतिक के साथ बना सकते हैं।

इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन सकती है फिल्म

इस बड़े प्रोजेक्ट को तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर सकती है। ये बैनर कई भाषाओं में फिल्में बना रहा है और नए-नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। अगर ये फिल्म बनती है तो ये इस प्रोडक्शन हाउस की बॉलीवुड में बड़ा कदम होगा।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं ऋतिक

फिलहाल ऋतिक रोशन 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक 'कृष 4' में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

शनाया कपूर 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएंगी

शनाया कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। आज शनाया ने अपनी कुछ बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। यह सभी तस्वीरें गोवा की हैं। इन शानदार तस्वीरों के साथ शनाया ने जिंदगी से जुड़ी गहरी बात बताई है।

शनाया का इंस्टाग्राम पोस्ट

इन दिनों संजय कपूर की बेटी और अभिनेत्री शनाया कपूर गोवा में छुट्टियां मना रही हैं। शनाया ने अपने इंस्टाग्राम पर गोवा से अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। इस पोस्ट के साथ शनाया ने लिखा, 'जिंदगी अपने हिसाब से चलती है, हमेशा परफेक्ट प्लान के हिसाब से नहीं...' शनाया की इस पोस्ट पर उनकी मां महिप कपूर ने काले दिल वाले इमोजी शेयर किया है साथ ही नजरबट्टू का भी इमोजी बनाया है। महिप के अलावा अनन्या पांडे की मां भावना पांडे ने शनाया की इस पोस्ट पर लाल दिल वाला इमोजी बनाया है।

शनाया का वर्कफ्रंट

शनाया कपूर 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएंगी। इस फिल्म में शनाया के साथ विक्रांत मैसी नजर आएंगे। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में विक्रांत एक दृष्टिहीन संगीतकार का किरदार निभाएंगे। इसके अलावा शनाया फिल्म तू या मैं, जो एक सर्वाइवल थ्रिलर है, जिसमें आदर्श गौरव भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में वैलेंटाइन डे पर रिलीज होगी।

फिर कैंसर से जूझ रहीं आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप, एक नोट के जरिए दी जानकारी

फिल्म निर्देशक और लेखिका व अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप एक बार फिर से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जंग लड़ रही हैं। ताहिरा का ब्रेस्ट कैंसर सात साल बाद एक बार फिर उभर आया है। इसकी जानकारी खुद ताहिरा ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है।

ताहिरा ने इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

ताहिरा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा करते हुए ये बताया है कि सात साल बाद उनका ब्रेस्ट कैंसर फिर से उभर आया है। ताहिरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, "सात साल की परेशानी या नियमित जांच की शक्ति, यह आपका एक नजरिया है। मैं दूसरे वाले के साथ जाना चाहती हूं और उन सभी को यह सुझाव देती हूं जिन्हें नियमित मैमोग्राम कराने की जरूरत है। मेरे लिए दूसरा चरण है। मुझे यह अभी भी है।"

जिंदगी में आने वाली मुश्किलों का करें सामना

इस नोट को साझा करने के साथ ही ताहिरा ने एक कैप्शन भी लिखा है। इस कैप्शन में लेखिका ने एक कहावत लिखी 'जब जिंदगी आपको नींबू देती है, तो नींबू पानी बनाइए।' इसका मतलब है कि जब भी जीवन में मुश्किलें आएं तो उनका भी लाभ उठाएं। आगे ताहिरा ने नींबुओं की ही ओर इशारा करते हुए लिखा कि जब जिंदगी आप पर बहुत उदार हो जाती है और उन्हें फिर से आपके सामने फेंकती है, तो उन्हें शांति से अपने पसंदीदा काला खट्टा ड्रिंक में निचोड़ें और अच्छे व सकारात्मक इरादों के साथ इसे पीएं।

क्योंकि एक तो यह एक बेहतर ड्रिंक है और दूसरा आप जानते हैं कि आप इसे एक बार फिर अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। जाहिर है कि इस कवाहत के जरिए ताहिरा ने एक सकारात्मक संदेश दिया है। उनका कहना है कि जिंदगी में जो भी परेशानी आए उसका डटकर सामना करें। ताहिरा ने आगे कहा कि यह एक संयोग है कि आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है। इस मौके पर हम अपनी क्षमता के हिसाब से खुद को स्वस्थ रखने के लिए जो कर सकते हैं, वो करें।

2018 में पहली बार ताहिरा को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था

ताहिरा कश्यप को 2018 में अपने ब्रेस्ट कैंसर के बारे में पता चला था। इसके बाद उन्होंने कीमो थेरेपी के जरिए अपना इलाज कराया था। लंबे इलाज के बाद ताहिरा स्वस्थ हो गई थीं। पिछले महीने उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक संदेश साझा किया था जिसमें उन्होंने अपने बाल्ड सिर को गले लगाते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की थी, जो किमोथेरेपी का एक प्रभाव है। उन्होंने अपने उपचार के दौरान कैद किए गए कई पल भी पोस्ट किए थे।

शाहरुख खान की 'किंग' में हुई दीपिका की एंट्री ?

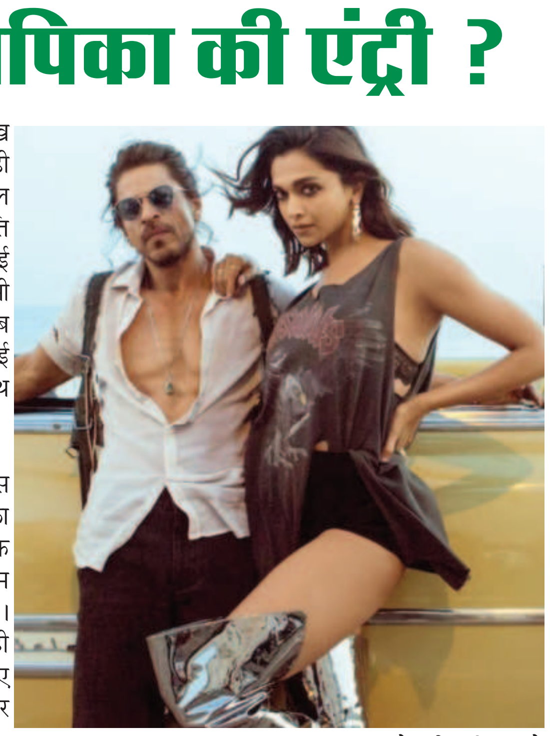

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। 'ओम शांति ओम' से शुरू हुआ यह सफर 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पठान' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों तक पहुंचा। अब यह जोड़ी सिद्धार्थ आनंद की नई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'किंग' में साथ नजर आएगी।

'किंग' में हुई दीपिका की एंट्री

खास बात यह है कि दीपिका इस फिल्म में सुहाना खान की मां का किरदार निभाएंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका का किरदार फिल्म में छोटा लेकिन बेहद अहम होगा। शाहरुख और सिद्धार्थ दोनों ही दीपिका को इस खास रोल के लिए चाहते थे। भले ही यह मुख्य किरदार न हो, लेकिन दीपिका ने इसे खुशी-खुशी स्वीकार किया है।

शाहरुख-दीपिका की जोड़ी फिर आएगी नजर

'किंग' शाहरुख और दीपिका की छठी फिल्म होगी। 'पठान' व 'जवान' के बाद यह लगातार तीसरी फिल्म होगी जिसमें दोनों सितारे साथ नजर आएंगे। हर फिल्म में फैंस को उनकी केमिस्ट्री काफी पसंद आती है। 'किंग' में यह जोड़ी एक बार फिर से लोगों पर अपना जादू चलाने की पूरी कोशिश करेगी। खबरें हैं कि अगले साल ये दोनों 'पठान 2' में भी साथ आएंगे।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

फिल्म 'किंग' की पूरी कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह एक बदले की भावना से भरी एक्शन थ्रिलर हो सकती है। यह 2000 की फिल्म 'बिच्छू' और फ्रेंच फिल्म 'लियोनः द प्रोफेशनल' से प्रेरित हो सकती है। इसमें शाहरुख एक खतरनाक हत्यारे की भूमिका में नजर आ सकते हैं। सुहाना की यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह 'द आर्चीज' में नजर आ चुकी हैं। पहले इस फिल्म में शाहरुख का रोल छोटा था, लेकिन सिद्धार्थ आनंद के आने के बाद यह एक पूरी तरह शाहरुख की फिल्म बन गई। लोगों को इसमें एक्शन, ड्रामा और रोमांस का फुल डोज देखने को मिलेगा।

बदल गए फिल्म के निर्देशक

शुरुआत में सुजॉय घोष इस फिल्म का निर्देशन कर रहे थे, लेकिन अब सिद्धार्थ आनंद ने 'किंग' की कमान संभाल ली है। पहले सुहाना के माता-पिता के रोल के लिए सैफ अली खान और तब्बू पर विचार हुआ था, लेकिन कहानी बदलने के बाद दीपिका को चुना गया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन की भूमिका में होंगे, जबकि 'मुंज्या' फेम अभय वर्मा भी अहम किरदार निभाएंगे।

रिजल्ट की चिंता प्रभावित कर सकती है बच्चे की मेंटल हेल्थ, ऐसे दूर करें तनाव

'अगर अच्छे नंबर नहीं आए ना तेरा बाहर खेलना बंद, दोस्तों के साथ घूमना-फिरना बंद, और तो और जो खर्च करने के लिए पॉकेटमनी मिलती है, वो भी मिलना बंद....' इस तरह की बातें आपने अपने घर या घरों के आस-पास रहने वाले वाले पैरेंटस को कहते सुना होगा। पर, क्या आप जानते हैं कि इन्हीं बातों का प्रभाव बच्चे के दिमाग पर काफी ज्यादा पढ़ता है, जिस वजह से वो एंग्जाइटी का शिकार तक हो जाते हैं।

ऐसे में यदि आपके घर में किसी बच्चे का रिजल्ट आने वाला है तो उसे धमकाने की बजाए उसका उत्साह बढ़ाएं, ताकि रिजल्ट की टेंशन से वो भी खुद को दूर रख सके। अपने बच्चे को रिजल्ट की टेंशन से दूर रखने के लिए आपको कुछ टिप्स फॉलो करने पड़ेंगे, जिनके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

खुलकर बात है जरूरी

रिजल्ट के समय अपने बच्चे से खुलकर बात अवश्य करें। ऐसा न करने पर आप कभी जान ही नहीं पाएंगे कि बच्चे के मन में आखिर चल क्या रहा है। ये जानें कि रिजल्ट के बारे में क्या सोचते हैं। इस दौरान उन्हें ये समझाएं कि एक रिजल्ट से उनका भविष्य तय नहीं होता। सफलता और असफलता दोनों ही जीवन के अहम पहलू हैं।

सकारात्मक सोच रखने को कहें

अपने बच्चे को सकारात्मक सोच रखने की सलाह हैं। उनसे कहें कि भले ही परीक्षा कैसी भी गई हो, लेकिन वो खुद पर भरोसा

रखेंगे तो परिणाम अच्छे ही आएंगे। यदि बच्चे की परीक्षा खराब गई है तो रिजल्ट आने के समय उन्हें डांटना शुरू न करें, बल्कि उन्हें समझाएं कि कोई बात नहीं, आगे वो और बेहतर कर सकते हैं।

भावनात्मक सहारा है जरूरी

रिज्लट की तारीख पास आने के साथ-साथ अपने बच्चे को समझाएं कि रिज्लट चाहे पॉजीटिव आए या फिर निगेटिव, आप हर कम पर उनके साथ खड़े हैं। क्योंकि बच्चों को सबसे ज्यादा डर इसी बात का होता है कि रिजल्ट खराब होने पर उनके माता-पिता का रिएक्शन कैसा होगा।

अन्य कामों में रखें व्यस्त

जब बच्चा पूरे समय खाली रहेगा, तो वो हमेशा अपने रिजल्ट के बारे में ही सोचेगा। इसलिए उसे अन्य कामों में व्यस्त रखें। जैसे कि यदि आपके बच्चे को किसी काम में रूचि है, तो उसकी क्लासेस उन्हें लगवा दें। वरना आप उनके साथ खुद गेम्स खेलने में लग सकते हैं।

उम्मीदें न बढ़ाएं

परीक्षा के बाद कभी भी बच्चों से ये न कहें कि अगर अच्छे नंबर आए तो ये तोहफा मिलेगा, या फिर यहां घूमने जाएंगे। इससे बच्चों के मन में शंका आ जाती है कि यदि नंबर खराब आए तो उन्हें कुछ नहीं मिलेगा और घरवाले उनसे नाराज हो जाएंगें।

प्रयास की तारीफ करें

हर बच्चा अपने हिसाब से अपनी परीक्षा में काफी अच्छा करने की कोशिश करता है। ऐसे में आप अपने बच्चे के प्रयासों की तारीफ करें और उन्हें समझाएं कि मेहनत ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है। ऐसा करने से आपके बच्चे को भी मानसिक आराम मिलेगा।

प्यार के पांच चरण पार कर लिए तो संवर जाएगा रिश्ता

ये इश्क नहीं आसां इतना ही समझ लीजे, एक आग का दरिया है और डूब के जाना है। जिगर मुरादाबादी का यह मशहूर शेर मुहब्बत करने वालों ने सुना ही होगा, और अगर नहीं सुना होगा तो महसूस किया होगा...।

जाहिर है कि मुहब्बत इतनी आसान नहीं होती, जितनी आसान दिखती है। रिश्ते की मजबूती और प्यार पांच चरणों पर टिकी होती है। हर रिश्ता अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है, जहां दोनों पार्टनर को समझदारी, धैर्य और समर्पण की जरूरत होती है। अगर ये पांच चरण कपल धैर्य, समझदारी और आपसी विश्वास के साथ पार करते हैं तो एक मजबूत और सुखद रिश्ते का आनंद उठा सकते हैं। प्यार को बनाए रखने के लिए एक-दूसरे को समय देना और आपसी समझ विकसित करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं प्यार और रिश्ते के 5 पड़ाव कौन से होते हैं और आप अपने रिश्ते में किस चरण पर हैं।

पहला पड़ाव- आकर्षण

यह प्यार की पहली और सबसे रोमांचक स्टेज होती है। इस चरण में दोनों पार्टनर एक-दूसरे की ओर आकर्षण महसूस करते हैं। ये प्यार का शुरुआती चरण है, जिसमें नई ऊर्जा, रोमांस और जुनून रहता है। इस समय पार्टनर एक-दूसरे की अच्छी बातों पर ज्यादा ध्यान देते हैं और कमियों को नजरअंदाज कर देते हैं।

दूसरा पड़ाव- वास्तविकता का सामना

जब रिश्ता कुछ समय बीतने के बाद परिपक्व होने लगता है, तब दोनों को एक-दूसरे की आदतें,

सोच और व्यवहार को गहराई से जानने का मौका मिलता है। इस चरण में छोटी-छोटी बातों पर गलतफहमियां और मतभेद हो सकते हैं। यह वह समय होता है जब प्यार और धैर्य से रिश्ते को मजबूत बनाए रखना जरूरी होता है।

तीसरा पड़ाव- असहमति और संघर्ष

रिश्ते के इस तीसरे पड़ाव में कपल के बीच झगड़े, बहस और मनमुटाव होना आम बात है। कुछ रिश्ते इस दौर में टूट जाते हैं, लेकिन जो कपल इस चुनौती का सामना कर लेते हैं, उनका रिश्ता और गहरा हो जाता है। इस समय संवाद और एक-दूसरे को समझने की कला सबसे ज्यादा मायने रखती है।

चौथा पड़ाव- स्वीकार्यता और स्थिरता

यह वह दौर होता है जब दोनों पार्टनर एक-दूसरे की खूबियों और कमियों को पूरी तरह से स्वीकार कर लेते हैं। इस पड़ाव पर दोनों के बीच भरोसा बढ़ता है और रिश्ते में स्थिरता आती है। इस समय प्यार पहले से ज्यादा गहरा और परिपक्व हो जाता है।

पांचवा पड़ाव- बिना शर्त प्यार और साझेदारी

यह रिश्ते का सबसे खूबसूरत और स्थायी चरण होता है। इसमें दोनों पार्टनर एक-दूसरे को पूरी तरह से समझने और स्वीकारने लगते हैं। अब प्यार में कोई शर्त या स्वार्थ नहीं होता, बल्कि आपसी सम्मान और साथ निभाने की भावना रहती है। इस चरण में रिश्ता सच्चे अर्थों में परिपूर्ण हो जाता है।

क्या छह महीने से छोटे बच्चों को पानी नहीं देना चाहिए?

जब भी नया बच्चा घर में आता है, तो हर माँ-पापा की पहली चिंता यही होती है कि उनका बच्चा सही से बढ़े और स्वस्थ रहे। इस दौरान बहुत सी छोटी-छोटी बातें दिमाग में आती हैं, जैसे कि बच्चे को कब और क्या खाना या पीना देना चाहिए। हाल ही में एक सवाल बहुत सुना जा रहा है - ₹क्या छह महीने से छोटे बच्चों को पानी नहीं देना चाहिए?₹ ऐसा कहा जाता है कि इस उम्र में बच्चों को पानी देना ठीक नहीं होता। अब सवाल यह है कि क्या सच में ऐसा करना सही है? आइए, इस पर एक नज़र डालते हैं और समझते हैं कि इसका क्या कारण है।

शिशु के लिए मां का दूध ही सबसे अच्छा

छह महीने से छोटे बच्चों के लिए सबसे अच्छा आहार मां का दूध होता है। मां का दूध न केवल बच्चे की भूख को शांत करता है, बल्कि यह बच्चे के लिए सभी आवश्यक पोषक तत्व, विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीबॉडी भी प्रदान करता है। इसमें पानी भी एक महत्वपूर्ण घटक होता है, जो बच्चे की हाइड्रेशन को बनाए रखता है। मां के दूध में 87% पानी होता है, जो शिशु की हाइड्रेशन की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा कर देता है। इसलिए इस उम्र में अतिरिक्त पानी की जरूरत नहीं होती है।

बच्चों के पेट की छोटी क्षमता

छह महीने से छोटे बच्चों का पेट बहुत छोटा होता है और उनकी पाचन क्षमता भी पूरी तरह से विकसित नहीं होती है। जब आप पानी देते हैं, तो बच्चे का पेट पानी से भर सकता है, जिससे वह पर्याप्त मात्रा में मां का दूध नहीं पी पाता। इससे बच्चे को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जो उसके विकास के लिए जरूरी हैं।

पानी से बच्चे को हो सकता है ₹वाटर टॉक्सिसिटी₹ का खतरा

छोटे बच्चों को बहुत ज्यादा पानी देने से वाटर टॉक्सिसिटी का खतरा हो सकता है। यह तब होता है जब बच्चे का शरीर ज्यादा पानी का सेवन कर लेता है, जिसके कारण शरीर में सोडियम की मात्रा कम हो जाती है। इससे बच्चे को मस्तिष्क में सूजन, ऐंठन, उल्टी, और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

शिशु के गुर्दे (किडनी) की क्षमता

छोटे बच्चों के गुर्दे (किडनी) पूरी तरह से विकसित नहीं होते हैं और वे अतिरिक्त पानी को सही से बाहर नहीं निकाल पाते। यदि शिशु को अधिक पानी दिया जाए, तो यह उसके गुर्दों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है और उसके शरीर में पानी का असंतुलन पैदा हो सकता है।

छह महीने के बाद पानी देना

विशेषज्ञ यह मानते हैं कि जब बच्चा छह महीने का हो जाता है, तब उसकी पाचन क्षमता थोड़ी बेहतर हो जाती है। इस उम्र के बाद, बच्चे को धीरे-धीरे ठोस आहार (solid food) के साथ पानी देना शुरू किया जा सकता है। आमतौर पर छह महीने के बाद पानी, सूप या जूस जैसे तरल पदार्थ बच्चों को दिए जा सकते हैं, लेकिन इसके साथ ही मां का दूध और फार्मूला मिल्क भी जारी रखना चाहिए।

डिहाइड्रेशन का जोखिम

कभी-कभी माता-पिता की चिंता होती है कि बच्चा पानी नहीं पी रहा है, तो वह डिहाइड्रेटेड हो सकता है। लेकिन छह महीने से छोटे बच्चों में यह समस्या बहुत ही कम देखने को मिलती है, क्योंकि मां का दूध ही बच्चों की हाइड्रेशन की जरूरत पूरी करता है। अगर किसी कारणवश बच्चा डिहाइड्रेटेड हो जाता है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है।

कामकाजी महिलाओं के बच्चे होते हैं ज्यादा जिम्मेदार

समाज में यह धारणा रही है कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों को समय नहीं दे पाती, जिससे उनके बच्चों में जिम्मेदारी की कमी हो सकती है। लेकिन हाल के विभिन्न शोध और मनोवैज्ञानिक अध्ययनों ने कुछ और ही बताया है। शोधों के अनुसार, कामकाजी महिलाओं के बच्चे अक्सर ज्यादा जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और सक्षम होते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कामकाजी महिलाओं के बच्चों में ये सकारात्मक गुण कैसे विकसित होते हैं।

जो भी काम किया जाए, उसे पूरी जिम्मेदारी से करना चाहिए। बच्चे यह समझते हैं कि उनकी मां एक मजबूत उदाहरण पेश कर रही हैं, और वे भी समाज में अपनी भूमिका को समझने लगते हैं

समाज के प्रति सोच और समर्पण

काम करने वाली महिलाएं अक्सर अपने बच्चों को समाज की जिम्मेदारियों के बारे में बताती हैं। वे उन्हें सिखाती हैं कि हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी

चाहिए। इससे बच्चों में दूसरों के लिए समझ और सहानुभूति बढ़ती है, जो उन्हें और भी जिम्मेदार बनाता है।

समय का सही इस्तेमाल

काम करने वाली महिलाओं को अपने काम और घर के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। इसका मतलब है कि उन्हें समय का सही तरीके से उपयोग करना आता है। जब महिलाएं घर और काम दोनों को अच्छे से संभाल लेती हैं, तो उनके बच्चे भी समय की अहमियत समझने लगते हैं। बच्चे सीखते हैं कि किस काम को पहले करना चाहिए और समय का सही उपयोग कैसे करना चाहिए।

आत्मनिर्भरता का विकास

कामकाजी महिलाएं अक्सर अपने बच्चों को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती हैं। जब बच्चों को यह देखा जाता है कि उनकी मां खुद काम करती हैं और अपने काम को गंभीरता से निभाती हैं, तो बच्चे भी अपने कामों में आत्मनिर्भर बनते हैं। वे जल्दी ही सीख जाते हैं कि उन्हें अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार रहना चाहिए और अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढना चाहिए।

अच्छे संस्कार और शिक्षा

काम करने वाली महिलाएं अपने बच्चों को अच्छे संस्कार और नैतिक शिक्षा देने में बहुत ध्यान देती हैं। वे अपने बच्चों को यह सिखाती हैं कि सफलता मेहनत से मिलती है और

पॉजिटिवीटी

जब महिलाएं काम करती हैं, तो वे बच्चों के लिए एक अच्छा उदाहरण बनती हैं। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता की गतिविधियों को देखते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं। एक कामकाजी मां अपने बच्चों को यह दिखाती है कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत और लगन आवश्यक हैं। इससे बच्चे भी आत्मविश्वास से भरपूर होते हैं और जीवन में कुछ बड़ा करने की प्रेरणा पाते हैं।

स्वतंत्र निर्णय

कामकाजी महिलाओं के बच्चे अक्सर अपने फैसले खुद लेने में सक्षम होते हैं। उन्हें यह समझ में आता है कि मां की तरह उन्हें भी अपने जीवन के निर्णयों में स्वतंत्रता और जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। यह गुण बच्चों में स्वतंत्र सोच और फैसले लेने की क्षमता को बढ़ाता है। कामकाजी महिलाओं के बच्चों में जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता के गुण विकसित होते हैं। यह बच्चे जीवन में अधिक आत्मविश्वास से भरे होते हैं और वे अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाते हैं।

हर बहू अपनी सास से कहना चाहती हैं ये बातें

भारत में सास बहू का रिश्ता अपने आप में खास है, जहां प्यार भी है और तकरार भी। खुशहाल पारिवारिक रिश्ते के लिए सास-बहू के बीच अच्छा तालमेल और समझ जरूरी होती है। इसका असर पति-पत्नी के रिश्ते पर भी पड़ता है। जहां कई घरों में सास बहू के रिश्ते में तकरार देखने को मिलती है, वहीं कई परिवार ऐसे भी हैं, जहां सास और बहू मां बेटी या सहेलियों की तरह रहती हैं। कई बार सास से अपने सौहार्दपूर्ण रिश्ते के लिए बहू कुछ बातें चाहकर भी उनसे नहीं कह पातीं।

कई ऐसी बातें हैं, जो बहुएं अपनी सास से कहना तो चाहती हैं लेकिन सामाजिक दबाव या पारिवारिक माहौल के कारण वे खुलकर अपना भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाती हैं। आइए जानते हैं वह बाते जो हर बहू अपने दिल में रखती हैं लेकिन सास से खुलकर नहीं कह पाती हैं।

मुझे बेटी समझिए

हर लड़की अपने ससुराल में बहू नहीं बेटी बनकर रहना चाहती है। वह उम्मीद करती हैं कि उनकी सास का उनसे साथ वैसा ही रिश्ता हो, जैसा वह अपनी मां से रखती हैं। लेकिन कई बार लड़की को महसूस होता है कि उससे हमेशा बहू के रूप में ही व्यवहार किया जाता है और आदर्श बहू बनने का दबाव बनाया जाता है। वह अपनी सास से ये कहना चाहती हैं कि मुझे भी अपना समझिए, बहू नहीं बेटी की तरह देखिए। अपनी ही संतान की तरह प्यार और अपनापन दीजिए।

आपका बेटा बड़ा हो गया है

शादी के बाद एक मां को यह समझने में वक्त लग सकता है कि अब उनका बेटा सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उसकी पत्नी और बच्चों का भी है। वह चाहती हैं कि बेटा शादी के बाद भी उनकी सारी बातें मानें, किसी फैसले से पहले उनसे सलाह लें और अनुमति मांगे, जैसा वह शादी से पहले बचपन या युवावस्था में करता था। लेकिन शादी के बाद एक पुरुष पति और पिता बन जाता है। अब उसके फैसलों में पत्नी की भागीदारी भी होती है। ऐसे में जो सास अपने

बेटे को शादी के बाद भी बच्चा ही समझती हैं, उनसे बहू ये कहना चाहती हैं, कि आपको यह समझने की जरूरत है कि आपके बेटे का अब अपना परिवार है। वह हर समय Mumma's Boy नहीं रह सकता।

मैं आपकी जगह नहीं लेना चाहती

घर पर बहू के आने के बाद कुछ परिवारों में सास को लगने लगता है कि बहू उन्हें बेटे से दूर कर देगी। घर की जिम्मेदारी तो वह बहू को सौंपना चाहती हैं लेकिन घर की चाबी या फैसले लेने का अधिकार नहीं देना चाहती। उन्हें लगता है कि बहू अब उनकी जगह ले लेगी। ऐसी स्थिति में सास बहू के रिश्ते में तनाव आने लगता है। हालांकि कोई बहू अपनी सास की जगह नहीं लेना चाहती। बहू चाहती है कि सास यह समझे कि हर रिश्ते की अपनी जगह होती है और वह उनकी अहमियत को कम नहीं करना चाहती हैं।

मेरा काम भी जरूरी है

कामकाजी बहू पर दफ्तर के काम के साथ ही घर संभालने की जिम्मेदारी भी होती है। पारंपरिक रूढ़ीवादी घरों में सास ये चाहती हैं कि बहू घर की जिम्मेदारियां बखूबी निभाएं और दफ्तर का काम इस के बीच न आने पाए। कई बार ऐसी स्थिति में सास बहू के नौकरी करने के खिलाफ होती हैं, उनका मानना होता है कि पैसों की पूर्ति बहू की कमाई से नहीं होगी। लेकिन कामकाजी बहू अपनी सास से ये जरूर कहना चाहती हैं कि, वह केवल पैसों के लिए काम नहीं करतीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए काम करना पसंद करती हैं। उनकी नौकरी और काम भी महत्वपूर्ण हैं।

मेरे माता पिता भी जरूरी हैं

बहुओं से ये उम्मीद की जाती है कि शादी के बाद वह अपने पति और ससुराल को प्राथमिकता दें। कई बार लड़की को अपने माता पिता से ज्यादा ससुराल पर ध्यान देने को कहा जाता है। बहू इतना भी कर लेती हैं लेकिन जब उनसे ये उम्मीद की जाती है कि मायके और माता पिता का मोह त्याग दें तो ये उनके लिए मुमकिन नहीं होता। बहू अपनी सास से कहना चाहती हैं कि वह अपने माता-पिता से उतना ही प्यार करती है, जितना आपका बेटा आपसे करता है। लेकिन शादी के बाद कई बार उसे बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि अब उसका ससुराल ही सब कुछ है। वह चाहती है कि उसे अपने माता-पिता से मिलने और बात करने की पूरी आजादी मिले।

मेरी पसंद की जिंदगी जीने दें

शादी के बहू को अपने ससुराल की जीवनशैली, उनकी पसंद नापसंद और दिनचर्या के अनुरूप ढलने को कहा जाता है। ऐसे में उसकी जिंदगी में बहुत से बदलाव आते हैं। लेकिन बहू की अपनी कुछ पसंद होती है, वह चाहे कपड़ों को लेकर हो, करियर को लेकर हो या घर में काम करने के तरीके से जुड़ा हो। बहू चाहती हैं कि सास उसे उसके ढंग से रहने की स्वतंत्रता दें। बहू अपनी सास से ये बात कह नहीं पातीं लेकिन वह अपने तरीके और पसंद से जीने की स्वतंत्रता की मांग सास से करना चाहती हैं।

अमेरिका या चीन: आंख के बदले आंख में किसका ज्यादा नुकसान, अंत में कौन टेकेगा घुटने?

नई दिल्ली,8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर छिड़ चुकी है। अमेरिका भले सुपरपावर है, लेकिन चीन से उलझकर वह ज्यादा नुकसान में रहेगा। चेन्नई के फाइनेंशियल प्लानर डी. मुथुकृष्णन ने वैश्विक बाजारों में गिरावट और बढ़ते टैरिफ के बीच गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भले ही यह अजीब लगे। लेकिन, अमेरिका को चीन की जितनी जरूरत है, उससे ज्यादा चीन को अमेरिका की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर चीन को एक आंख का नुकसान होता है तो अमेरिका अपनी दोनों आंखें खो देगा। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा भी आंशिक रूप से अंधा हो जाएगा। यह चेतावनी अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच आई है।डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयातित सामानों पर 50% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे अमेरिका का चीनी सामानों पर कुल टैरिफ 84% तक पहुंच गया है। व्हाइट हाउस के 10% वैश्विक टैरिफ के साथ मिलाकर चीन को अब अमेरिका में 94% आयात शुल्क का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल के जरिये की। ट्रंप ने चीन को टैरिफ का दुरुपयोग करने वाला बताया। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के साथ सभी व्यापार वार्ताएं रोक दी जाएंगी। अन्य देशों के साथ बातचीत आगे बढ़ेगी। ये वो देश हैं जिन्होंने जवाबी कार्रवाई नहीं की है। ट्रंप के इस फैसले के बाद वैश्विक शेयर बाजारों और तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है।डी. मुथुकृष्णन ने जो कहा, उसका मतलब है कि अमेरिका और चीन दोनों एक-दूसरे पर बहुत निर्भर हैं। अगर व्यापार में कोई बड़ी समस्या आती है तो दोनों देशों को नुकसान होगा। सिर्फ ये ही नहीं, दुनिया के कई और देशों को भी इसका असर झेलना पड़ेगा। डी. मुथुकृष्णन ने इस मामले पर अपनी राय देते हुए कहा कि अमेरिका को चीन की ज्यादा जरूरत है। किसी भी देश में अच्छी सप्लाई चेन बनाने और मैन्युफैक्चरिंग को बेहतर करने में सालों लग जाते हैं। अगर चीन को नुकसान होता है तो अमेरिका को उससे भी ज्यादा नुकसान होगा। चीन ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका इस तरह के कदम उठाता है तो एक दर्दनाक व्यापार युद्ध शुरू हो जाएगा। चीन का कहना है कि इससे किसी को भी फायदा नहीं होगा। यह सच है कि अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वॉर से अमेरिका को कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आइए, यहां समझते हैं कैसे? महंगाई बढ़ेगी: चीन से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने से अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ सकती हैं। कई अमेरिकी कंपनियां उत्पादन के लिए चीनी सामान पर निर्भर हैं। इन पर शुल्क लगने से उनकी लागत बढ़ेगी। इसे वे अंत में उपभोक्ताओं पर डाल सकती हैं। मैन्युफैक्चरिंग पर कुछ खास फर्क नहीं पड़ेगा: ट्रंप को लगता है कि उनके कदमों से अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को फायदा होगा क्योंकि कंपनियां चीन के बजाय अमेरिका में उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित होंगी। हालांकि, लोगों का ऐसा भी मानना है कि अमेरिका के पास कुशल कामगारों की कमी है। इसके चलते ट्रंप की मंशा शायद पूरी न हो। इसके अलावा, कई अमेरिकी कंपनियां वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा हैं और चीन से आयातित घटकों पर निर्भर हैं। इसलिए उन पर टैरिफ लगने से उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है।

सोना दो दिन में 2,464 गिरकर 88,550 पर आया:चांदी 2,547 सस्ती हुई, ये 90,363 किलो बिक रही; अभी और गिर सकते हैं दाम

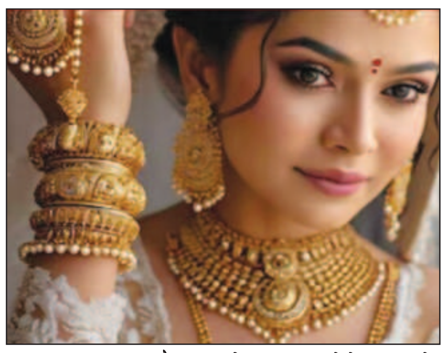

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 8 अप्रैल को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 535 गिरकर 88,550 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 89,085 थी। एक किलो चांदी की कीमत 29 गिरकर 90,363 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 90,392 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 का ऑल टाइम हाई बनाया था। सिर्फ दो कारोबारी दिनों में ही सोने के दाम में 2,464 की गिरावट आई है। पिछले हफ्ते के आखिर में सोना 91,014 प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं चांदी का दाम 2,547 गिरा है, पिछले हफ्ते ये 92,910 पर थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,880 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,730 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 89,730 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,730 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,780 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरेट के लिए रुपए 89730 / 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए रुपए 82250/10 ग्राम।

शेयर बाजार में आज मंगल ही मंगल रहा

सेंसेक्स 1089 अंक चढ़ा, निफ्टी 22500 पार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को हुए भारी नुकसान में थोड़ी भरपाई मंगलवार को कर ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ के एलान के बाद दुनियाभर के बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी थी। हालांकि, मंगलवार को वैश्विक बाजार में सकारात्मक रुख दिखा। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को एक दिन पहले 10 महीने में सबसे बुरी गिरावट आई थी। मंगलवार को एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच चौतरफा खरीदारी से सेंसेक्स 1,089 अंक ऊपर चढ़कर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स तीन दिन की गिरावट पर विराम लगाते हुए 1,089.18 अंक या 1.49 प्रतिशत उछलकर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ। इसके 29 शेयर लाभ में रहे। कारोबार के दौरान यह 1,721.49 अंक या 2.35 प्रतिशत चढ़कर 74,859.39 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 374.25 अंक या 1.69 प्रतिशत बढ़कर 22,535.85 पर पहुंच गया, जिससे तीन दिन से जारी गिरावट थम गई। कारोबार के दौरान बेंचमार्क 535.6 अंक या 2.41 प्रतिशत बढ़कर 22,697.20 पर पहुंच गया। सोमवार को सेंसेक्स 2,226.79 अंक या 2.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था। निफ्टी में 742.85 अंक या 3.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। यह 10 महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी। अमेरिकी टैरिफ युद्ध के बाद मंदी की आशंकाओं के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई थी। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, सकारात्मक वैश्विक बाजार संकेतों ने स्थानीय बेंचमार्क में भारी सुधार में मदद की, क्योंकि अमेरिकी व्यापार शुल्कों पर चिंताएं थोड़ी कम हो गईं। उम्मीद है कि अधिकांश देश चुनौती से निपटने के तरीके खोज लेंगे। भारत मुख्य रूप से उपभोग-आधारित अर्थव्यवस्था है, इसलिए अमेरिकी शुल्क प्रभाव अन्य देशों की तुलना में देश को बहुत अधिक नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। पावर ग्रिड को छोड़कर सेंसेक्स की सभी कंपनियाँ बढ़त के साथ बंद हुईं। टाइटन, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टूब्रो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स और जोमैटो में सबसे ज़्यादा बढ़त दर्ज की गई। सोमवार की गिरावट के बाद विश्व बाजारों में भी वापसी हुई। एशियाई बाजारों में, टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक, हांगकांग का हैंग सेंग, शंघाई एसएसई कंपोजिट सूचकांक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी सोमवार को तेज गिरावट के बाद सकारात्मक दायरे में बंद हुए। निक्केई 225 सूचकांक में 6 प्रतिशत की उछाल आई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 06-08
सूर्यास्त - 18-27
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	04-48 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	मेष---	06-23 बजे
मंगल	कर्क	मे	वृष---	08-08 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	10-09 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	12-21 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	14-33 बजे
शनि-	मीन	मे	कन्या---	16-40 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	18-45 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक...	20-56 बजे
			धनु......	23-08 बजे
			मकर...	01-15 बजे
			कुंभ....	03-05 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी **22-55** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - चैत्र शुक्ल , बुधवार **09 April**
नक्षत्र - मघा **09-57** तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - गण्ड **18-25** तक उप वृद्धि
करण- बव **10-01** तक उप बालव
विशेष:- श्री विष्णु द्वादशी
व्रत -त्योहार - श्री हरि दमनोत्सव:

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
12:18 से
13:51 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:08 - 07:39	शुभ	उत्पात	18:28 - 19:57	अशुभ
अमृत	07:39 - 09:12	शुभ	शुभ	19:57 - 21:24	शुभ
काल.	09:12 - 10:45	अशुभ	अमृत	21:24 - 22:50	शुभ
शुभ.	10:45 - 12:18	शुभ	चंचल	22:50 - 00:17	शुभ
रोग.	12:18 - 13:51	अशुभ	रोग	00:17 - 01:44	अशुभ
उत्पात	13:51 - 15:24	अशुभ	काल	01:44 - 03:11	अशुभ
चंचल	15:24 - 16:57	शुभ	लाभ.	03:11 - 04:38	शुभ
लाभ	16:57 - 18:27	शुभ	उत्पात	04:38 - 06:07	अशुभ

अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान, भारत... कोई नहीं है टक्कर में

यूरोप के इस 'छोटू' देश में हैं सबसे ज्यादा मिलियनेयर

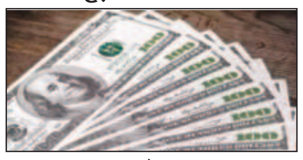

नई दिल्ली,8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी और आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा देश है। लेकिन देश में केवल 0.1 फीसदी आबादी के बाद 10 लाख डॉलर यानी 8.6 करोड़ रुपये से ज्यादा पैसा है। आबादी के प्रतिशत के हिसाब से देखें को दुनिया में सबसे ज्यादा मिलियनेयर स्विट्जरलैंड में रहते हैं। यूरोप का प्लेग्राउंड कहे जाने वाले इस देश में 15.6 फीसदी वयस्क आबादी की नेटवर्थ 10 लाख डॉलर से ज्यादा है। इस देश की आबादी करीब 89 लाख और एरिया 41,285 वर्ग किमी है। स्विट्जरलैंड की जीडीपी प्रति व्यक्ति करीब एक लाख डॉलर है और यह दुनिया के टॉप अमीर देशों में शुमार है। स्विट्जरलैंड के बाद आबादी के परसेंटेज के रूप में सबसे ज्यादा मिलियनेयर हॉन्ग कॉन्ग में रहते हैं। इस देश की 9.9 फीसदी वयस्क आबादी मिलियनेयर है। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है। वहां 9.4 फीसदी आबादी मिलियनेयर है। इसके बाद अमेरिका का नंबर है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले इस देश में 9 फीसदी लोगों के पास एक मिलियन डॉलर से ज्यादा पैसा है। इसके बाद नीदरलैंड (8.6%), नॉर्वे (8.2%), डेनमार्क (8%), न्यूजीलैंड (7%), सिंगापुर (6.7%), कनाडा (6.7%), स्वीडन (5.9%), बेल्जियम (5.9%) और फ्रांस (5.6%) का नंबर है।आयरलैंड में मिलियनेयर आबादी की संख्या 4.6%, ताइवान में 3.9%, जर्मनी में 3.9%, कुवैत में 3.2%, स्पेन में 3%, इजरायल में 3%, साउथ कोरिया में 2.9%, इटली में 2.7%, यूएई में 2.7%, जापान में 2.6%, पुर्तगाल में 2%, सऊदी अरब में 1.4%, कतर में 1.2%, चीन में 0.6%, कजाकस्तान में 0.5%,मेक्सिको में 0.4%, रूस में 0.4%, ब्राजील में 0.3%, रोमानिया में 0.3%, पोलैंड में 0.3%, साउथ अफ्रीका में 0.2%, इंडोनेशिया, अर्जेंटीना, तुर्की, कोलंबिया और भारत में 0.1 फीसदी मिलियनेयर रहते हैं।

ईडी ने कर्नाटक में 10 जगहों पर की छापेमारी

जिला सहकारी बैंक घाटाले से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जिला सहकारी बैंक घोटाले के सिलसिले में कर्नाटक के बेंगलुरु और शिवमोग्गा में 10 स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विशिष्ट इनपुट के आधार पर बेंगलुरु और शिवमोग्गा में एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया गया गया। यह अभियान जिला सहकारी बैंक से जुड़े एक कथित घोटाले की चल रही जांच का हिस्सा है। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी का उद्देश्य सहकारी बैंक से जुड़े संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं और धन शोधन से जुड़े साक्ष्य जुटाना है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी तीन बैंकों के संचालन के भीतर धन की हेराफेरी की रिपोर्ट के बाद कई सुरागों पर नजर रख रहा है। इन सहकारी बैंकों में बंगलूरू के श्री गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक लिमिटेड, श्री वसिष्ठ क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड और श्री गुरु सर्वबाहुमा सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव का नाम शामिल है।

दुनिया को टैरिफ में उलझाकर कुल्फी बेच रहे 'ट्रंप',इस वायरल वीडियो को देखकर आप भी रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली,8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत दुनिया के कई देशों में टैरिफ लगा दिया है। इससे दुनियाभर की शेयर मार्केट में गिरावट आई है। सोमवार को मार्केट में आई गिरावट से सिर्फ भारतीय निवेशकों को ही 14 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। हालांकि आज मंगलवार को मार्केट में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर इस समय सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक शख्स कुल्फी बेच रहा है जो दिखने में बिल्कुल डोनाल्ड ट्रंप जैसा नजर आ रहा है। यह वीडियो कुछ पुराना है और पाकिस्तान का बताया जा रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक खबर के मुताबिक ट्रंप की तरह दिखने वाले इस शख्स का नाम सलीम बग्गा है। यह पाकिस्तान के साहीवाल जिले के बाजार में कुल्फी और खीर बेचते हैं। जब भी वह कुल्फी या खीर बेचने आते हैं, लोग उन्हें देखने और उनके साथ फोटो खिंचवाने चले आते हैं।वीडियो में दिखाया गया है कि ट्रंप की तरह दिखने वाले सलीम बग्गा गाना गाकर कुल्फी बेच रहे हैं और ग्राहकों को बुला रहे हैं। वह वीडियो में कह रहे हैं, 'ए कुल्फी... खोया पाके, मक्खन पाके। कुल्फी...।' वह पंजाबी भाषा में गाना गाकर कुल्फी बेच रहे हैं। क्योंकि साहीवाल शहर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलीम बग्गा की उम्र 50 साल से ज्यादा है। दरअसल, सलीम बग्गा ऐल्बिनिजम से पीड़ित हैं। यह एक ऐसी बीमारी है जिसकी वजह से त्वचा, बाल और आंखों का रंग सफेद या सुनहरा हो जाता है। सलीम की कद-काठी और चेहरे का आकार काफी हद तक ट्रंप से मिलता है। रॉयटर्स की एक खबर के मुताबिक सलीम को गाना गाने का भी शौक है। जब भी सलीम कुल्फी या खीर बेचने निकलते हैं, लोग सेल्फी के लिए उनके पास आ जाते हैं। वह कहते हैं, 'मेरा चेहरा डोनाल्ड ट्रंप जैसा है। इसलिए लोग मेरे साथ सेल्फी लेते हैं। मुझे बहुत अच्छा लगता है।' वह अपने इलाके में एक तरह से सेलिब्रिटी बन गए हैं। सलीम के साथ सेल्फी लेने वाले एक शख्स ने बताया, 'हम अपने दोस्तों को बताते हैं कि हमने ये तस्वीरें ट्रंप के साथ ली हैं।'

सौर ऊर्जा बनाने में हमने जर्मनी को छोड़ा पीछे

भारत अब चीन और अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा बाजार

नई दिल्ली,8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। 2024 में पवन और सौर ऊर्जा से बिजली बनाने में हमने जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है। अब भारत इस मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वैश्विक स्तर पर पवन और सौर ऊर्जा से 15% बिजली का उत्पादन किया है। भारत में कम कार्बन स्रोतों (जैसे रन्यूिएबल एनर्जी और न्यूक्लयिर एनर्जी) से 40.9% बिजली बनी है। यह 1940 के बाद पहली बार है जब यह आंकड़ा 40% के पार गया है। एम्बर ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। भारत अब पवन और सौर ऊर्जा से बिजली बनाने में दुनिया में तीसरे नंबर पर आ गया है। 2024 में भारत ने इस मामले में जर्मनी को पीछे छोड़ दिया। पूरी दुनिया में जितनी बिजली पवन और सौर ऊर्जा से बनी, उसमें से 15% भारत ने बनाई। भारत में जो बिजली स्वच्छ स्रोतों से बनी, उसमें से 8% जलविद्युत और 10% पवन और सौर ऊर्जा से आई। पूरी दुनिया में 2024 में 858 टेरावाट स्वच्छ ऊर्जा जोड़ी गई। यह 2022 से 49% ज्यादा है। भारत में 2024 में जितनी बिजली बनी, उसमें से 7% सौर ऊर्जा यानी सोलर एनर्जी से आई। यह 2021 के मुकाबले दोगुना है। भारत अब चीन और अमेरिका के बाद तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बन गया है। एम्बर के प्रबंध निदेशक फिल मैकडॉनल्ड ने कहा, 'बैटरी स्टोरेज के साथ सौर ऊर्जा वैश्विक ऊर्जा बदलाव की धुरी बन गई है।' इसका मतलब है कि सौर ऊर्जा अब दुनिया में ऊर्जा के तरीके को बदलने में सबसे महत्वपूर्ण चीज बन गई है। इस रिपोर्ट में 88 देशों को शामिल किया गया है। ये देश दुनिया की 93% बिजली की मांग को पूरा करते हैं।एम्बर के एशिया कार्यक्रम के निदेशक आदित्य लोला ने कहा कि एशिया में स्वच्छ ऊर्जा बहुत तेजी से बढ़ रही है। इससे इस क्षेत्र की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। एम्बर के एक वरिष्ठ ऊर्जा विश्लेषक नेश्विन रोड्रिग्ज ने कहा कि भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा में बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन, अब उसके सामने यह चुनौती है कि वह मांग के अनुसार स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन कैसे बढ़ाए। एम्बर की एक और रिपोर्ट बताती है कि अगर भारत को 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य हासिल करना है तो उसे हर साल 20% ज्यादा निवेश करना होगा। इसका मतलब है कि भारत को नवीकरणीय ऊर्जा में और अधिक पैसा लगाना होगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगी 42 दिन की स्पेशल छुट्टी

लेकिन शर्त भी जान लीजिए, सरकार ने संसद में बताया नियम

नई दिल्ली,8 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कर्मचारी अब 42 दिन की अतिरिक्त छुट्टी (स्पेशल कैजुअल लीव) ले सकते हैं। हालांकि इन छुट्टियों के लिए शर्त जोड़ी गई है। ये छुट्टियां उन्हीं कर्मचारियों को मिलेंगी जो अपना अंगदान करेंगे। इस दौरान कर्मचारियों की सैलरी में कुछ भी कटौती नहीं होगी। यानी उन्हें छुट्टियां भी मिलेंगी और उतने दिनों की सैलरी भी। 42 दिन की छुट्टियों से जुड़े इन नियमों के बारे में सरकार ने संसद में भी बताया है।हाल ही में लोकसभा में एक सवाल के जवाब में इन छुट्टियों के बारे में जानकारी दी गई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए स्पेशल कैजुअल लीव का नियम बनाया है।

यह नियम सभी सरकारी कर्मचारियों पर लागू होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अपने कर्मचारियों को अंगदान करने पर अधिकतम 42 दिनों की स्पेशल कैजुअल लीव देने का फैसला किया है।इन छुट्टियों के बारे में साल 2023 में आदेश आया था। यह आदेश पर्सनेल मिनिस्ट्री ने जारी किया था। इस आदेश के मुताबिक अंगदान करने वाले कर्मचारी को 42 दिनों तक की छुट्टी मिल सकती है। हालांकि यह छुट्टी इस बात पर निर्भर नहीं करेगी कि ऑपरेशन कैसा था। किसी भी स्थिति में 42 दिन से ज्यादा की छुट्टी नहीं मिलेगी। फिर चाहे ऑपरेशन छोटा हो या बड़ा। वहीं इन छुट्टियों के लिए डॉक्टर की मंजूरी जरूरी है। यानी बिना डॉक्टर की मंजूरी के छुट्टी नहीं मिलेगी। ये छुट्टियां अस्पताल में भर्ती होने वाले दिन से शुरू होंगी।सरकारी नियमानुसार छुट्टियों के समय में इजाफा किया जा सकता है, लेकिन किसी भी स्थिति में 42 दिन से ज्यादा की छुट्टियां नहीं मिलेंगी। अगर किसी सर्जरी के लिए डॉक्टर 7 दिन की छुट्टी की मंजूरी देता और उसे बाद में लगता है कि मरीज को और छुट्टियों की जरूरत है तो वह छुट्टियों के दिनों में इजाफा कर सकता है। हालांकि इसके लिए डॉक्टर को लिखित में देना होगा। वहीं नियमानुसार छुट्टियां उस दिन से लागू होंगी जिस दिन अंगदान करने वाला शख्स अस्पताल में भर्ती होगा। लेकिन यहां भी कुछ राहत दी गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें ।आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है ।दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं ।आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी ।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे ।समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व ।स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज फैसला लेने का दिन है ।आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे । लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए । ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें ।आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हेयर ऑयल के लिए खरगोशों का शिकार

तमिलनाडु में इंडस्ट्री, ऑनलाइन बिक रहा तेल; आरोपी बोले– हम नहीं मारते, खून खरीदते हैं

कोयंबटूर, 8 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आप गंजे हो रहे हैं, बाल झड़ रहे हैं या सफेद हो रहे हैं, डैंड्रफ है, तो ये वाला तेल लगाइए। 100% फायदा होगा। ये दावा हेयर ऑयल बनाने वाली कंपनी 'पुनर्जीवनी' का है। तमिलनाडु की ये कंपनी 'रैबिट ब्लड हेयर ऑयल' बनाती है। नाम से ही जाहिर है कि इस तेल में खरगोश के खून का इस्तेमाल होता है। तमिलनाडु इस इंडस्ट्री का हब बन रहा है। लोकल दुकानों के अलावा ये तेल अमेजन जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर भी मिल रहा है। 5 फरवरी को डिपार्टमेंट ऑफ ड्रग्स कंट्रोल ने तमिलनाडु में तेल बेचने वाली तीन दुकानों पर रेड डाली, तो यहां से जब्त तेल में खरगोश का खून होने के सबूत मिले। इसी से पूरा मामला सामने आया। पता चला कि कंपनियां न सिर्फ इस तरह का तेल बना रही हैं, बल्कि इन्हें चलाने वाले यूट्यूब पर तेल बनाने का वीडियो भी अपलोड कर रहे हैं।

कंपनी के एक वीडियो में तमिलनाडु के ईरोड के रहने वाले अरुण नायर बताते हैं, 'मैं सिंगल वेटरनरी नाम के गांव से हूं। 'गरुणा रैबिट हेयर ऑयल' हमारा ही है। इसे तैयार करने में 30 दिन लगते हैं। अगर आप देखना चाहते हैं कि हम इसे कैसे बनाते हैं, तो हम आपको दिखाएंगे। इससे बालों से जुड़ी हर समस्या से 100% छुटकारा मिलता है।' क्या ये तेल खरगोश के खून से बना है? अरुण जवाब देते हैं, 'अगर कोई ये पूछता है कि सिर्फ खरगोश का खून ही क्यों? इसका जवाब यही है कि जिन खास तत्वों की जरूरत बालों को होती है, वो खरगोश के खून में ही ज्यादा मात्रा में मिलते हैं। ये तत्व सिस्टीन, बायोटिन और मेथियोनीन हैं। ये बालों के लिए जरूरी कंपोनेंट्स हैं, जो खरगोश के खून में खास तौर पर मिलते हैं। इसीलिए हम इसे रैबिट ब्लड से तैयार करते हैं। मैंने न तो इसे खुद बनाना शुरू किया, न ही इसकी खोज की है। ये हमारी परंपरा का हिस्सा है, जो चार पीढ़ियों से चली आ रही है। पहले इसे हमारे दादा-परदादा बनाते थे। फिर पिताजी ने बनाया और अब मैं बना रहा हूं।

अरुण कहते हैं, 'हमारा रैबिट ब्लड हेयर ऑयल सरकार से सर्टिफाइड है। इसके लिए हमने लंबे वक्त तक रिसर्च की। इसके बाद हमें सरकार से अप्रूवल मिला। हर किसी को आईएसओ सर्टिफिकेट नहीं मिलता है, लेकिन हमारे पास 2015 का लेटेस्ट सर्टिफिकेट है। इसके साथ ही, हमारे पास गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट भी है, जो बहुत कम लोगों को मिलता है। अगर सरकार की मंजूरी नहीं मिलती, तो हमारे लिए इसे बाजार में बेचना मुश्किल हो जाता।'

इस तेल से गंजे हो चुके लोगों के सिर पर क्या दोबारा बाल उग सकते हैं? अरुण कहते हैं, 'अगर कोई पूरी तरह गंजा हो चुका है और सिर पर छोटे-छोटे बाल भी नहीं बचे हैं, तो बाल वापस लाना बहुत मुश्किल है। अगर गंजेपन के बावजूद सिर पर थोड़े बेबी हेयर हैं, तब आप इस तेल को आजमा सकते हैं।

क्या रैबिट हेयर ऑयल से खून की बदबू आएगी? इस पर अरुण बताते हैं, 'कुछ लोग ऐसा सोचते हैं कि अगर तेल खरगोश के खून से बना है, तो इसमें खून की बदबू होगी, जबकि ऐसा नहीं है। इसमें सिर्फ खरगोश का खून नहीं, बल्कि शुद्ध नारियल तेल और 21 से ज्यादा जड़ी-बूटियां भी डाली गई हैं। इसमें हल्की रूबी की खुशबू आती है। वो भी 10-15 मिनट बाद चली जाती है। इसे लगाकर ऑफिस, शॉपिंग और स्कूल-कॉलेज कहीं भी जा सकते हैं। हमने सोशल मीडिया पेज खंगालने शुरू किए। हमें कई वीडियो मिले, जिसमें खरगोश का तेल बनते दिखाया गया है। हर वीडियो में दावा किया जा रहा है कि इससे बाल घने और काले होंगे। वीडियो के साथ उन्हें बेचने वालों का नाम और नंबर भी था।

इनमें से एक तमिलनाडु के अरियालुर के रहने वाले सत्या रमेश से हमने कस्टमर बनकर फोन पर बात की। वे हैप्पी शाइन नाम से प्रोडक्ट बेचते हैं। उन्होंने बताया कि ये तेल सिर्फ खरगोश के खून से नहीं बल्कि 21 जड़ी बूटियों को मिलाकर बनता है। खरगोश से खून निकालने का काम दूसरे लोग करते हैं। हम बस उन लोगों से रैबिट ब्लड में सने कपड़े खरीदते हैं। हालांकि, वे बार-बार साफ करते हैं कि वो रैबिट ब्लड निकालने वालों में शामिल नहीं हैं। ये भी मानते हैं कि तमिलनाडु में बड़ी इंडस्ट्री तैयार हो रही है। इसकी डिमांड सीरिंज से खरगोश का खून निकालकर पूरी नहीं हो सकती। इसीलिए उन्हें मारा जा रहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने फरवरी में खरगोश के खून से तेल बनाने और बेचने के खिलाफ आवाज उठाई। वे बताती हैं, 'मैंने ड्रग कंट्रोलर ऑफिस और तमिलनाडु एनिमल वेलफेयर बोर्ड को इस ऑयल की जानकारी दी। इसके बाद उनकी टीम ने तमिलनाडु के उस गांव में छापा मारा, जहां ये बन रहा था। वहां खरगोश तो नहीं मिले, लेकिन पता चला कि ये लोग खरगोश का खून मंगवाते हैं।' मेनका का कहना है कि खरगोशों के साथ क्रूरता और बिना लाइसेंस के तेल बनाना इस मामले को गंभीर बनाता है।

मेनका गांधी के मुताबिक, ये कहना कि खरगोश का खून एंटीऑक्सिडेंट है या सफेद बाल हटाता है, सरासर झूठ है। इसके लिए खरगोशों को पाला और मारा जा रहा है। ये तेल बिना लाइसेंस बेचा जा रहा है। ये तेल इन्हीं फर्जी दावों के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए बेचे जा रहे थे। मेनका के मुताबिक, उनकी शिकायत के बाद ये तेल फ्लिपकार्ट से हटा लिया गया, लेकिन अब भी कई लोकल चैनलों और तमिल भाषा में इसके ऐड चल रहे हैं। उन्होंने ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

मेनका ने तेल बेचने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों के स्क्रीनशॉट भी दिखाए, जिनमें बेचने वाले का नाम और जानकारी थी। उनकी नाराजगी अस्काला रैबिट ब्लड हेयर ग्रोथ ऑयल पर साफ दिखी। उनका कहना है कि सरकार के पास सबूत हैं कि ये तेल अमेजन, मीशो, स्नैपडील और सोशल मीडिया पर आसानी से मिल रहा है। फिर भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। मेनका गांधी ने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की है कि इस गैरकानूनी और क्रूर काम को रोका जाए। उनका कहना है कि जानवरों का खून निकालने में जो क्रूरता हो रही है, उसे बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

इस मामले पर हमने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख और ड्रग कंट्रोलर जनरल डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी से कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की। मेनका गांधी ने जो केस उठाए हैं, उसमें अब तक हुई कार्रवाई के बारे में जानने के लिए हमने मेल भी किया, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला

हैदराबाद में नकली तेल पर शिकंजा

7 मार्च को हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने सूरत के दो लोगों, चौहान नीरल बाबूभाई और नील निकुलभाई को नकली हेयर ऑयल और फेस क्रीम बेचने के आरोप में पकड़ा। ये लोग बाजार से सस्ता सामान खरीदकर नकली प्रोडक्ट बनाते थे। इन्हें शाप 101 जैसे प्लेटफॉर्म पर बेचते थे।

जांच में पता चला कि इन्होंने 'पुनर्जीवनी प्राइवेट लिमिटेड' के 'रैबिट हेयर ऑयल' की नकल की। इनके तीन साथी विशेष आहूजा, Shop101 के कर्मचारी प्रसाद और अलीशा अब भी फरार हैं। ये कार्रवाई नवंबर 2024 की एक शिकायत पर हुई, जिसमें ब्रांड चोरी और हेल्थ से खिलवाड़ का आरोप था।

हाथी ने 10 दिन में 6 लोगों को मार डाला

बलरामपुर में साइकिल सवार को दौड़ाकर पकड़ा; 20 फीट दूर फेंका, शव रखकर प्रदर्शन

बलरामपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले के ग्राम चाकी में जंगली हाथी ने साइकिल सवार ग्रामीण को दौड़ाकर पकड़ लिया। फिर उठाकर 20 फीट दूर फेंक दिया। हमले में ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को उठाकर ले जाने का विरोध किया और प्रदर्शन करने लगे।

वनविभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीण की बेटी को चौकीदार की नौकरी और हाथियों से बचाव के लिए उपाय का आश्वासन दिए जाने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। जंगली हाथी के हमले से 10 दिनों में 6वीं मौत है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम चाकी निवासी ग्रामीण देवनारायण सिंह खैरवार (42) मंगलवार सुबह करीब 8 बजे जंगल के रास्ते से बसकटियापारा की ओर जा रहा था। रास्ते में उसे जंगली हाथी ने दौड़ाकर सूंड से पकड़ लिया। हाथी ने ग्रामीण को उठाकर दूर फेंक दिया। हाथी के फेंके जाने पर देवनारायण दूर जा गिरा और उसकी मौके पर मौत हो गई। आसपास महुआ बिन रहे ग्रामीण डरकर मौके से भाग निकले और घटना की सूचना ग्रामीणों को दी।

घटना की सूचना पर जिला पंचायत सदस्य संतोष यादव के साथ ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंच गए। जंगली हाथी के हमले में लगातार मौत से आक्रोशित जिला पंचायत सदस्य और ग्रामीणों ने वनविभाग को शव ले जाने से रोक दिया। इसकी जानकारी मिलने पर एसडीओ फारेस्ट अनिल कुमार पैकरा, रेंजर संतोष पांडेय मौके पर पहुंचे।

मृतक देवनारायण खैरवार की पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है। उसके दो बच्चे हैं, जिसमें लड़की ममता खैरवार कॉलेज तक पढ़ाई कर चुकी है और बेटा नाबालिग है। जिला पंचायत सदस्य संतोष यादव ने देवलाल की बेटी को चौकीदार की संविदा नियुक्ति देने की मांग रखी। अधिकारियों ने इसे स्वीकार कर लिया।

ग्रामीणों ने हाथी की ट्रैकिंग के लिए डिवाइस लगाने और हाथी से बचाव के लिए सोलर फेंसिंग की मांग की। SDO ने इसके लिए भी आश्वासन दिया है। इसके बाद ग्रामीण मानें। पुलिस ने मृतक के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

चाकी में ग्रामीण पर हमला करने वाला दंतैल हाथी अब भी पास के जंगल में डटा हुआ है। ये हाथी झारखंड से छत्तीसगढ़ सीमा में घुसा है। 2 हाथियों ने पिछले 10 दिन में 6 लोगों को मार डाला है।

हाथी ने 31 मार्च की शाम रामानुजगंज क्षेत्र के फुलवार गांव में पति-पत्नी, उस्मान अंसारी (50 साल) और अस्मीना अंसारी (45 साल) पर हमला कर दिया था। हाथी ने अस्मीना अंसारी का बायां हाथ उखाड़ दिया था। अंबिकापुर मिशन हॉस्पिटल में देर रात अस्मीना की मौत हो गई थी। इलाज के दौरान उस्मान की भी मौत हो गई।

जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य पर पड़ रहा गहरा असर, अब व्यवहार में बदलाव जरूरी

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रांची के सदर अस्पताल में जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ वायु और स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ओएसडी संजय श्रीवास्तव, मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद, राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण कर्ण और अंकिता ज्योति सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम स्वास्थ्य शुरूआत, आशाजनक भविष्य है, जो माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर केंद्रित है।

कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर विशेषज्ञों ने चिंता जताई। राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण कर्ण ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है, जिससे हीट स्ट्रोक के मामले गर्मियों में तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के पीछे मानव गतिविधियां और अनियंत्रित शहरीकरण सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि एयर कंडीशनर जैसी तकनीकों पर निर्भरता स्थायी समाधान नहीं हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ओएसडी संजय श्रीवास्तव ने कहा कि झारखंड में खनन के कारण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने में जनभागीदारी आवश्यक है। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात ने कहा कि वायु प्रदूषण आज मृत्यु का एक प्रमुख कारण बन चुका है। शहरीकरण, वन कटाई और जनसंख्या वृद्धि इसके प्रमुख कारण हैं। उन्होंने सदर अस्पताल को एक ईको-फ्रेंडली अस्पताल बताते हुए कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम समन्वयक, डाटा प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

दमोह के फर्जी डॉक्टर का बिलासपुर कनेक्शन

अपोलो अस्पताल में पूर्व स्पीकर समेत 8 की ले चुका है जान

बिलासपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के दमोह के मिशन अस्पताल में 7 हार्ट पेशेंट की मौत के बाद डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जॉन केम सुर्खियों में है। डॉ नरेंद्र छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भी 8 लोगों की जानें ले चुका है। जिसमें पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल का नाम भी शामिल है। डॉ नरेंद्र तब बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में पदस्थ थे। स्व. शुक्ल के बेटे का बयान सामने आने के बाद सीएमएचओ ने अपोलो अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है, जिसमें पूछा है कि किस आधार पर डॉक्टर की नियुक्ति की गई थी।

उसकी शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने साथ ही पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल समेत 8 लोगों की मौत के मामले में डॉक्टर के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई थी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. शुक्ल के बेटे प्रो. प्रदीप शुक्ल ने बताया कि अगस्त 2006 में उनके पिता की तबीयत खराब हो गई थी। तब इलाज के लिए उन्हें अपोलो अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें हार्ट की समस्या बताई गई। उनकी एंजियोग्राफी करने की बात कही गई। तब उनका इलाज हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जॉन केम ने किया था। 2 अगस्त को एंजियोग्राफी की गई। लेजर से ऑपरेशन करने की जानकारी दी गई। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इस दौरान बताया गया कि उनकी तबीयत बहुत ज्यादा खराब हो गई है फिर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया।

प्रदीप शुक्ल ने बताया कि तब तत्कालीन सीएम डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने हर संभव इलाज के निर्देश दिए थे। तत्कालीन कलेक्टर गौरव द्विवेदी भी अपोलो अस्पताल गए थे। उस समय उन्हें 18 दिनों तक वेंटिलेटर पर रखा गया था। जब वेंटिलेटर हटाया गया, तब उनकी मौत हो गई।

राजेंद्र शुक्ल की मौत 20 अगस्त 2006 को हुई थी। उस समय डॉक्टरों ने उन्हें बताया था कि आईएमए ने उनकी डिग्री और रजिस्ट्रेशन को फर्जी बताया था। उस समय हम लोग पिता के क्रियाकर्म में व्यस्त हो गए। जिसके बाद उन्होंने कई जगह जानकारी ली, तब पता चला कि उनकी डिग्री फर्जी थी। हालांकि, बाद में अपोलो प्रबंधन ने उन्हें हटा दिया था।

बता दें कि डॉक्टर का वास्तविक नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है, जो उत्तराखंड के देहरादून का रहने वाला है। जबकि उसके दस्तावेजों में नाम नरेंद्र जॉन केम लिखा हुआ है। उसके पास 2006 में एमबीबीएस की डिग्री है, जो आंध्र प्रदेश के एक मेडिकल कॉलेज से बताई गई है और रजिस्ट्रेशन नंबर 153427 दर्ज है।

लेकिन, इसके बाद जो तीन एमडी और कार्डियोलॉजी की डिग्रियां दी गई हैं, वे क्रमशः कोलकाता, दार्जिलिंग और यूके की बताई गई हैं, जिनमें किसी का भी रजिस्ट्रेशन नंबर उपलब्ध नहीं है। डॉक्टर यादव साल 2006 में ही अपोलो अस्पताल में कार्यरत था। दमोह की घटना के सामने आने के बाद सीएमएचओ द्वारा अपोलो अस्पताल को नोटिस जारी कर इस संदिग्ध डॉक्टर से संबंधित सभी जानकारी मांगी गई है।

बताया जा रहा है कि दमोह के मिशन अस्पताल में लंदन के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एन जॉन केम के नाम पर फर्जी डॉक्टर ने ढाई महीने में 15 हार्ट ऑपरेशन कर डाले। आरोप है कि दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच हुए इन ऑपरेशनों में 7 मरीजों की मौत हो गई। मामले का खुलासा होने के बाद आरोपी डॉ. नरेंद्र यादव फरार हो गया है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने घटना को गंभीरता से लिया है। बिलासपुर सीएमएचओ डॉ. प्रमोद तिवारी ने बताया कि इस मामले में अपोलो अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर डॉ. नरेंद्र की डिग्री की प्रति मांगी गई है। यह पूछा गया है कि आखिर अस्पताल ने किस आधार पर उसे नियुक्त किया था।

अपोलो अस्पताल से यह भी पूछा गया है कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल समेत 8 लोगों की मौत के मामले में डॉक्टर के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई थी।

कॉन्स्टेबल को लाठी-रॉड से पीटा, सिर फटा

बिलासपुर में स्कूटी सवार बदमाशों ने टक्कर मारी शराब के लिए पैसे मांगे, नहीं देने पर मारपीट की

बिलासपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कुछ बदमाशों ने एक कॉन्स्टेबल पर बीच सड़क लाठी और रॉड से हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना में आरक्षक सतीश कुमार लोधी का सिर फट गया, वह खून से लथपथ अस्पताल पहुंचा। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

4 बदमाश स्कूटी में सवार होकर आए और सतीश को टक्कर मारी। जिसके बाद वे शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगे। जब उसने पैसे देने से मना किया तो उसे दौड़ा-दौड़ाकर मारा। तब सतीश अपनी जान बचाकर भागा। वारदात के बाद पुलिस ने 2 बदमाशों को पकड़ लिया है। जबकि, उसके दो साथी फरार हैं। सतीश कुमार लोधी पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर कार्यरत है। उसकी पोस्टिंग जिला न्यायालय में है। सोमवार को आरक्षक सतीश कुमार लोधी अपने दोस्त आनंद वर्मा के साथ शाम 4 बजे घर जा रहा था। तभी सदर बाजार स्थित करोना चौक के पास यह घटना हुई। दो युवक बाइक से उतरकर आरक्षक और उसके दोस्त से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। आरक्षक ने विरोध करते हुए पैसे देने से मना किया, तब युवकों ने गाली देते हुए रॉड और लाठी से आरक्षक और उसके साथी पर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

इस बीच उसके 2 अन्य साथी भी आ गए। जिन्होंने आरक्षक और उसके दोस्त की बेरहमी से पिटाई की। इस दौरान आरक्षक को अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। युवकों की दबंगई और मारपीट के चलते बीच बाजार में भगदड़ की स्थिति बन गई।

हमले में खून से लथपथ घायल आरक्षक और उसका दोस्त भाग कर सिटी कोतवाली थाना पहुंचे, जहां उसने पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने सैफुल और मनोज वर्मा को पकड़ लिया। वहीं, सैफुल के भाई समेत दो अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, करोना चौक निवासी आरोपी फैजुल हक और उसका भाई सैफुल हक दोनों आदतन बदमाश हैं। होली के पहले ही दोनों हथियार के साथ पकड़े गए थे। पुलिस ने उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा था। बाद में दोनों जेल से छूट गए थे, जिसके बाद उन्होंने फिर से गुंडागर्दी शुरू कर दी। इस घटना के बाद सैफुल हक और मनोज वर्मा को पुलिस ने पकड़ा है। फैजुल हक और एक अन्य अभी भी फरार है। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को सिटी कोतवाली थाने से जिला न्यायालय तक पैदल मार्च कराया।

तीन बहनों ने मिलकर 26 लाख की ज्वेलरी चुराई

बिलासपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में 3 बहनों ने मिलकर एक ज्वेलरी शॉप से तकरीबन 26 लाख के गहने चुराए हैं। तीनों फुफेरी और ममेरी बहनें है। तीनों बिल्हा के शिवशंकर ज्वेलर्स की नियमित ग्राहक थी और अक्सर कार में सवार होकर शॉपिंग के लिए पहुंचती और मौका मिलते ही सोने-चांदी के गहने पार कर देती।

मामला बिल्हा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, उनका चोरी का यह सिलसिला पिछले 3 साल से चल रहा था। दुकान संचालक मनोहर जायसवाल को ग्राहकों के जाने के बाद जब दुकान में जेवर कम मिले, तब सीसीटीवी वीडियो चेक किया। जिसमें महिलाएं गहने चोरी करते हुए नजर आईं। जिसके बाद 2 अप्रैल को मामले की शिकायत की गई। जांच के बाद पुलिस ने तीन महिलाओं के साथ ही एक महिला के पति को भी गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 23 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी और नगदी समेत 26 लाख 83 हजार रुपए का माल बरामद हुआ है। डीएसपी अनिता प्रभा मिंज ने बताया कि बीते 6 अप्रैल को जब संजना साहू (25) फिर से खरीदारी के बहाने दुकान पहुंची तो दुकान संचालक ने पुलिस को कॉल कर इसकी सूचना दी। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बहतराई निवासी अपनी बहन सीमा साहू (30), लगरा निवासी अनिता साहू (25) के साथ मिलकर गहनों की चोरी करना स्वीकार किया।

दुर्ग में बेटी-दामाद ने पिता को मारकर जलाया

3 साल पहले रेप किया, फिर छेड़खानी करने पर की हत्या; मां ने दिया साथ

भिलाई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)।छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पिता की बुरी नीयत से परेशान होकर बेटी ने पति के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद लाश को साड़ी में लपेटकर खेत ले गए। जहां शव को केरोसीन डालकर जला दिया। शराबी पिता बेटी से रेप के मामले में 3 साल पहले भी जेल जा चुका था। लेकिन जेल से छूटते ही वह फिर से बेटी पर गंदी नीयत रखता था। मामला भिलाई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक शनिवार (5 अप्रैल) रात शराब के नशे में रॉकी लांजेवार (40) ने पत्नी-बेटी और दामाद को गालियां दी और झगड़ा करने लगा। बेटी का आरोप है कि पिता ने उसे गलत तरीके से पकड़ा था। इस दौरान दामाद भी वहां मौजूद था। गुस्साए बेटी (20 साल) और दामाद (21 साल) ने शराबी पिता पर रॉड से हमला कर दिया। हमले में रॉकी लांजेवार बुरी तरह घायल हो गया और उसकी मौके पर मौत हो गई। इसके बाद हत्या की जानकारी बेटी ने अपनी मां (35 साल) को दी। साक्ष्य छिपाने के लिए तीनों ने मिलकर शव को मेटाडोर (ट्रक) में भरकर उम्दा रोड ले गए और लाश को जला दिया। 6 अप्रैल को खेत में अधजली लाश देखने पर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि, घटना में रॉकी लांजेवार का सिर फटने से उसका काफी खून बह गया और मौके पर ही मौत हो गई थी। लाश को ठिकाने लगाने के बाद बेटी-दामाद और पत्नी वहां से घर आ गए। अगले दिन जब पुलिस सूचना पाकर पहुंची तो चेहरा जल जाने से उसकी पहचान नहीं हो पाई थी।

जब शव की पहचान नहीं हुई तो पुलिस ने अधजली लाश को साइबर प्रहरी ग्रुप में डाला। रॉकी के हाथ में बने टैटू को देखकर पावर हाउस का एक युवक उसे पहचान गया और पुलिस को फोन कर सूचना दी। इसके बाद पुलिस जब मृतक के घर पहुंची तो वहां कोई नहीं था। इससे पुलिस को शक हुआ और उसके बाद अपराधियों की एक-एक कड़ी जुड़ती चली गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिस्बन का 'सिटी की ऑफ ऑनर' सम्मान

लिस्बन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिस्बन में 'सिटी की ऑफ ऑनर' सम्मान से नवाजा गया। लिस्बन के मेयर कार्लोस मोएदास ने उन्हें यह सम्मान दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने लिस्बन के मेयर और लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लिस्बन अपने खुले विचारों, संस्कृति, सहिष्णुता और विविधता के प्रति सम्मान के लिए जाना जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लिस्बन एक वैश्विक शहर है जो तकनीकी बदलाव, इनोवेशन, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और डिजिटल संक्रमण के मामले में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में भारत और पुर्तगाल आगे भी सहयोग कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, पुर्तगाल एक ऐसा देश है, जिसके साथ हमारे ऐतिहासिक

संबंध रहे हैं। भारत और पुर्तगाल के बीच सांस्कृतिक संबंध सदियों से चले आ रहे हैं, और इन्होंने हमारे रोजमर्रा के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा, इस वर्ष भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा ऐतिहासिक सहयोग, एक गतिशील और बहुमुखी साझेदारी बनने की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।'

राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल और स्लोवाक गणराज्य की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा पर हैं। यह 25 से अधिक वर्षों में भारत के राष्ट्रपति की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। इन यात्राओं से यूरोपीय संघ के दो महत्वपूर्ण भागीदारों के साथ भारत के बहुआयामी संबंधों का और विस्तार होगा।

पुर्तगाल में पिछली राजकीय यात्रा 1998 में हुई थी जब राष्ट्रपति के.आर. नारायणन वहां पहुंचे थे। राष्ट्रपति मुर्मू पुर्तगाल के प्रेसिडेंट मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर 7-8 अप्रैल तक पुर्तगाल की राजकीय यात्रा पर हैं।

पुर्तगाल से राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाकिया जाएंगी, जो 29 वर्षों में भारत के किसी राष्ट्रपति की पहली स्लोवाकिया यात्रा होगी। 9-10 अप्रैल की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ चर्चा करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाक गणराज्य की राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष रिचर्ड रासी से भी मिलेंगी।

रूस की धरती पर यूक्रेन का बड़ा धमाका

जेलेंस्की ने बेलगोरोद में सैनिकों के होने की पहली बार की पुष्टि

कीव/यूक्रेन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की ने पहली बार सार्वजनिक रूप से पुष्टि की है, कि यूक्रेनी सैनिक रूस के बेलगोरोद क्षेत्र में मौजूद हैं। ये रूस के लिए बहुत बड़ा झटका है क्योंकि करीब सवा तीन साल पहले शुरू हुए इस युद्ध में अब तक का सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव माना जा रहा है। पिछले महीने रूस ने इस क्षेत्र में हमले तेज करने की रिपोर्ट दी थी और उसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि बेलगोरोद में यूक्रेनी सैनिकों की मौजूदगी हो सकती है।

अगर यूक्रेनी सैनिकों ने बेलगोरोद पर कंट्रोल कर लिया तो ये रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए बहुत बड़ा झटका होगा। जेलेंस्की ने सोमवार को कुर्स्क और बेलगोरोद में यूक्रेनी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि हम दुश्मन के इलाके में सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय अभियान चला रहे हैं और यह बिल्कुल उचित है। युद्ध को वहीं लौटना चाहिए जहां से वह शुरू हुआ था। यूक्रेनी राष्ट्रपति का यह बयान रणनीति के लिहाज से काफी ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2022 में युद्ध की शुरुआत के बाद से यह पहली बार है, जब उन्होंने इस क्षेत्र में सैनिकों की मौजूदगी का जिक्र किया है।

यह बयान रूस की घरेलू सुरक्षा को चुनौती देने और पुतिन प्रशासन को रणनीतिक दबाव में डालने की एक कोशिश भी मानी जा रही है। इसी साल मार्च में रूसी सेना ने पुष्टि की थी कि यूक्रेनी सेना ने बेलगोरोद में जमीनी हमले शुरू किए हैं। डीपस्टेट मिलिट्री ब्लॉग, जिसके बारे में माना जाता है कि उसका यूक्रेन की सेना से करीबी संबंध है, उसने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यूक्रेनी सैनिकों ने डेमिडोव्का के सीमावर्ती गांव के पास रूसी क्षेत्र में 13 वर्ग

किलोमीटर के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। आपको बता दें कि बेलगोरोद, रूस के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक सीमावर्ती इलाका है जो यूक्रेन के खारकीव से सटा हुआ है।

इस क्षेत्र को कई बार यूक्रेनी समर्थित रूसी विद्रोही समूहों ने निशाना बनाया था, लेकिन यह पहली बार है जब यूक्रेनी सेना की प्रत्यक्ष मौजूदगी को स्वीकारा गया है। बेलगोरोद की भौगोलिक स्थिति इसे एक रणनीतिक क्षेत्र में तब्दील कर देती है, जिससे रूस को अपने ही इलाकों में सुरक्षा बढ़ानी पड़ रही है। बेलगोरोद में करीब 15 लाख लोग रहते हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से ही यूक्रेन के लिए ये क्षेत्र नियमित लक्ष्य रहा है। यह क्षेत्र कुर्स्क के करीब है, जिस पर कीव पिछले साल एक आश्चर्यजनक हमला करने के बाद से कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

बडे पैमाने पर शरणार्थियों का निर्वासन जारी

अफगानियों की दुकानें, होटल बंद

रावलपिंडी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार बड़े पैमाने पर अफगान शरणार्थियों को उनके देश वापस भेज रही है। इसके नतीजे अब दिखने भी लगे हैं। रावलपिंडी शहर और छावनी क्षेत्रों के वाणिज्यिक केंद्रों में अफगानियों के व्यवसाय बंद होने शुरू हो गए हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने 31 मार्च की समय-सीमा की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वासन प्रक्रिया तेज कर दी। हजारों अफगान शरणार्थियों को वापस अफगानिस्तान भेज दिया गया है।

सरकार की यह कोशिश पाकिस्तान में दशकों से रह रहे अफगानियों के लिए बड़ी परेशानी लेकर आई है। इनमें से कई ऐसे लोग भी शामिल हैं जो पाकिस्तान में ही जन्मे हैं और कभी अफगानिस्तान में नहीं रहे। देश के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के अनुसार, रावलपिंडी में अफगान दुकानदारों ने अपना सामान बेचने में लगे और अपनी दुकानें बंद कर रहे हैं। इनमें से कई गायब हो गए हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कई अफगानियों की दुकानें या तो बंद हो गई हैं या बेच दी गई हैं। शहर और छावनी में कई प्रसिद्ध अफगान होटल अब चालू नहीं हैं। कुछ निर्वासित लोगों ने कहा कि उन्हें काम करते समय पाकिस्तानी पुलिस ने गिरफ्तार किया और अफगानिस्तान भेज दिया जबकि उनका परिवार पीछे छूट गया।

अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने निर्वासित गुल मोहम्मद के हवाले से बताया, मैं फल बाजार में एक छोटा सा होटल व्यवसाय चलाता था। पुलिस ने मुझ पर छापा मारा, मुझे खैबर पख्तूनख्वा के हाजी कैंप में चार रातों तक हिरासत में रखा और अब मुझे तोरखम के रास्ते निर्वासित कर दिया है। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक डॉन ने एक आधिकारिक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि रविवार रात को कुल 4,966 अफगान शरणार्थी अफगानिस्तान के लिए रवाना हुए।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर

टोरंटो में की आध्यात्मिक यात्रा

टोरंटो, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने श्रीराम जन्मोत्सव एवं श्री स्वामीनारायण जयंती के पावन पर्व पर बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, टोरंटो का दिव्य और भक्ति-भावनाओं से परिपूर्ण दर्शन किया। यह शुभ अवसर भगवान श्रीराम और भगवान श्री स्वामीनारायण की पवित्र जयंती का संयुक्त उत्सव था। प्रधानमंत्री का स्वागत वैदिक परंपरा के अनुसार नाड़ा-छड़ी (पवित्र सूत्र) बांधकर तथा पुष्पमालाओं से किया गया। वरिष्ठ बीएपीएस संतों ने उन्हें मंदिर की आध्यात्मिक गरिमा से परिचित कराया। प्रधानमंत्री ने नीलकंठवर्णी महाराज का अभिषेक कर देश-विदेश में शांति, सद्भावना और समृद्धि की मंगलकामना की।

मंदिर की भव्यता, कलात्मक पत्थर की नक्काशी और आध्यात्मिक वातावरण से प्रधानमंत्री अभिभूत हो गए।

उन्होंने श्रद्धा से आरती में भाग लिया और श्रीहरि को फूल व फल अर्पित किए। इस दिव्य यात्रा की विशेष झलक तब देखने को मिली जब उन्हें परम पूज्य महंत स्वामी महाराज द्वारा रचित 'सत्संग दीक्षा' ग्रंथ की बहुभाषी विशेष प्रति भेंट की गई। भारत से भेजे गए पूज्य महंत स्वामी महाराज के आशीर्वाद-पत्र को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में पढ़ा गया। इस संदेश में स्वामी श्री ने प्रधानमंत्री के सत्प्रेरणादायक नेतृत्व, कनाडा की समृद्धि एवं संपूर्ण मानवता के कल्याण हेतु मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। "आपकी प्रार्थनाओं और प्रेमपूर्ण सत्कार के प्रति मैं अपनी गहन कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। मैं पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से यह संकल्प करता हूँ कि कनाडा, भारत और समस्त विश्व में शांति, एकता, सौहार्द और समृद्धि को प्रोत्साहित करता रहूंगा।" प्रधानमंत्री कार्नी ने बीएपीएस मंदिर के सामाजिक योगदानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की, जिसमें समाज सेवा, अंतरधार्मिक सद्भाव, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण तथा युवा पीढ़ी के निर्माण में मंदिर की प्रेरणादायी भूमिका शामिल है।

उन्होंने मंदिर को कनाडा की राष्ट्रीय एकता, स्वयंसेवा और शांति का प्रकाशस्तंभ बताया। प्रस्थान से पूर्व प्रधानमंत्री ने समुदाय के सदस्यों एवं हिंदू नेताओं से आत्मीय संवाद किया और विविधता, समावेशिता एवं सांस्कृतिक एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दृढ़तापूर्वक दोहराया।

अमेरिकी यूट्यूबर बिना इजाजत भारत के प्रतिबंधित सेंटिनल द्वीप पहुंचा

वीडियो भी बनाया-14 दिन की रिमांड

अंडमान, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय पुलिस ने 24 साल के एक अमेरिकी यूट्यूबर को हिंद महासागर के एक प्रतिबंधित द्वीप पर पहुंचने और वहां की जनजाति से संपर्क करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह यूट्यूबर अमेरिकी राज्य एरिजोना के रहने वाल है। उसका नाम मिखायलो विक्टोरोविच पोलियाकोव है। 29 मार्च को वह भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप के प्रतिबंधित सेंटिनल द्वीप पर पहुंचा था। वहां रहने वाली सेंटिनली जनजाति से नहीं मिल पाया तो डाइट कोक और नारियल छोड़कर आया था। उसे 31 मार्च को पोर्ट ब्लेयर में गिरफ्तार किया गया था। एक स्थानीय कोर्ट ने पिछले हफ्ते उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था। उसे 17 अप्रैल को दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

उसे पांच साल तक की जेल हो सकती है और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि पोलियाकोव जीपीएस नेविगेशन का इस्तेमाल करके इस द्वीप तक पहुंचा था। द्वीप पर उतरने से पहले उसने बाइनोकुलर्स से द्वीप का सर्वे किया। वह करीब एक घंटे तक द्वीप पर रुका। इस दौरान उसने सीटी बजाकर सेंटिनली लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की, लेकिन किसी ने उसे जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसने एक डाइट कोक और नारियल को वहां रखा, अपना वीडियो बनाया और रेत के कुछ नमूने लेकर वहां से वापस लौट गया।

अल्लाह ने मुझे किसी वजह से जिंदा रखा है, शेख हसीना ने भरी हुंकार

समर्थकों से किया बांग्लादेश लौटने का वादा, यूनुस की उड़ेगी नींद!

ढाका, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस को सीधी चुनौती दी है। उन्होंने अपने समर्थकों को संदेश देते हुए कहा है कि वह बांग्लादेश वापस लौटेंगी और उनकी पार्टी अवामी लीग के सदस्यों को निशाना बनाने वालों को इंसाफ के कटघरे में लाया जाएगा। अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना, जिन्हें एक हिंसक आंदोलन के बाद बांग्लादेश से भागकर भारत आना पड़ा था, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी के नेताओं के परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि अल्लाह ने मुझे किसी वजह से जीवित रखा है और वह दिन आएगा जब न्याय मिलेगा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस पर निशाना साधते हुए शेख हसीना ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने कभी लोगों से प्यार नहीं किया। शेख हसीना ने कहा है कि उन्होंने ऊंची ब्याज दरों पर छोटी रकम उधार दी और उस पैसे का इस्तेमाल विदेश में ऐशो-आराम से रहने में किया। हम तब उनके दोगलेपन को समझ नहीं पाए, इसलिए हमने उनकी बहुत मदद की। लेकिन लोगों को कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने अपने लिए अच्छा किया। फिर सत्ता की ऐसी लालसा पैदा की जो आज बांग्लादेश को जला रही है।

शेख हसीना की मोहम्मद यूनुस को सीधी चुनौती

शेख हसीना ने आगे कहा कि बांग्लादेश अब एक आतंकवादी देश बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को इस तरह से मारा जा रहा है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अवामी लीग, पुलिस, वकील, पत्रकार, कलाकार, हर किसी को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश में मीडिया पर भी शिकंजा कसने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, बलात्कार, हत्या, डकैती, कुछ भी रिपोर्ट नहीं किया जा सकता। और अगर रिपोर्ट किया जाता है, तो टीवी चैनल या अखबार को निशाना बनाया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि मैंने एक ही दिन में अपने पिता, माता, भाई, सबको खो दिया। और फिर उन्होंने हमें देश वापस नहीं लौटने दिया। मुझे अपने लोगों को खोने का दर्द पता है। अल्लाह मेरी रक्षा करता है, शायद वह मेरे जरिए कुछ अच्छा करवाना चाहता है।

ट्रंप ने ईरान के साथ सीधी बातचीत की घोषणा की

वाशिंगटन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत हो रही है और पहली बैठक शनिवार को होने वाली है, जो लगभग शीर्ष स्तर पर होगी। उन्होंने कहा कि समझौते पर पहुंचने में विफलता से तेहरान को बहुत बड़ा खतरा हो जाएगा, क्योंकि उसे परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वार्ता के स्थान या इसमें शामिल होने वाले अधिकारियों के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। हालांकि उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक समाचार सम्मेलन में कई बार कहा कि वार्ता "बहुत शीर्ष" स्तर पर और "लगभग उच्चतम स्तर" पर होगी। ट्रंप की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब उन्होंने पहली बार वार्ता के लिए सार्वजनिक निमंत्रण के साथ प्रक्रिया शुरू की थी, जिसे ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अस्वीकार कर दिया था। ट्रंप ने ईरान पर अधिकतम दबाव की नीति अपनाई, जिसकी शुरुआत उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में 2015 के जेसीपीओए (संयुक्त व्यापक कार्य योजना - जिसे ईरान समझौता भी कहा जाता है) को रद्द करके की थी। यह समझौता राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पी5 सदस्य देशों अमेरिका, यूके, फ्रांस, चीन और रूस और जर्मनी (+1) और ईरान के बीच कराया गया था। इसके तहत ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के बदले में संयुक्त राष्ट्र के कठोर प्रतिबंध हटाए गए थे। ट्रंप ने कहा, हमारी ईरान से सीधी बातचीत चल रही है, जो शनिवार से शुरू होगी। हमारी एक बहुत बड़ी बैठक है, और हम देखेंगे कि क्या हो सकता है। और मुझे लगता है कि हर कोई सहमत है कि एक समझौता करना, स्पष्ट कार्रवाई करने से बेहतर होगा।

भारतीय मूल के शख्स पर विमान में यौन उत्पीड़न का आरोप

टेक्सास की उड़ान के दौरान हुई वारदात

न्यूयॉर्क, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में एक घरेलू उड़ान में भारतीय मूल के शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों के मुतबिक, शख्स की उम्र 36 साल बताई जा रही है। उस पर एक साथी यात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। मोंटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने 3 अप्रैल को एक बयान में कहा कि भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर मोंटाना से टेक्सास की उड़ान में आपत्तिजनक हरकत और यौन संपर्क का आरोप है। बयान में कहा गया, 'न्यू जर्सी के लेक हियावाथा के रहने वाले भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष विमान क्षेत्राधिकार में अपमानजनक यौन संपर्क के लिए एक-मामले में अभियोग लगाया गया। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला को दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना और कम से कम पांच साल की निगरानी रिहाई का सामना करना पड़ सकता है।'

बयान में आगे कहा गया कि आरोपी को 17 अप्रैल, 2025 को अभियोग के लिए पेश होना है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 26 जनवरी, 2025 को बोजमैन से डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला ने दूसरे यात्री की अनुमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाए। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इस मामले में मुकदमा चला रहा है। बयान में कहा गया है कि एफबीआई, आईसीई और डलास फोर्ट वर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने मामले की गहन जांच की है।

यूरोप में 2025 का मार्च महीना रहा सबसे ज्यादा गर्म

पेरिस, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यूरोप की मौसम और जलवायु परिवर्तन की जानकारी देने वाली एजेंसी कॉपरनिकस ने दावा किया है कि मार्च में वैश्विक तापमान ऐतिहासिक तौर पर ज्यादा रहा। यह यूरोप का अब तक का सबसे गर्म मार्च महीना दर्ज किया गया है। वहीं वैश्विक तौर पर मार्च 2025 दूसरा सबसे गर्म मार्च का महीना रहा। वैश्विक गर्मी में उछाल के चलते 2023 और फिर 2024 को रिकॉर्ड पर सबसे गर्म साल दर्ज किया गया।

यूरोपीय मौसम एजेंसी के अनुसार, मार्च 2025 का महीना औद्योगिक काल से पहले के मार्च की तुलना में 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने बढ़े हुए तापमान पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हम मानव जनित जलवायु परिवर्तन की चपेट में हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अब तापमान में हर एक डिग्री सेल्सियस तापमान की बढ़ोतरी से लू, भारी बारिश और बाढ़ जैसी समस्याओं की निरंतरता और भयावहता बढ़ जाएगी।

चीन बोला-ट्रेड वॉर हुआ तो हम तैयार

> अमेरिकी टैरिफ का असर होगा, पर आसमान नहीं गिरेगा > ट्रम्प ने 50% एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी दी

बीजिंग, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर ट्रेड वॉर की संभावना बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि अगर चीन अमेरिका पर लगाया गया 34% टैरिफ वापस नहीं लेता है तो उस पर बुधवार से 50% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। इसे लेकर चीन ने कहा है कि हमारे ऊपर लगे टैरिफ को और बढ़ाने की धमकी देकर अमेरिका गलती के ऊपर गलती कर रहा है। इस धमकी से अमेरिका का ब्लैकमेलिंग करने वाला रवैया सामने आ रहा है।

चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। अगर अमेरिका अपने हिसाब से चलने की जिद करेगा तो चीन भी आखिर तक लड़ेगा।

चीन बोला-अमेरिकी टैरिफ से हम पर आसमान नहीं गिरेगा

रविवार को चीन ने दुनिया के लिए साफ संदेश भेजा था- 'अगर ट्रेड वॉर हुआ, तो चीन पूरी तरह तैयार है- और इससे और मजबूत होकर निकलेगा।' चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र पीपल्स डेली ने रविवार को एक टिप्पणी में लिखाः 'अमेरिकी टैरिफ का असर जरूर

होगा, लेकिन 'आसमान नहीं गिरेगा।' 2017 में अमेरिका की तरफ से पहले ट्रेड वॉर की शुरुआत के बाद से चाहे अमेरिका ने जितना भी दबाव डाला हो, हमने लगातार विकास किया है और आगे बढ़े हैं। हमने लचीलापन दिखाया है। जितना ज्यादा दबाव आता है, हम उतने ही मजबूत बनते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ता बाजार होने के नाते, चीन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बदलने के बावजूद दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोलता रहेगा।' चीन के वाणिज्य मंत्रालय के उपमंत्री लिंग जी ने रविवार को अमेरिका से फंडिंग पाने वाली 20 कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इनमें टेस्ला और जीई हेल्थकेयर जैसी बड़ी कंपनियां शामिल थीं। लिंग ने चीन को निवेश के लिए एक 'आदर्श, सुरक्षित और संभावनाओं से भरा हुआ' स्थान बताया।

चीन के अलावा बाकी देशों के साथ बातचीत करने को तैयार ट्रम्प

ट्रम्प ने सोमवार को कहा, 'मैंने चेतावनी दी थी कि कोई भी देश जो अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा, उसे तुरंत नए और काफी ज्यादा टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, जो शुरुआत में तय किए गए टैरिफ से ज्यादा होंगे। इसके अलावा हमारी चीन के साथ तय बैठकों को रोक दिया जाएगा और वो अन्य देशों, जिन्होंने बैठकों का अनुरोध किया है, उनसे बातचीत तुरंत शुरू हो जाएगी।'

किसी देश पर जैसे को तैसा टैरिफ नहीं रोकेंगे ट्रम्प

ट्रम्प किसी भी देश पर रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ को नहीं रोकेंगे। व्हाइट हाउस ने उन सभी खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि ट्रम्प चीन को छोड़कर सभी देशों पर 90 दिनों तक रेसिप्रोकल टैरिफ रोकने पर विचार कर रहे हैं। दूसरी तरफ, यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सोमवार को कहा कि यूरोपीय यूनियन (ईयू) अमेरिका के साथ समझौते के लिए तैयार है। ईयू ने अमेरिका को इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स पर टैरिफ हटाने की पेशकश की है। ब्रुसेल्स में बोलते हुए उर्सुला ने कहा कि इन टैरिफ की वजह से सबसे पहले अमेरिकी उपभोक्ताओं और व्यापारियों को भारी लागत उठानी पड़ती है, लेकिन इनका दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ता है।

टीकाराम जूली मामले में अलग-थलग पड़े ज्ञानदेव आहूजा, बिजेपी ने दी बड़ी सजा

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी नेता ज्ञानदेव आहुजा द्वारा अलवर के एक मंदिर को गंगाजल से धोने के विवाद ने सियासी तूल पकड़ लिया है। अब भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता ज्ञानदेव आहूजा को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। पार्टी ने उनके दिए बयान से खुद को अलग भी किया और कहा कि इस तरह के बयान का पार्टी समर्थन नहीं करती। बता दें, ज्ञानदेव आहूजा को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए पार्टी ने लिखा है की सदस्यता लेते वक्त किसी भी रूप में अस्पृश्यता को समर्थन नहीं करने की शपथ ली गई थी, जिसे उन्होंने अपने कृत्य के जरिए उल्लंघन किया है। ऐसे में तुरंत प्रभाव से प्राथमिक सदस्यता से उन्हें निलंबित किया जाता है।

रामनवमी के दिन अलवर की एक सोसायटी स्थित श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन हुआ था। इस कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी शामिल हुए और मंदिर में पूजा-अर्चना की। लेकिन, अगले ही दिन ज्ञानदेव आहूजा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसे लोगों को बुलाया गया जिन्होंने भगवान श्रीराम के अस्तित्व को ही नकारा है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेता राम मंदिर का बहिष्कार करते हैं, इसलिए उनके नेताओं को मंदिर में आने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर में अपवित्र लोग आ गए थे, इसलिए हमने गंगाजल से शुद्धिकरण किया है। हालांकि उन्होंने जूली का नाम नहीं लिया, पर उनके बयान को जातीय द्वेषता से जोड़कर देखा गया। इसके चलते भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा कदम उठाते हुए उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। भाजपा प्रदेश संगठन ने ज्ञानदेव आहूजा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी की मूल विचारधारा और अनुशासन का उल्लंघन किया है। पार्टी ने अपने नोटिस में लिखा कि आपने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करते समय यह प्रतिज्ञा की थी कि आप किसी भी रूप में अस्पृश्यता को नहीं मानेंगे। लेकिन आपने मंदिर में जाकर गंगाजल छिड़क कर इस शपथ का उल्लंघन किया है। पार्टी ने यह भी स्मरण कराया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास (1989) में पहली शिला एक दलित नेता श्री कामेश्वर चौपाल द्वारा रखी गई थी, जिससे भाजपा की समावेशी सोच स्पष्ट होती है।

बीजेपी का नोटिस

इस गंभीर अनुशासनहीनता के कारण ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनसे तीन दिन के भीतर लिखित में जवाब मांगा गया है, अन्यथा उनके खिलाफ आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। भाजपा नेता ज्ञान देव आहूजा की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर की गई टिप्पणी के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी साफ कर दिया है कि आहूजा के बयान से उनका कोई लेना देना नहीं है। भाजपा ऐसे बयान को समर्थन नहीं देती है। उन्होंने कहा कि जुली साहब तो नेता हैं और नेता की कोई जाति नहीं होती है। उन्होंने कहा कि मैंने फोन पर ज्ञानदेव आहूजा से बात की उन्होंने किस प्रसंग में ये बयान क्यों दिया समझ नहीं आया।

परिसीमन के बाद तय करेंगे पंचायत चुनाव कार्यक्रम

हाईकोर्ट में राजस्थान सरकार ने दाखिल किया शपथ पत्र

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की 6759 पंचायतों के चुनाव स्थगित करने के मामले में भजनलाल सरकार ने हाईकोर्ट में अतिरिक्त शपथ पत्र पेश कर कहा कि पंचायतों के पुनर्गठन व परिसीमन की कार्रवाई पूरी होने पर चुनाव कार्यक्रम तय किया जाएगा। अदालती कार्यवाही का समय पूरा होने के कारण मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव और न्यायाधीश आनंद शर्मा की खंडपीठ ने सुनवाई दो सप्ताह टाल दी। राज्य सरकार की ओर से पेश शपथ पत्र में कहा कि पंचायतों व नगरपालिकाओं के पुनर्गठन व परिसीमन के लिए मार्च महीने में अधिसूचना जारी हो गई। यह प्रक्रिया मई-जून तक चलेगी। उसके बाद ही चुनाव कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

पंचायतों के चुनाव कब होंगे?

दरअसल, गिर्राज सिंह व अन्य की पीएलआई में पिछली सुनवाई पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राजस्थान सरकार व चुनाव आयोग से पूछा था कि वे चुनाव कार्यक्रम पेश कर बताए कि पंचायतों के चुनाव कब होंगे? याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने बताया पंचायत राज विभाग ने 16 जनवरी 2025 को नोटिफिकेशन जारी कर पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए पंचायतों के साल 2025 में होने वाले चुनावों को स्थगित कर निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगा दिया है।

नोटिफिकेशन में चुनाव कराने की कोई सीमा तय नहीं

नोटिफिकेशन में चुनाव कराने की कोई सीमा तय नहीं है, जबकि नियमानुसार न तो पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है और न ही उनमें प्रशासक लगाए जा सकते हैं। जबकि राज्य सरकार ने चुनाव स्थगित कर न केवल निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगाया, बल्कि उन्हें वित्तीय अधिकार भी दे दिए।

भूमि के पट्टे के नियमों में बड़ा बदलाव

अब निकाय भी जारी कर सकेंगे ई-पट्टा

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भूमि के पट्टे के नियमों में बड़ा बदलाव। अब शहरी निकाय (नगर निगम, परिषद, पालिका) भी ई-पट्टा जारी कर सकेंगे। एकल हस्ताक्षर से ई पट्टा जारी किया जा सकेगा। निकाय प्रमुख के पट्टे पर हस्ताक्षर जरूरी नहीं होंगे।

उनकी केवल फाइल पर स्वीकृति पर्याप्त होगी। इसके बाद संबंधित अधिकारी अपने हस्ताक्षर से पट्टा जारी कर सकेंगे। स्वायत्त शासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। इससे पहले विकास प्राधिकरण, नगर विकास न्यासों को भी ई-पट्टा जारी करने के आदेश जारी किए गए थे।

राजस्थान के 305 नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिकाओं में भी ई-पट्टे जारी किए जाएंगे। शहरी निकायों को जेडीए जयपुर और नगरीय निकायों की तरह का एकरूपता का पट्टा जारी करने की मंजूरी दी गई।

नई सरकार में ठप पड़ गई थी पट्टे जारी करने की प्रक्रिया

पिछली अशोक गहलोत सरकार के समय प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत कई रियायतें दी थी। पट्टे जारी करने की प्रक्रिया नई सरकार में ठप पड़ गई थी। निकायों में बड़ी संख्या में पट्टा आवेदन लंबित हैं। बार बार इस संबंध में निकायों से पत्र जयपुर भेजने के बाद अब सभी के लिए ई पट्टे करने का रास्ता निकाला गया है।

'विकसित भारत के संकल्प में कार्यकर्ता रखें स्वार्थ से ऊपर राष्ट्रहित' : शेखावत

बाड़मेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर समर्पित भाव से जुटना होगा।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि यह समय भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का काल है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के साथ भारत के भाग्य का जो सूर्य अस्ताचल की ओर चला गया था, वह अब पुनः उदित हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारत के इस उदित होते सूर्य की रश्मियों से आज पूरा विश्व आलोकित हो रहा है और दुनिया एक बदलते हुए भारत को देख रही है।

'इतिहास के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं'

शेखावत ने कहा कि आजादी से पहले और बाद में देश के इतिहास और उसके नायकों के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ की गई, जिसे अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप

लगाया कि कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और आज भी कुछ दूषित मानसिकता वाले लोग वही गलत नैरेटिव दोहराते हैं, लेकिन देश की जनता अब ऐसे षड्यंत्रों को स्वीकार नहीं करेगी।

पर्यटन विकास को लेकर शेखावत ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राजस्थान में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की ओर से भेजे गए खाटू श्याम मंदिर, धनोट मंदिर सहित अन्य पर्यटन स्थलों के विकास संबंधी सभी प्रस्तावों को केंद्र ने प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी है। भविष्य में भी राज्य सरकार के सभी पर्यटन प्रस्तावों को तत्परता से मंजूरी दी जाएगी। वक्फ संशोधन बिल पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बिल को लेकर अब कोई भ्रम नहीं रह गया है। सरकार ने पूरी पारदर्शिता के साथ यह कदम उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोग गरीब मुसलमानों की जमीन का दुरुपयोग कर रहे थे और बिल से केवल उन्हीं को दिक्कत है। लेकिन देश का मुसलमान जानता है कि यह फैसला उनके हित में है और इससे उन्हें सीधा लाभ मिलेगा।

टोंक थप्पड़कांड पर एनसीएसटी की रिपोर्ट

एसडीएम और पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल, 30 दिन में कार्रवाई की सिफारिश

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। टोंक जिले के चर्चित थप्पड़कांड मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने राजस्थान सरकार को 2 अप्रैल (2025) को 23 पेज की रिपोर्ट सौंपी है। आयोग ने इस मामले में एरिया मजिस्ट्रेट अमित चौधरी, मालपुरा उपखंड अधिकारी और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

13 नवंबर 2024 को देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान वोटिंग के समय निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एरिया मजिस्ट्रेट को थप्पड़ मार दिया था। मजिस्ट्रेट का आरोप था कि मीणा जबरन बूथ में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिसे रोकने पर उसने हमला किया।

पुलिस ने नरेश मीणा को हिरासत में लिया, लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस से भिड़कर उसे छुड़ा लिया। घटना के बाद और अगले दिन पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़पें हुईं, जिनमें कई लोग घायल हुए।

एनसीएसटी ने निरूपम चमका की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी, जिसने तीन महीने में जांच पूरी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि थप्पड़ मारना अनुचित था, लेकिन एसडीएम पर जबरन वोटिंग कराने के आरोप भी लगे। इसके साथ ही पुलिस द्वारा बदले की भावना से कार्रवाई की गई, जिसमें ग्रामीणों से मारपीट, झूठे मुकदमे और अत्यधिक बल प्रयोग जैसे गंभीर आरोप हैं।

आयोग ने यह रिपोर्ट मुख्य सचिव सुधांशु पंत, डीजीपी उत्कल रंजन साहू, और जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के सचिव आशुतोष एटी पेडणेकर को भेजी है। रिपोर्ट में 30 दिनों के भीतर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है और सरकार से जवाब भी मांगा गया है। डीजीपी यूआर साहू ने बताया कि रिपोर्ट मिली है और जो निर्देश दिए गए है कानून संवत कार्रवाई की जाएगी। जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के सचिव आशुतोष एटी पेडणेकर ने कहा कि कल ही रिपोर्ट प्राप्त हुई है। रिपोर्ट में जो भी कहा गया है उसे पर कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा जाएगा।

'वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता लाएगा नया कानून' : केंद्रीय मंत्री मेघवाल

बीकानेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बीकानेर दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों और विकास परियोजनाओं को लेकर कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ व्यवस्था में लंबे समय से पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी रही है, जिसका नुकसान खासतौर पर मुस्लिम समाज के कमजोर तबकों महिलाओं, गरीब मुसलमानों और पसमांदा समुदाय को उठाना पड़ा है।

मेघवाल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पारित नए वक्फ कानून के तहत देशभर में वक्फ

संपत्तियों का सर्वे कराया जाएगा और उन पर हुए अवैध कब्जों को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कानून न केवल पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में भी सहायक होगा।

मेघवाल ने भरोसा जताया कि राजस्थान में भी इस कानून के प्रभाव जल्द देखने को मिलेंगे और वक्फ संपत्तियों का समुचित प्रबंधन संभव हो सकेगा।

बीकानेर वासियों को बड़ी सौगात देते हुए कानून मंत्री ने कहा कि शहर से जल्द ही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं और जल्द ही इस सेवा का शुभारंभ होगा। इस ट्रेन के शुरू होने से बीकानेर के यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

मेघवाल ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य है कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और शासन-प्रशासन में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है।

बेकाबू कार ने कहर बरपाया, छोटी चौपड़ व आस पास के बाजार बंद, तीन लोगों की मौत

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी में रात में बेकाबू कार ने कहर बरपाया। नाहरगढ़ इलाके में कार ने 9 लोगों को जबरदस्त टक्कर मारी। जिनमें तीन लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। तीन घायलों को इलाज के बाद एसएमएस अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके अलावा तीन घायलों की हालत गंभीर है।

वहीं अब इस मामले में बवाल मच गया है। भारी संख्या में आक्रोशित लोगों की ओर से नाहरगढ़ पुलिस थाने के बाहर घेराव किया जा रहा है। लोगों की ओर से गणगौरी बाजार व आस पास के बाजारों को बंद करा दिया गया है। छोटी चौपड़ पर गुस्साए लोगों की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। लोगों की ओर से जगह जगह टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर है। भारी पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। आस पास के सभी पुलिस थानों का जाप्ता लगाया गया है। ताकी कानून व्यवस्था प्रभावित बनी रहें। आक्रोशित लोगों की ओर से प्रत्येक मृतक के परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की जा रही है। इसके साथ ही प्रत्येक पीड़ित परिवार में से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग की जा रही है।

दर्दनाक हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। रात में नाहरगढ़ रोड निवासी ममता कंवर (50), लालदास का खाड़ा निवासी अवधेश पारीक (37) की मौत हो गई थी। आज सुबह शास्त्री नगर निवासी वीरेंद्र सिंह (48) की मौत हो गई। आरोपी ड्राइवर उस्मान खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की ओर से आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

ओडिशा से गांजा लाकर घर से ही बेचता था, अब धरा गया

बारां, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर में पिछले कुछ दिनों से एक बार फिर मादक पदार्थों की तस्करी का सिलसिला बढ़ गया है। विभिन्न कॉलोनियों ओर गली मोहल्लों में नशे के कारोबार किया जा रहा है। पुलिस को इनकी जानकारी भी मिल रही है, लेकिन नशे के अवैध कारोबार से जुड़े शातिर पुलिस के चंगुल में नहीं आ रहे है। पुलिस ने दो गांजा तस्करों को पकड़ा है। इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में गांजा भी जब्त किया गया है। इससे इतना तो तय माना जा रहा है शहर में गांजा व अन्य मादक पदार्थ तस्कर सक्रिय है।

पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के निर्देशन व उपाधीक्षक ओमेन्द्र ङ्कूषसह शेखावत के सुपरविजन में कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर चन्द्र प्रकाश के नेतृत्व में कोतवाली की टीम ने शहर के शिवाजी कॉलोनी निवासी युवक रूपल महाजन 35 को चैङ्कूषकग के दौरान शाहाबाद रोड स्थित न्यूमोटर मार्केट क्षेत्र से डिटेन कर उसके कब्जे से 1 किलो 460 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया। सूत्रों ने बताया आरोपी रूपल शिवाजी कॉलोनी में उसके घर से भी गांजे की पुड़िया बेचता था। इस प्रकरण की जांच किशनगंज थाना पुलिस को सौंपी गई है।

वरिष्ठ भाजपा नेता किशनाराम का निधन

शेखावत सरकार में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका

बीकानेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और तीन बार विधायक रह चुके किशनाराम नाई का सोमवार देर रात निधन हो गया। वे 94 वर्ष के थे और लंबे समय से किडनी तथा सीने में संक्रमण की बीमारी से जूझ रहे थे। श्री डूंगरगढ़ स्थित अपने निवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से राजस्थान की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है।

उनकी अंतिम यात्रा मंगलवार दोपहर 2 बजे श्रीडूंगरगढ़ के कालू रोड स्थित मोक्षधाम पहुंचेगी, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनके पड़पोते करण आशीष जाड़ेवाल ने यह जानकारी दी।

उन्होंने वर्ष 1956 में राजनीति में कदम रखा था और भाजपा के टिकट पर तीन बार विधायक चुने गए और श्रीडूंगरगढ़ नगर पालिका के चेयरमैन, भाजपा बीकानेर देहात और चूरू जिलाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे। उल्लेखनीय है कि पहले श्रीडूंगरगढ़ चूरू जिले का हिस्सा था, तब वे चूरू भाजपा देहात अध्यक्ष बने। बाद में जब यह क्षेत्र बीकानेर जिले में सम्मिलित हुआ तो उन्होंने बीकानेर देहात अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ष 1990 में वे पहली बार चर्चा में तब आए जब उन्होंने दिग्गज नेता कुंभाराम आर्य को पराजित कर विधानसभा में प्रवेश किया। इसके बाद 1993 में जब भैरोंसिंह शेखावत सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे थे, तब किशनाराम नाई ने 'संकटमोचक' की भूमिका निभाते हुए सरकार को संभालने में अहम योगदान दिया और इसी के चलते वे शेखावत के विश्वासपात्रों में गिने जाने लगे।

किशनाराम नाई के निधन पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई, भाजपा नेता अशोक भाटी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। नेताओं ने उन्हें एक जुझारू, अनुभवी और जमीन से जुड़े नेता के रूप में याद किया, जिन्होंने सदैव पिछड़े वर्ग और ग्रामीण जनमानस की आवाज को बुलंद किया। उनके निधन को क्षेत्रीय राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने उनके निवास पर पहुंच रहे हैं।

फैक्ट्री मालिक से चाकू की नोंक पर लूटे 3.83 लाख

अलवर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर के विजय मंदिर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री के मालिक के साथ लूट और मारपीट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। खैरथल निवासी कमल लालवानी से चार बदमाशों ने चाकू की नोंक पर 3.83 लाख रुपए नकद, सोने की अंगूठी और मोबाइल फोन लूट लिया। जानकारी के अनुसार कमल लालवानी की फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री एमआईए क्षेत्र में स्थित है। रविवार सुबह करीब 8 बजे वे खैरथल से अलवर के लिए निकले थे। लगभग 9 बजे विजय मंदिर थाना क्षेत्र के नाली मोड़ पर जब वे लघुशंका के लिए उतरे तभी दो मोटर साइकिलों पर सवार चार युवकों ने उनके साथ मारपीट की और गाड़ी का शीशा तोड़ने की कोशिश की। सामने का शीशा न टूटने पर उन्होंने साइड का शीशा तोड़ा और डैशबोर्ड में रखे 3.83 लाख रुपये निकाल लिए।

किशनगढ़ में क्लोरीन गैस रिसाव, तुरंत एक्शन से हादसा टला, एक किलोमीटर क्षेत्र में रोकी गई आवाजाही

अजमेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। किशनगढ़ थाना क्षेत्र के मसानिया पंप स्टेशन पर देर शाम एक बड़ी घटना घटित हुई, जब क्लोरीन गैस के सिलेंडर से अचानक रिसाव शुरू हो गया। यह गैस रिसाव तब हुआ जब गैस को पानी में मिलाने के दौरान वॉल्व में लीकेज बढ़ गया, जिससे गैस तेजी से फैलने लगी। इस गैस के प्रभाव से आसपास के क्षेत्र के लोगों में सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो गईं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और घटना को संभालने के लिए पूरी तरह से मोर्चा संभाल लिया। घटनास्थल पर पहुंचे अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़ ने मौके का जायजा लिया और स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। क्लोरीन गैस के प्रभाव से प्रभावित लोगों को तत्काल राजकीय वायएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

डीजीपी ने अर्धवार्षिक अपराध समीक्षा के समापन दिवस कार्यक्रम का संचालन किया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में दो दिवसीय अर्धवार्षिक अपराध समीक्षा के समापन दिवस कार्यक्रम का संचालन किया। इस सत्र में डीजी, सीआईडी श्रीमती शिखा गोयल आईपीएस के साथ-साथ एडीजी, आईजी, सीपी, एसपी ने भाग लिया, जिन्होंने कानून प्रवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रस्तुति दी और चर्चा की। इस अवसर पर, डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने तेलंगाना राज्य में नशीली दवाओं के दुरूपयोग को रोकने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं, और सभी सीपी और एसपी से अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में कड़ी सतर्कता बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने यूनिट अधिकारियों को स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से संदिग्ध क्षेत्रों में, और स्वयंसेवी संगठनों, एनसीसी और एनएसएस छात्रों के साथ मिलकर नशा विरोधी अभियानों को मजबूत करने का निर्देश दिया। डीजीपी ने विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों में निरंतर जागरूकता गतिविधियों की आवश्यकता पर बल दिया। पुलिसिंग में प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. जितेन्द्र आईपीएस ने सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश को देखते हुए सीसीटीएनएस परियोजना के प्रभावी उपयोग को रेखांकित किया। उन्होंने अधिकारियों को अधिक दक्षता के लिए ई-समन प्रणाली अपनाने के निर्देश भी दिए। सीआईडी की महानिदेशक श्रीमती शिखा गोयल आईपीएस ने राज्य भर में अपराध प्रवृत्तियों का व्यापक विश्लेषण प्रदान किया और इकाई अधिकारियों से इस वर्ष के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने का आग्रह किया। महानिदेशक ने जोर देकर कहा कि सजा दर में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी स्तरों पर प्रतिबद्धता और जवाबदेही के महत्व को दोहराया। अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) श्री महेश एम. भागवत आईपीएस ने राज्य भर में कानून और व्यवस्था के मुद्दों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने नकली बीजों के प्रचलन को नियंत्रित करने की रणनीतियों को भी संबोधित किया। विभिन्न आईपीएस अधिकारियों ने विभागीय उन्नति और परिचालन चुनौतियों पर प्रस्तुतियां साझा कीं। एडीजीपी (तकनीकी सेवाएं) वी.वी. श्रीनिवास राव आईपीएस ने पुलिस संचालन में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर चर्चा की और प्रशिक्षण के प्रभारी के रूप में, आरबीवीआरआर तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की घोषणा की। डीआईजी, महिला सुरक्षा विंग, श्रीमती रेमा राजेश्वरी आईपीएस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) और नए कानूनों में हाल के बदलावों पर महत्वपूर्ण अपडेट प्रस्तुत किए। एफआरआरओ श्री वेंकट अप्पाला नायडू आईपीएस ने ओवरस्टे उल्लंघन को रोकने के लिए विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों के गहन सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया। अभियोजन निदेशक एस. संबाशिव रेड्डी ने कहा कि ऑडियो-विजुअल संचार उपकरणों को कानूनी कार्यवाही में स्वीकार्य साक्ष्य के रूप में प्रभावी रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है। टीएस एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक, संदीप शांडिल्य ने सभी अधिकारियों से सामुदायिक जुड़ाव और शैक्षिक पहल के माध्यम से नशीली दवाओं के उपयोग के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया। डीसीपी श्रीमती स्वेता रेड्डी ने एचआरएमएस प्रणाली के बारे में जानकारी दी और विभागीय संचालन को सुव्यवस्थित करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक) अनिल कुमार आईपीएस ने ओई को बंद करने के बारे में बताया, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक होमगार्ड श्रीमती स्वाति लाकड़ा ने होमगार्ड के कल्याण के बारे में बताया, पुलिस महानिदेशक (पी एंड एल) एम रमेश ने यंग इंडिया पुलिस स्कूल के महत्व को बताया, पुलिस महानिदेशक श्री वी.वी. सत्यनारायण, एस. चन्द्र शेखर रेड्डी ने पुलिस कर्मियों के कल्याण के बारे में बताया।

आंध्र प्रदेश सरकार 'जीरो पॉवर्टी पी4' कार्यक्रम का विस्तार करेगी

अमरावती, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार 'जीरो पॉवर्टी - पी4' कार्यक्रम की पहुंच का विस्तार करने के लिए एक मजबूत ढांचा स्थापित करने के प्रयासों में तेजी ला रही है, जिसका उद्देश्य गरीबी उन्मूलन। इसके हिस्से के रूप में, एक राज्य स्तरीय सोसायटी की स्थापना की जा रही है, जिसमें मुख्यमंत्री इसके अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री उपाध्यक्ष होंगे। उनका समर्थन एक सीईओ और निदेशक के साथ-साथ एक कॉल सेंटर, टेक टीम, कार्यक्रम टीम और परिचालन निष्पादन के लिए विंग टीमें करेंगी। जिला स्तर पर, मंत्री जिला अध्याय के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे, निर्वाचन क्षेत्र अध्याय के लिए, विधायक अध्यक्ष होंगे और गांव/वार्ड स्तर पर, पंचायत सचिव और वार्ड प्रशासनिक सचिव संबंधित सचिवालय अध्यायों के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने मंगलवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय सोसायटी की स्थापना और पी4 कार्यक्रम की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रत्येक जिला कलेक्टर, मंत्री और विधायक को मार्गदर्शकों (संरक्षक/परोपकारी) की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वे बंगारू कुटुम्बालु (स्वर्ण परिवार) को अपनाएं। उन्होंने पारदर्शिता पर जोर देते हुए सुझाव दिया कि दानकर्ताओं, दान की गई राशि और बंगारू परिवारों की शेष जरूरतों जैसी सभी जानकारी पी4 वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे पहल में अधिक विश्वास पैदा होगा। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 15 अगस्त तक पांच लाख बंगारू परिवारों को गोद लेने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप मार्गदर्शकों और बंगारू परिवारों का पंजीकरण चल रहा है। मिलाप, डोनेटकार्ट और रंग दे जैसे संगठन पी4 भागीदार के रूप में शामिल हो रहे हैं। पी4 प्लेटफॉर्म को दानकर्ताओं को न केवल परिवारों बल्कि मंडलों और गांवों को भी गोद लेने और तदनुसार धन योगदान करने की अनुमति देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि दानकर्ता चुन सकते हैं कि वे किसका समर्थन करना चाहते हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीधे योगदान कर सकते हैं। प्रक्रिया तब शुरू होती है जब कोई दानकर्ता पी4 पोर्टल के माध्यम से लॉग इन करता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अगस्त तक पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने और कार्यक्रम को चालू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अगले उगादि तक वार्षिक प्रगति रिपोर्ट जारी करने का भी निर्देश दिया, जिसमें पी4 पहल के पहले वर्ष के दौरान किए गए प्रभाव का विवरण दिया जाएगा।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना
सं.डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/08/2025 दि.4-4-2025
PUB/0354

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित हरेक के प्रति विवरित तिथि व समय 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-ई-15-पूर्व -बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः कार्य का नामः विजयवाडा डिवीजनः** सीनि. डीइएन/इस्ट/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/लाइन्स/बीजेडए सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी-वे/जीडीवी सेक्शन में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य व अन्य ट्रैक संबंधित छिटपुट कार्य। **पूरा करने की अवधिः** 12(बारह महिने), निविदा मूल्यः रु.91,87,977.00, पूधरा(पूर्व धरोहर राशि) रु.1,83,800.00, **बंद करने की तिथिः** 17-04-2025

क्रम सं.2, निविदा सं.-ई-16-पूर्व -बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः** कार्य का नामः विजयवाडा डिवीजनः सीनि. डीइएन/इस्ट/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी-वे/बीवीआरएम, एसएसइ/पी-वे/केकेएलआर, एसएसइ/पी-वे/टीएनकेयु, एसएसइ/पी-वे/एमटीएम, सेक्शन्स में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य व अन्य ट्रैक संबंधित छिटपुट कार्य। **पूरा करने की अवधिः** 12(बारह महिने), निविदा **मूल्यः** रु.4,01,61,097.00, पूधरा(पूर्व धरोहर राशि) रु.3,50,800.00, **बंद करने की तिथिः** 17-04-2025

क्रम सं.3, निविदा सं.-ई-17-पूर्व -बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः कार्य का नामः** सीनि. डीइएन/इस्ट/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत जीडीवी-एमटीएम सेक्शन में एलसी नंबर्स 1,3,5,7,8,11,12,16,17,20,23,24,26,31,33,34,35,37,39,40,42,43,44(23 नंबर्स) पर बी.टी. रोड सरफेसेज या सडक की सतहों की मरम्मत करना एवम् आरएमवी-जीडीवी सेक्शन में एलसी नंबर्स-22,24,27,28,29,31,32,49,50,51,52,74(12 नंबर्स) तथा युएनडीआई-केकेएलआर सेक्शन में एलसी नं.-103,95,93,91,90,89,88,83(8नंबर्स) एवं युएनडीआई-बीवीआरएम-एनएस सेक्शन में एलसी नं. 2,3,4,6,8,10,11,13,14,14ए,15,18,20,21,23,109,111,113,118,120(20 नंबर्स) तथा बीवीआरएम-केएलडीआई सेक्शन्स में एलसी नं.-124,126,128,134,138,143,146,150,155,156,159,160,140,148,157(15 नंबर्स) पर बी.टी. रोड सरफेसेज या सडक सतहों की मरम्मत करना। **पूरा करने की अवधिः** 12(बारह महिने), निविदा मूल्यः रु.2,10,13,852.00, पूधरा(पूर्व धरोहर राशि) रु.2,55,100.00, **बंद करने की तिथिः** 19-04-2025

क्रम सं.4, निविदा सं.-ई-09-पूर्व -मध्य-बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः** कार्य का नामः एसडब्ल्यू-I) विजयवाडा डिवीजनः दो (02) वर्ष की अवधि के लिए, डीइएन/सेंट्रल बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/इइ सब-डिवीजन के एडीइएन/बीपीपी एण्ड बीजेडए-पीयुए में केवीडीयु-केसीसी स्टेशनों के बीच एप्रोचेस में चिथडों को उठाना या आइकिंग आफ रैम्स कार्य। **पूरा करने की अवधिः** 24(चौबीस महिने), **निविदा मूल्यः**रु.42,52,060.00, पूधराःरु.85,100.00, **बंद करने की तिथिः** 22-04-2025

क्रम सं.5, निविदा सं.-इ-06-ब्रिजेस-बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः कार्य का नामः** बीजेडए डिवीजन-एडीइएन/बीआर /एस/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/बीआर/I/बीजेडए एण्ड एसएसइ/ बीआर/I/बीजेडए सेक्शन्स के तहत बीजेडए-ओजीएल, बीजेडए-बीवीआरएम एण्ड जीडीवी-एमटीएम सेक्शन्स के बीच विभिन्न सेक्शन के पुलों या ब्रिजेस तथा आरओबीज के पायर्स के चहुंओर इंसपेक्शन प्लाटफार्म्स के प्रावधान द्वारा पुलों का मजबूतीकरण करना। **पूरा करने की अवधिः** 12(बारह महिने), **निविदा मूल्यः** रु.3,99,37,940.00, पूधराःरु.3,49,700.00, **बंद करने की तिथिः** 23-04-2025

क्रम सं.6, निविदा सं.-ई-10-पूर्व -मध्य-बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः कार्य का नामः** एसडब्ल्यू-I) विजयवाडा डिवीजनः दो (02) वर्ष की अवधि के लिए, डीइएन/सेंट्रल बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/इइ सब-डिवीजन के एडीइएन/बीपीपी एण्ड बीजेडए-पीयुए में केवीडीयु-केसीसी स्टेशनों के बीच एप्रोचेस में चिथडों को उठाना या आइकिंग आफ रैम्स कार्य। **पूरा करने की अवधिः** 06(छह महिने), **निविदा मूल्यः**रु..50,78,518.00, पूधराःरु.1,01,600.00, **बंद करने की तिथिः** 25-04-2025

भावी निविदाकरों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर जाएं।

-विभागीय रेल प्रबंधक(कार्य), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.जीएनटी/जीएस/ डब्ल्यू.496/ टेंडर्स/जीएस/जीएनटी/दि.4/4/2025
PUB/0355

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु **दि.28-04-2025 के 15.30 बजे** तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1, टेंडर आयडीः80, सेक्शन डीवाय.सीइ/जीएस/जीएनटी, **कार्य विवरणः** गुंटूर डिवीजनः वेमुरू (वीएमयु) गूड्स शेड पर सुविधाओं या फैसिलिटीज का विकास कार्य। अनुमानित लागतः रु.9,23,12,347.10, पूधराःरु.6,11,600.00

ई-बिड्स या ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 28-04-2025 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर लागआन कीजिए।

किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को, ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुंटूर
A0446

अतिरिक्त निविदा शर्तों विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

पेयजल समस्या से बचने के लिए उठाए जाएं कदम : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि गर्मी के मद्देनजर जिले में पेयजल समस्या से बचने के लिए अग्रिम योजना बनाकर कदम उठाए जाएं। मंगलवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्टर भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले के 15 मंडलों के मंडल परिषद विकास अधिकारियों, मंडल पंचायत अधिकारियों, पंचायत सचिवों, मिशन भागीरथ इंजीनियरों और ग्रामीण रोजगार गारंटी कर्मचारियों के साथ पेयजल, इंदिराम्मा घरों और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यों के निर्माण पर समीक्षा की गई। अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले के जिन दूरदराज के गांवों में पेयजल की समस्या नहीं है, वहां वैकल्पिक माध्यमों से पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी मिशन भागीरथ योजना के माध्यम से प्रत्येक गांव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाएं तथा पाइपलाइनों, मोटरों, गेट वॉल आदि की मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल करें। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में मिशन भागीरथ योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है, वहां विकल्प के रूप में ग्राम पंचायत के ट्रैक्टरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाए। जॉब कार्डधारक प्रत्येक परिवार को 100 दिन का गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा कार्य स्थल पर मजदूरों के लिए छाया, पेयजल और ऑक्सीजन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ओआरएस पैकेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि रोजगार गारंटी योजना के तहत गांवों में जादुई सोख्ता और सामाजिक कुओं के निर्माण के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इंदिराम्मा इंडलू योजना के पायलट गांवों के पहले चरण में चयनित लाभार्थियों, जिन्होंने इंदिराम्मा इंडलू के बेसमेंट निर्माण का काम पूरा कर लिया है, को संबंधित बिल का भुगतान किया जाना चाहिए और जिन लोगों ने अभी तक काम शुरू नहीं किया है।

किशन रेड्डी ने दोहरे बम विस्फोट मामले में उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज दिलसुखनगर दोहरे बम विस्फोट मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया।

हम दिलसुखनगर दोहरे बम विस्फोटों पर तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय के इस फैसले ने कि नरसंहार करने वाले आतंकवादियों के लिए मौत की सजा उचित है, एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में हिंसा और आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हमारा मानना है कि पीड़ितों के परिवारों के साथ न्याय हुआ है, जो 12 साल से उन्हें एक बुरे सपने की तरह सता रहा था। हम पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े रहेंगे, उन्होंने कहा, साथ ही कहा कि भाजपा पार्टी की ओर से, वे एनआईए अदालत द्वारा दी गई मौत की सजा को उच्च न्यायालय द्वारा बरकरार रखने पर अपनी खुशी व्यक्त कर रहे हैं।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी से तेलंगाना को मिलेगा गौरव

> चारमीनार में हेरिटेज वॉक, चौमोहल्ला पैलेस में स्वागत रात्रिभोज

> *अधिकारियों ने स्वागत व्यवस्था की समीक्षा की*

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पर्यटन सचिव स्मिता सबरवाल ने अधिकारियों को तेलंगाना पर्यटन ब्रांड को बढ़ाने और तेलंगाना आतिथ्य को गौरव दिलाने के लिए मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को स्वागत व्यवस्था की समीक्षा की गई। 72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता तेलंगाना पर्यटन के तत्वावधान में 7 से 31 मई तक आयोजित की जा रही है। इन प्रतियोगिताओं में 120 देशों के मॉडल भाग लेंगे। वे 6 और 7 मई को हैदराबाद पहुंचेंगे। उनके आगमन पर चारमीनार में हेरिटेज वॉक और चौमोहल्ला पैलेस में स्वागत रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा। इन व्यवस्थाओं के लिए पर्यटन, जीएचएमसी, हेरिटेज और पुलिस अधिकारियों के साथ महल का दौरा किया गया। स्मिता सबरवाल ने अधिकारियों को स्वागत रात्रिभोज में तेलंगाना पर्यटन की ब्रांड छवि के अनुरूप व्यवस्था करने की सलाह दी।

इसमें लगभग 400 प्रतिनिधि, फोटोग्राफर और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधि तथा 120 मॉडल भाग लेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे कार्यक्रम के आरंभ से लेकर अंत तक पर्यटक आकर्षणों पर प्रकाश डालने वाले कार्यक्रम तैयार करने की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया जाना चाहिए कि इसमें महल में फोटोशूट के लिए बैठने की व्यवस्था, लाइव संगीत प्रतियोगिता, सूफी संगीत, कव्वाली संगीत प्रदर्शन और तेलंगाना संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए 20 मिनट के सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हों।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद स्वागत रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा। निजाम के व्यंजन और तेलंगाना का स्वाद मेनू में शामिल होगा। इस समीक्षा में पर्यटन निदेशक हनुमंतु और निदेशक युवा सेवाएं डॉ. वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, शिल्पारामम विशेष अधिकारी किशन राव, सेटविन एमडी वेणुगोपाल, पर्यटन, पुलिस और जीएचएमसी के अधिकारियों ने भाग लिया।

मुस्लिम जेएसी वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ 26 को 'तेलंगाना मार्च'

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तहरीक मुस्लिम शब्बन के बैनर तले तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की मुस्लिम संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने केंद्र द्वारा हाल ही में स्वीकृत वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ हैदराबाद में बड़े पैमाने पर विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 को वापस लेने के लिए 'तेलंगाना मार्च' 26 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से धरना चौक पर शुरू होगा। हैदराबाद के आजमपुरा में तहरीक मुस्लिम शब्बन के मुख्यालय में सोमवार शाम को जेएसी की कोर कमेटी की बैठक के दौरान तेलंगाना मार्च के लिए स्थान को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में एमबीटी प्रवक्ता मोहम्मद अमजेदुल्ला खान खालिद, टीपीसीसी प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन, अल्पसंख्यक वित्त निगम के पूर्व अध्यक्ष अकबर हुसैन, वहदत-ए-इस्लामी के डॉ. तौफीक, टीपीसीसी सचिव उस्मान मोहम्मद खान, मुस्लिम चैंबर्स के नजीमुद्दीन फारूकी और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हुए। यह घोषणा जेएसी के संयोजक और तहरीक मुस्लिम शब्बान के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक मलिक ने की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सभी जिलों के लोग मार्च में भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य केंद्र सरकार पर विवादास्पद कानून को वापस लेने के लिए दबाव बनाना है। मुश्ताक मलिक ने कहा कि यह मार्च 2019 में हुए सीएए और एनआरसी विरोधी प्रदर्शनों से भी बड़ा होगा, जो देश के सबसे बड़े शांतिपूर्ण आंदोलनों में से एक थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस, बीआरएस, सीपीआई, सीपीएम सहित भाजपा को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों के साथ-साथ धार्मिक संस्थानों, शैक्षणिक निकायों और सामाजिक संगठनों के नेताओं के मार्च में शामिल होने की उम्मीद है। तेलंगाना मार्च का मुख्य उद्देश्य मस्जिदों, दरगाहों, खानकाहों, आशूरखानों, कब्रिस्तानों, वक्फ संपत्तियों, धार्मिक स्कूलों (मदरसों) और ईदगाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, जिनके बारे में प्रदर्शनकारियों का मानना है कि संशोधन के कारण वे खतरे में हैं। मुस्लिम समुदाय के चुप रहने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देते हुए मलिक ने कहा, अगर हम इस अधिनियम के खिलाफ नहीं उठे, तो सभी वक्फ संपत्तियां खो जाएंगी। हिंदुत्ववादी ताकतें मुसलमानों को उनकी सही संपत्तियों से वंचित करना चाहती हैं। इस प्रयास का विरोध करने के लिए हर मुसलमान को अपने घरों से बाहर निकलना चाहिए। 26 अप्रैल के मार्च की अगुवाई में, तेलंगाना भर में मस्जिदों के बाहर हर शुक्रवार को साप्ताहिक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रतिभागी विरोध के प्रतीक के रूप में काले रिबन पहनेंगे और काले झंडे लहराएंगे। मलिक ने जोर देकर कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा।

गुरुकुल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए व्यापक कोडिंग पाठ्यक्रम प्रदान करेंगे

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसे युग में जहां तकनीकी दक्षता अकादमिक ज्ञान जितनी ही महत्वपूर्ण है, टीजीएसडब्लूआरईआईएस (तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी) अपने स्कूलों में कोडिंग पाठ्यक्रम शुरू करके शिक्षा में क्रांति लाने के लिए तैयार है। मंगलवार को इस पहल की घोषणा करते हुए, टीजीएसडब्लूआरईआईएस के सचिव डॉ.वी.एस. अलगु वर्षिणी ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से तेलंगाना के सभी 238 गुरुकुल स्कूलों में कक्षा 6 से लेकर इंटरमीडिएट तक के छात्रों को कोडिंग प्रशिक्षण दिया जाएगा।पिछले साल, कोडिंग प्रशिक्षण केवल मोइनाबाद गुरुकुल स्कूल में दिया गया था। हालांकि, पायलट कार्यक्रम की सफलता के बाद, इस पहल को पूरे राज्य में विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। अलगू वार्शिनी ने आगे बताया कि प्रशिक्षण यूनाइटेड किंगडम के रास्पबेरी पाई फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इनके साथ साथ पांच साल की साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। फाउंडेशन पाठ्यक्रम विकास, कार्य योजना निगरानी और शिक्षाशास्त्र जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करेगा। तेलंगाना सरकार ने पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और ऑनलाइन टूल्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो सभी 6वीं कक्षा से इंटरमीडिएट तक के छात्रों को पढ़ाए जाएंगे। अलगू वार्शिनी ने आगे बताया कि प्रायोगिक कोडिंग प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए प्रत्येक गुरुकुल स्कूल से पांच छात्रों का चयन करने वाले पायलट प्रोजेक्ट ने प्रभावशाली परिणाम दिए। उन्होंने कहा, इस सफलता के आधार पर, रास्पबेरी पाई फाउंडेशन (आरपीएफ) के साथ सहयोग आगामी शैक्षणिक वर्ष में सभी गुरुकुल स्कूलों में इस पहल का विस्तार करने के लिए तैयार है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक छात्र को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा का लाभ मिले। इसका लक्ष्य न केवल कोडिंग सिखाना है, बल्कि छात्रों को डिजिटल दुनिया की व्यापक समझ प्रदान करना भी है।

पंजाब नैशनल बैंक में नए अंचल प्रबन्धक ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद अंचल के नव नियुक्त अंचल प्रबन्धक के रूप में सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) द्वारा पदभार ग्रहण किया गया है। इस अवसर पर श्री चुघ ने स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी पंजाब नैशनल बैंक की गौरवमयी विरासत के वाहक हैं। हम सभी का यह दायित्व बनता है कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में बैंक की योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करें। बैंक की योजनाओं का जनता के बीच बेहतर प्रसार से हम सभी और मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार और बैंक की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थियों तक लाभ पहुंचे इसके लिए हम सभी प्रतिबद्ध है। बैंकिंग सेवा में सुधार की निरंतर आवश्यकता रहती है हमारा कार्यालय हर स्तर पर ग्राहकों से संपर्क करके बेहतर सेवाएँ प्रदान प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। श्री चुघ ने जोर देकर कहा कि हम तीनों प्रदेशों में अपने 6 मण्डल और 423 शाखाओं के द्वारा ग्राहकों से निरंतर संपर्क, संवाद एवं उत्कृष्ट सेवा के माध्यम से बैंक के कारोबार को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बैंक की योजनाओं का जनता के बीच बेहतर प्रसार से हम और अधिक मजबूत होंगे। उल्लेखनीय है कि सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक के पास जहाँ तीन दशक से अधिक का समृद्ध बैंकिंग अनुभव हैं वहीं वे अनुभवी सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउंटेट) भी हैं। अपनी बैंकिंग सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न केंद्रों पर स्थित लार्ज कॉरपोरेट शाखाओं के साथ ही कॉरपोरेट कार्यालय एवं नियंत्रक कार्यालयों में विभिन्न दायित्वों को बखूबी संभाला है।

इस अवसर पर उपस्थित उच्चाधिकारियों ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हैदराबाद अंचल सुनील कुमार चुघ के सुदीर्घ बैंकिंग अनुभव से निश्चित रूप से लाभान्वित होगा एवं हमारा अंचल वित्तीय वर्ष 2025-26 में बैंक की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में सफल होगा। शैलेंद्र कुमार, महाप्रबंधक ने ग्राहक सेवा पर ज़ोर देते हुए कहा कि अंचल कार्यालय हर स्तर पर ग्राहकों से संपर्क करके बेहतर सेवाएँ प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

बागवानी फसलों के लिए खेती का क्षेत्र बढ़ाएं : कोदंडा रेड्डी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कृषि और किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंडा रेड्डी ने तेलंगाना में बागवानी फसलों के लिए खेती के क्षेत्र का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने अधिकारियों को रंगारेड्डी जिले के याचरम मंडल में स्थित तीन गांवों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत बागवानी को बढ़ावा देने के उपायों को लागू करने की सिफारिश की। इस पहल पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को किसान आयोग कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई। आयोग के अध्यक्ष कोडंडा रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयोग के सदस्य गोपाल रेड्डी, भवानी रेड्डी, गडुगु गंगाधर, सदस्य सचिव गोविंदु, कृषि, बागवानी, विपणन, नाबार्ड के अधिकारी, आयोग की डीएओ संध्या रानी, कृषि अधिकारी हरि वेंकट प्रसाद और एनजीओ के प्रतिनिधि शामिल हुए।

महावीर जयंती के दिन कत्लखाने एवं मांस की दुकानें बंद रहेगी : जसराज श्रीश्रीमाल

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्राणी मित्र संघ के अध्यक्ष सीए जसराज श्रीश्रीमाल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि महावीर जयंती 10 अप्रैल को मनाई जा रही है। इस अवसर पर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने एक आदेश जारी कर शहर के सभी कत्लखानों एवं मांस विक्रय की दुकानों को इस दिन बंद करने का आदेश दिया है। नगर निगम आयुक्त ने अपने आदेश में पुलिस आयुक्त हैदराबाद, साइबराबाद, एवं राचाकोंडा से अपील की है कि इस आदेश का पालन करने में अपना पूरा सहयोग दें। श्रीश्रीमाल ने कहा कि तीर्थंकर महावीर का जन्म कल्याणक इस वर्ष 10 अप्रैल को पूरे विश्व में मनाया जा रहा है इस पवित्र दिन में मूक एवं असहाय प्राणियों का कत्ल होना न सिर्फ अमानवीय कृत्य है बल्कि हमारी भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों अहिंसा परमो धर्म एवं जियो और जीने दो का घोर उल्लंघन है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए(जी) के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह सभी प्राणियों के प्रति करुणा, दया एवं सद्भावना का लक्ष्य एवं भाव रखें। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अपने फैसलों में संविधान के इस अनुच्छेद का पालन करने हेतु सरकारों एवं नागरिकों से आग्रह एवं निर्देश दिए हैं। भगवान महावीर अहिंसा के अवतार है। उनके जन्म के 2624 वर्ष पश्चात न सिर्फ इनके अनुयाई बल्कि करोड़ों लोग इस सिद्धांत को जीवन में आचरण करते हैं और पशु रक्षा एवं जीव दया के लिए सक्रियता से कार्य करते हैं। जसराज ने कहा कि अगर कोई दुकान मांस बेचते हुए देखा जाए तो उनकी सूचना तुरंत नगर निगम अधिकारी को देनी चाहिए। कोई कत्लखाना कार्य कर रहा है तो भी सूचना देनी चाहिए। उन्होंने अपील की है कि मूक प्राणियों की रक्षा हेतु अवश्य अपना समय निकालकर शहर के किसी भी भाग में दुकान खुली रहे तो सूचना दें।

आरसीबी कप्तान पर 12 लाख का जुर्माना

आईपीएल में रजत पाटीदार चौथे कैप्टन जिन पर स्लोओवर रेट पर फाइन लगा

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के लिए 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

IPL की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का पहला स्लोओवर रेट है। इसलिए, नियम के अनुच्छेद 2.2 के अंतर्गत कप्तान रजत पाटीदार पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

रजत चौथे कप्तान हैं, जिन पर स्लो ओवर के लिए जुर्माना

रजत चौथे कप्तान हैं जिन पर इस सीजन में स्लोओवर के लिए जुर्माना लगाया गया है। रजत पाटीदार से पहले मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग और लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर इस सीजन में स्लो ओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

बेंगलुरु ने मुंबई को 12 रनों से हराया

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कल मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 221 रन बनाए, जिसके जवाब में मुंबई इंडियंस केवल 209 रन ही बना सकी। इस मैच में रजत ने केवल 32 गेंदों पर 5 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए।

वहीं, विराट कोहली ने 42 गेंदों पर 67 रन, देवदत्त पड्डीकल ने 22 गेंदों पर 37 रन और जितेश शर्मा ने नाबाद 19 गेंदों पर 40 रन बनाए।

पॉइंट्स टेबल में आरसीबी चौथे स्थान पर

पॉइंट्स टेबल में आरसीबी 4 मैचों में 3 जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। जबकि मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। आरसीबी का अगला मुकाबला 10 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। दिल्ली अभी तक इस सीजन में एक भी मैच नहीं हारी है।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 4 रनों से हराया

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कप्तान अजिंक्य रहाणे के अर्धशतक और रिंकू सिंह की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए थे। जवाब में केकेआर की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी। शार्दुल ठाकुर ने आंद्रे रसेल को आउट कर केकेआर को सातवां झटका दिया। रसेल चार गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हुए।

वेंकटेश अय्यर को आकाश दीप ने आउट कर केकेआर को छठा झटका दिया। वेंकटेश अर्धशतक लगाने के करीब थे,

लेकिन वह चूक गए। वेंकटेश 29 गेंदों पर छह चौका और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। आवेश खान ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे अंगक्रृष रघुवंशी को आउट कर केकेआर को पांचवां झटका दिया है।

रघुवंशी चार गेंदों पर पांच रन बनाकर आउट हुए। रवि बिश्नोई ने रमनदीप सिंह को आउट कर केकेआर को चौथा झटका दिया। रमनदीप दो गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हुए। केकेआर ने 14 ओवर की समाप्ति तक चार विकेट पर 166 रन बनाए हैं। उसे जीत के लिए 36 गेंदों पर 73 रन बनाने की जरूरत है।

केकेआर को कप्तान अजिंक्य रहाणे के रूप में तीसरा झटका लगा है। रहाणे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और अर्धशतक लगा चुके थे। रहाणे ने वेंकटेश अय्यर के साथ 71 रनों की साझेदारी की। रहाणे 35 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। 13 ओवर की समाप्ति के बाद केकेआर का स्कोर तीन विकेट पर 162 रन है। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लखनऊ के खिलाफ आईपीएल के मुकाबले में 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया है। रहाणे और वेंकटेश के दम पर केकेआर ने लखनऊ के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 ओवर की समाप्ति के बाद दो विकेट पर 136 रन बना लिए हैं। केकेआर को अब जीत के लिए 54 गेंदों पर 103 रन बनाने हैं।

ट्राई सीरीज के लिए टीम इंडिया का हुआ ऐलान

3 नए खिलाड़ी को मौका, 2 स्टार खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली,, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। 27 अप्रैल से भारतीय महिला क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ ट्राई सीरीज खेलने वाली है। भारतीय महिला सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। टीम की अगुवाई हरमनप्रीत कौर करने वाली है, जबकि उपकप्तानी का जिम्मा स्मृति मंधाना को दिया गया है। पहला मैच भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात ये है कि ट्राई सीरीज के लिए भारतीय टीम में 3 नए खिलाड़ियों को मौका मिला है, जबकि 2 स्टार खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है।

2 स्टार खिलाड़ी हुई बाहर

ट्राई सीरीज के लिए भारतीय टीम में रेणुका सिंह और शेफाली वर्मा को शामिल नहीं गया है। दोनों स्टार खिलाड़ी स्क्वाड में अपनी जगह नहीं बना सकीं।

सीरीज के लिए भारतीय टीम में ज्यादातर सीनियर खिलाड़ियों को ही मौका दिया गया है। हरमनप्रीत, मंधाना के अलावा बल्लेबाजी विभाग में प्रतिका रावल, हरलीन देयोल और जेमिमा रॉड्रिग्स को शामिल किया गया है।

इन खिलाड़ियों को को पहली बार मिला मौका

ट्राई सीरीज में 3 नए खिलाड़ियों को पहली बार भारतीय टीम में मौका मिला है। महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से कमाल का प्रदर्शन करने वाली स्पिनर श्री चरणी को मौका मिला है। उनके अलावा तेज गेंदबाज शुचि उपाध्याय को भी पहली बार मौका मिला है। उन्होंने चैलेंजर्स ट्रॉफी में 18 विकेट लेकर धमाल मचाया था। तेज गेंदबाज काशवी गौतम को भी पहली बार भारतीय दल में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज ने महिला प्रीमियर लीग 2025 में गुजरात जायंट्स की ओर से 11 विकेट लिए थे।

ट्राई सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काशवी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसब्निस, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय।

'बिली जीन किंग कप से पहले भारत की अंकिता रैना ने टीम के बीच तालमेल को लेकर दिया बयान

पुणे, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने मंगलवार से शुरू हो रहे बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप-1 से पहले बयान दिया है। उन्होंने आत्मविश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि टीम के बीच तालमेल बहुत अच्छा है। अंकिता ने कहा कि अब इस पल का आनंद लेने का समय है। देश की नंबर एक खिलाड़ी अंकिता इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम की कमान संभालेगी।

उनके अलावा सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदिपति, वैदेही चौधरी और युगल विशेषज्ञ प्रार्थना थोम्बरे भी टीम का हिस्सा हैं। 15 साल की माया राजेश्वरन रिजर्व खिलाड़ी हैं, जबकि पूर्व डेविस कप खिलाड़ी विशाल उप्पल कप्तान और राधिका कानिटकर तुलपुले कोच हैं। अंकिता ने कहा, 'हर कोई टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा है और मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से तैयार हैं। टीम के बीच तालमेल बहुत अच्छा है और हम शुरुआत का इंतजार कर रहे हैं। मैं बस उन्हें (युवा खिलाड़ियों को) यही कह रही हूं कि आप देश के लिए खेल रही हो और इसका पूरा आनंद लो। मैं उनसे कहूंगी की अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। इस मुकाम तक पहुंचना बहुत से लोगों का सपना होता है। इसलिए बस अपना सर्वश्रेष्ठ दें, वहां हर पल का आनंद लें। परिणाम के बारे में चिंता न करें।'

भारत शुरुआती दिन न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। मंगलवार को अन्य मैचों में कोरिया चीनी ताइपे से और थाईलैंड हांगकांग से भिड़ेगा। न्यूजीलैंड के बाद भारतीय टीम राउंड-रॉबिन ग्रुप में चीनी ताइपे, कोरिया, थाईलैंड, हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जिसमें शीर्ष दो टीमें प्लेऑफ चरण में जगह बनाएंगी।

हैरी ब्रूक इंग्लैंड की टी-20 और वनडे टीम के कप्तान

कहा- यह मेरे लिए सम्मान की बात, जोस बटलर की जगह लेंगे

लंदन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हैरी ब्रूक इंग्लैंड की टी-20 और वनडे क्रिकेट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ईसीबी ने सोमवार को ब्रूक को वाइट बॉल कैप्टन बनाने का ऐलान किया। वे जोस बटलर की जगह लेंगे। बटलर ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया था। 26 साल के हैरी ब्रूक ने कहा- 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है। जब मैं व्हार्फडेल में बर्ले क्रिकेट खेलता था। तब यॉर्कशायर से खेलने और इंग्लैंड की कप्तानी करने का सपना देखता था। यह मौकों मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

हैरी ब्रूक इंटरनेशनल करियर

	टेस्ट	वनडे	टी-20
मैच	24	26	44
रन	2281	816	798
बेस्ट	317	110*	81*
स्ट्राइक रेट	88.37	100.74	146.15

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी कर चुके हैं ब्रूक

ब्रूक जनवरी 2022 में डेब्यू करने के बाद से इंग्लैंड की वाइट बॉल टीम का अहम हिस्सा हैं। वे पिछले एक साल से वनडे और टी-20 टीम के वाइस कैप्टन हैं। उन्होंने सितंबर-2024 में बटलर की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में इंग्लिश की कप्तानी कर चुके हैं। वे न्यूजीलैंड में 2018 आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं।

खराब प्रदर्शन की वजह से बटलर ने कप्तानी छोड़ी थी

जोस बटलर ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने एक मार्च को कराची में टीम के आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कहा था- 'मेरे लिए कप्तानी छोड़ने का यही सही समय है, टीम के लिए भी यही समय है।'

इंग्लिश टीम चैंपियंस ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं जीत सकी थी और ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। इतना ही नहीं, टीम 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भी नॉकआउट स्टेज तक नहीं पहुंच सकी थी।

पाकिस्तान से सीरीज जीतने के बाद कीवी टीम को लगा बड़ा झटका, गैरी स्टीड ने छोड़ा कोच पद

खेल डेस्क,, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज जीतने वाली न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए हेड कोच के पद को छोड़ दिया है। उन्हें 2018 में माइक हेसन के इस्तीफे के बाद न्यूजीलैंड का हेड कोच नियुक्त किया गया था।

स्टीड ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ आधे दशक से ज्यादा समय तक लगातार यात्रा और दौरे किए हैं। स्टीड की अगुवाई में न्यूजीलैंड ने टेस्ट-बॉल क्रिकेट में अपना स्वर्णिम दौर देखा और 2019 वर्ल्ड कप, 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप और हाल ही में पाकिस्तान और यूएई में खेली गई

चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

स्टीड ने रेड बॉल क्रिकेट के लिए मांगा समय

स्टीड ने रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी भूमिका पर विचार करने के लिए, समय मांगा है और कहा है कि उनके पास अभी भी कोचिंग के लिए कुछ साल बचे हैं, लेकिन सभी फॉर्मेट के हेड कोच के रूप में नहीं। यह खबर ऐसे समय में आई है जब कुछ दिनों पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर का नाम ब्लैक कैप्स से जोड़ा गया था, जिन्होंने प्रोटियाज के साथ अपनी भूमिका छोड़ दी थी।

स्टीड ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, 'मैं कुछ समय के लिए दौरे से दूर रहने और अपने भविष्य के बारे में सोचने के लिए उत्सुक हूं। मेरा ध्यान कम अनुभवी खिलाड़ियों के साथ टीम को मजबूती देने पर है।

पिछले छह से सात महीने विशेष रूप से व्यस्त रहे हैं। मैं अब अपने विकल्पों का मूल्यांकन करना चाहता हूं, लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि मेरे पास कोचिंग की क्षमता बची हुई है। हालांकि सभी फॉर्मेट में हेड कोच के रूप में नहीं। अगला महीना मुझे अपनी पत्नी, परिवार और अन्य लोगों के साथ स्थिति पर अधिक चर्चा करने का अवसर देगा।

1 मैच के साथ खत्म हुआ करियर, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पुकोवस्की ने लिया संन्यास, सिर पर लगी चोट बनी वजह

खेल डेस्क,, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के 27 साल के बल्लेबाज विल पुकोवस्की ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से अपने रिटायरमेंट की घोषणा की है। विल पुकोवस्की का इंटरनेशनल करियर सिर्फ एक मैच का रहा, जो कि उन्होंने टीम इंडिया के खिलाफ डेब्यू करते हुए खेला था। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का फ्यूचर कहे जाने वाले विल पुकोवस्की के संन्यास की वजह कहीं ना कहीं उन्हें लगातार हुई कन्कशन को माना जा रहा है।

भारत के खिलाफ सिडनी में खेला इकलौता मैच

विल पुकोवस्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ खेले सिडनी टेस्ट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू

किया था. दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज विल पुकोवस्की ने उस मैच में 72 रन बनाए थे, जिसमें पहली पारी में खेली 62 रन की दमदार इनिंग भी शामिल रही थी। हालांकि, उस मैच के बाद फिर कभी विल पुकोवस्की ऑस्ट्रेलियाई टीम में नहीं आ पाए, जिसमें हुए लगातार कन्कशन की अहम भूमिका रही.

12 बार हुए कन्कशन का शिकार

अपने क्रिकेट करियर के दौरान पुकोवस्की लगातार कन्कशन का शिकार होते रहे हैं। वो कई बार सिर पर गेंद खा चुके हैं, जो कि उनके संन्यास की बड़ी वजह बताई जा रही है। एक आंकड़े के मुताबिक पुकोवस्की के करियर में कुल 12 बार गेंद उनके सिर पर लगी है, जिसमें से 9 बार तो उनके साथ ऐसा हादसा इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले ही हो चुका था।

कभी मेंटल हेल्थ तो कभी चोट... पुकोवस्की रहे टीम से बाहर

2018-19 में पुकोवस्की ने मेंटल ब्रेक लिया था. इस दौरान उन्होंने कहा था कि वो मानसिक तौर पर ठीक नहीं हैं और इसलिए वह सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। 2021 में भारत के खिलाफ डेब्यू टेस्ट खेलने के बाद वो कंधे में चोट के कारण बाहर हो गए थे। अक्टूबर 2022 से उन्होंने क्रिकेट से लंबा ब्रेक लिया था और 3 महीने बाद वापसी की थी।

विल पुकोवस्की का करियर

विल पुकोवस्की का फर्स्ट क्लास करियर 7 साल का रहा है. इस दौरान उन्होंने 36 मैच खेले, जिसकी 57 पारियों में 45 से ज्यादा की औसत से 2350 रन बनाए हैं. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 255 रन का रहा है. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके 7 शतक और 9 अर्धशतक है.

विल पुकोवस्की ने 14 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27 से ज्यादा की औसत से 333 रन बनाए हैं. लिस्ट ए में विल पुकोवस्की ने 1 शतक और 2 अर्धशतक जमाए हैं.

कराटे वर्ल्ड कप रूस-2025 में बिहार की अनुष्का अभिषेक ने रचा इतिहास, भारत को दिलाया सिल्वर मेडल

मुजफ्फरपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित कराटे वर्ल्ड कप-2025 में भारत की ओर से हिस्सा ले रहीं बिहार के मुजफ्फरपुर की 13 वर्षीय अनुष्का अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। मास्को के विमपेल स्टेडियम में चार से आठ अप्रैल तक चले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अनुष्का ने अपनी प्रतिभा और साहस से सबका ध्यान खींचा। अनुष्का ने टूर्नामेंट में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहले ताजिकिस्तान, फिर उज्बेकिस्तान और इसके बाद अर्मेनिया की प्रतिभागियों को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उन्होंने मॉरिशस की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला मेजबान देश रूस की खिलाड़ी से हुआ। फाइनल में अनुष्का ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत में महज तीन अंकों से हार गईं और सिल्वर मेडल के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। इस प्रदर्शन ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर एक बार फिर रोशन कर दिया।

मुजफ्फरपुर की रहने वाली अनुष्का अभिषेक की सफलता की कहानी जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही संघर्षपूर्ण भी रही है। आमतौर पर इस उम्र में बच्चे केवल पढ़ाई पर ध्यान देते हैं, लेकिन अनुष्का के माता-पिता ने उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल के प्रति भी प्रोत्साहित

किया। उनकी मेहनत और परिवार के सहयोग ने आज उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मुकाम दिलाया। अनुष्का अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच शिहान ई. राहुल श्रीवास्तव को देती हैं, जिन्होंने हर कदम पर उन्हें मार्गदर्शन और समर्थन दिया। राहुल श्रीवास्तव पहले भी अनुष्का को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

कराटे वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच शिहान ई. राहुल श्रीवास्तव को भी विशेष सम्मान मिला। उन्हें वर्ल्ड फेडरेशन के वाइस प्रेसिडेंट नारेक मनुक्यान ने 'बेस्ट कोच अवॉर्ड्स' से सम्मानित किया। यह न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। इसके साथ ही रास वर्ल्ड जल्द ही कजाकिस्तान और अर्मेनिया में अपनी शाखाएं स्थापित करेगा। यह प्रस्ताव भारत की ओर से वर्ल्ड बॉडी की जनरल एसेंबली में रखा गया था, जिसे अब स्वीकृति मिल चुकी है।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने श्री वीर हनुमान विजय यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महानिदेशक और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सिटी सी वी आनंद ने आज हैदराबाद पुलिस अधिकारियों के साथ आगामी 12 अप्रैल को होने वाली श्री वीर हनुमान विजय यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। कॉन्फ्रेंस के दौरान, महानिदेशक और पुलिस आयुक्त ने पिछली श्री वीर हनुमान विजय यात्रा के दौरान हुई घटनाओं पर चर्चा की और प्रस्तावित सुरक्षा उपायों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने जुलूस के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए। प्रमुख रूप से उन सभी चौराहों पर विशेष निगरानी उपाय स्थापित किए जाने चाहिए जहां छोटे जुलूस मुख्य मार्ग से मिलने की उम्मीद है। रणनीतिक तैनाती: संवेदनशील क्षेत्रों में, विशेष रूप से धार्मिक स्थलों के आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात किया जाना है। इन स्थानों पर निरंतर और कड़ी निगरानी बनाए रखी जानी चाहिए।

मार्ग निरीक्षण और सुधार : सभी संबंधित स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) को श्री वीर हनुमान विजया यात्रा के निर्दिष्ट मार्ग का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने का निर्देश दिया जाता है, जिसमें श्री राम मंदिर (गौली गुडा) और बाइबल हाउस शामिल हैं, जो ताड़बंड हनुमान मंदिर की ओर जाता है। उन्हें किसी भी संभावित मुद्दे या बाधाओं की पहचान करनी है और आवश्यक सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित करना है। आयोजकों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाना चाहिए कि जुलूस के दौरान डीजे सिस्टम के उपयोग से परहेज करना आम जनता और विजया यात्रा में भाग लेने वाले भक्तों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए काफी फायदेमंद होगा।

जुलूस के दौरान पटाखे फोड़ना, पैदल चलने वालों पर फेंकना और आम जनता पर गुलाल (रंगीन पाउडर) फेंकना सख्त वर्जित है। पिछले अनुभवों के मद्देनजर, सभी प्रतिभागियों से विजया यात्रा के समापन के बाद वापसी यात्रा के दौरान अत्यधिक संयम बरतने का आग्रह किया जाता है।

किसी भी उत्तेजक बैनर का प्रदर्शन निषिद्ध है। आयोजकों को जुलूस में सीमित संख्या में वाहनों का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए और अन्य समुदायों के व्यक्तियों द्वारा किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने चाहिए। पुलिस विभाग आयोजकों को सूचित करेगा कि संबंधित अधिकारियों से पूर्व, स्पष्ट अनुमति प्राप्त किए बिना श्री वीर हनुमान विजया यात्रा के दौरान किसी भी उद्देश्य के लिए ड्रोन कैमरों का संचालन सख्त वर्जित है। जनता को दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित अफवाहों पर विश्वास न करें या उनका प्रचार न करें। भड़काऊ पोस्ट और फर्जी संदेश फैलाने से सख्ती से मना किया जाता है और ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। श्री वीर हनुमान विजया यात्रा के दौरान जेबकतरी और चेन स्नैचिंग की किसी भी घटना को रोकने पर विशेष जोर दिया गया। (पुलिस उपायुक्त, आईटी सेल) के साथ-साथ जोनल डीसीपी, इंस्पेक्टर, एसीपी और अन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में वर्चुअली भाग लिया।

सिंगापुर में हादसे का शिकार हुए पवन कल्याण के बेटे मार्क शंकर, अस्पताल में भर्ती

अमरावती, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के छोटे बेटे मार्क शंकर सिंगापुर में एक हादसे का शिकार हो गए हैं। सिंगापुर में एक स्कूल में आग लगने से मार्क शंकर घायल हो गए हैं। हादसे में उनके हाथ और पैर घायल होने की जानकारी सामने आ रही है। हादसे के बाद उन्हें सिंगापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस खबर के सामने आते ही पवन कल्याण सिंगापुर के लिए रवाना हो रहे हैं। पवन कल्याण अभी अपने राजनीतिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं।

पवन कल्याण इस समय आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के दौरे पर हैं। उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद सिंगापुर जाने का फैसला किया है। पवन कल्याण की पार्टी जनसेना पार्टी की ओर से एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इस बारे में जानकारी दी गई और ये बताया गया कि वो अपने राजनीतिक तय कार्यक्रमों के बाद सिंगापुर के लिए रवाना होंगे। इस पोस्ट में पवन कल्याण के हवाले से कहा गया, मैंने कल उस गांव के आदिवासियों से वादा किया था कि मैं अराकू के पास कुरीडी गांव जाऊंगा। इसलिए मैं उस गांव में जाऊंगा, उनसे बात करूंगा और वहां की समस्याओं का पता लगाऊंगा। कुछ विकास योजनाएं शुरू होनी हैं, इसलिए मैं दौरा खत्म करने के बाद ही सिंगापुर जाऊंगा।

डॉक्टर्स ने शुरू किया ट्रीटमेंट

जानकारी के मुताबिक, पवन कल्याण आदिवासी इलाकों में अपना दौरा पूरा करने के बाद विशाखापट्टनम पहुंचेंगे। जहां से उनके बेटे के पास सिंगापुर जाने की व्यवस्था की जा रही है। मार्क शंकर की हालत स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टर उनकी रिकवरी पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। इस घटना की खबर सामने आते ही पवन कल्याण के फैंस और शुभचिंतक भी काफी परेशान हैं। फिलहाल हर कोई मार्क शंकर के जल्द ही स्वस्थ होने की कामना कर रहा है।

भाजपा विधायक राजा सिंह के खिलाफ केस

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलहाट पुलिस ने भाजपा विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ शहर में 6 अप्रैल को निकाली गई श्री राम नवमी शोभा यात्रा के दौरान कथित तौर पर डीजे सिस्टम का इस्तेमाल करने और भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने कहा कि गोशमहल विधायक ने पुलिस के आदेशों की अवहेलना करते हुए वार्षिक जुलूस के दौरान तेज़ आवाज़ वाले साउंड सिस्टम का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा, उन्होंने रैली के दौरान कुछ भड़काऊ टिप्पणियां भी कीं, जो एक विशेष समुदाय के लिए अपमानजनक थीं। हैदराबाद पुलिस ने पहले ही रामनवमी आयोजकों को जुलूस के दौरान डीजे, ध्वनि मिक्सर, मोबाइल माइक्रोफोन और लाउडस्पीकर सहित उच्च-डेसीबल ध्वनि उपकरणों का उपयोग करने से बचने का निर्देश दिया था।

दंत चिकित्सा विभाग स्थापित करने की मांग

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डेंटल सर्जरी (बीडीएस) और (एमडीएस) में स्नातक और परास्नातक कर रहे छात्रों और वरिष्ठ डेंटल सर्जनों ने राज्य सरकार से तेलंगाना के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डेंटल विभाग बनाने और योग्य कर्मियों की नियुक्ति करने का आग्रह किया। गांधी अस्पताल और उस्मानिया मेडिकल कॉलेज को छोड़कर, राज्य के किसी भी अन्य तृतीयक मेडिकल कॉलेज में समर्पित दंत चिकित्सा शिक्षण और उपचार विभाग नहीं है।

नतीजतन, जो मरीज निजी दंत चिकित्सा सुविधाओं में इलाज का खर्च नहीं उठा सकते, उन्हें सरकारी डेंटल कॉलेज, अफजलगंज में इलाज के लिए हैदराबाद आना पड़ता है। मंगलवार को अखिल भारतीय दंत चिकित्सा छात्र एवं शल्य चिकित्सक संघ (एआईडीएसए) के सदस्यों ने चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राज्य सरकार से राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के दिशा-निर्देशों के तहत मेडिकल कॉलेजों में विशेष दंत चिकित्सा विभाग स्थापित करने का आग्रह किया गया। दिशानिर्देशों के अनुसार, 100 एमबीबीएस छात्रों वाले प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में दंत चिकित्सा का एक समर्पित विभाग होना चाहिए, जिसमें कम से कम एक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, जूनियर रेजिडेंट और चार डेंटल टेक्नीशियन हों।

इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संयुक्त उद्यम)
INDIAN PORT RAIL & ROPEWAY CORPORATION LTD.
(A JV Company Under Ministry of Ports, Shipping & Waterways, Govt. of India)
CIN No: U60300DL2015PLC282703 (An ISO 9001, 14001, 45001 & 37001 Certified Company)
SAGARMALA

भारतीय रेल - उर्जीकरण के संबंध में सार्वजनिक सूचना

ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन के नीचे उल्लेखित खंड के पूर्ण हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि, 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन तारों को खंड के सामने निर्दिष्ट तिथि को या उसके बाद सक्रिय किया जाएगा। उसी तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनों को हर समय ''सक्रिय'' माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के निकट नहीं जाएगा या काम नहीं करेगा।

खंड	तिथि
ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन की 38 टीकेएम वीपीटी रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण।	15.04.2025

एसी 25 केवी ट्रैक्शन का परिचय ''सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी''

जनसाधारण की जानकारी हेतु अधिसूचित किया जाता है कि पूर्वी तटीय रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन में विशाखापत्तनम बंदरगाह प्राधिकरण में वीपीए रेलवे लाइन के खंड 38 टीकेएम पर 25 केवी एसी विद्युत कर्षण की शुरूआत के संबंध में, सभी लेवल क्रॉसिंग पर **4.78 मीटर** और सड़क स्तर से ऊपर की स्पष्ट ऊंचाई वाले ऊंचाई गेज लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई वाले भार को लाइव ट्रैक्शन तार (संपर्क तार) के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता से रोका जा सके, जो लेवल क्रॉसिंग पर रेल स्तर से न्यूनतम **5.5 मीटर** की ऊंचाई पर होगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि वे वाहनों में माल लादने के लिए ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें तथा यह भी देखें कि सड़क वाहनों में ले जाए जाने वाले माल से किसी भी परिस्थिति में ऊंचाई मापी का उल्लंघन न हो।
अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं:
1) ऊंचाई गेज को खतरा और परिणामस्वरूप सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन में भी बाधा उत्पन्न होना।
2) ले जाई जा रही सामग्री या उपकरण या स्वयं वाहन को खतरा।
3) कंडक्टरों के संपर्क या खतरनाक निकटता के कारण आग लगने का खतरा और जीवन को खतरा।

स्थान : विशाखापत्तनम
दिनांक : 09.04.2025
संयुक्त महाप्रबंधक/विद्युत विभाग
आई.पी.आर.सी.एल.

27 अप्रैल को सभी नगर निगम प्रभागों में बीआरएस के झंडे फहराए जाएंगे : तलसानी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और विपक्षी बीआरएस पार्टी के सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कहा कि उनकी पार्टी अपना स्थापना दिवस उत्सवी माहौल में मनाएगी। मंगलवार को शहर के तेलंगाना भवन में तलसानी श्रीनिवास यादव की अध्यक्षता में ग्रेटर हैदराबाद स्तर पर बीआरएस पार्टी के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई। बैठक में पार्टी एमएलसी सुरभि वाणी देवी, शंभीपुर राजू, दासोजू श्रवण, विधायक कलेरू वेंकटेश, मुथा गोपाल, माधवराम कृष्ण राव, कई विधानसभा क्षेत्र प्रभारी और पार्टी के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए यादव ने कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर 27 अप्रैल को सभी नगर निगम प्रभागों में पार्टी के झंडे फहराए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के गठन की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए उसी दिन वारंगल जिले के एलकाथुर्थी में राज्य की राजधानी से बड़ी भीड़ जुटेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जनसभा के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए आज से विधानसभा क्षेत्र स्तर की बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने खुलासा किया कि ग्रेटर हैदराबाद आम सभा 20 अप्रैल को आयोजित की जाएगी।

तेलंगाना 10 अप्रैल से पंजीकरण के लिए स्लॉट बुकिंग प्रणाली शुरू करेगा : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे तेलंगाना में नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने के लिए उप-पंजीयक कार्यालयों को बढ़ा रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ये सेवाएं कुशल, सरल, त्वरित, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से प्रदान की जाएं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, राज्य सरकार एक स्लॉट बुकिंग प्रणाली शुरू कर रही है जो पंजीकरण प्रक्रिया को केवल 10 से 15 मिनट में पूरा करने की अनुमति देगी, जिससे दस्तावेज़ पंजीकरण के लिए लंबे इंतजार की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। मंगलवार को एक बयान में पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने इसकी घोषणा की। मंत्री ने उल्लेख किया कि इस स्लॉट बुकिंग प्रणाली को शुरू में 10 अप्रैल से पूरे तेलंगाना में स्थित 144 उप-पंजीयक कार्यालयों में से 22 उप-पंजीयक कार्यालयों में एक पायलट कार्यक्रम के रूप में शुरू किया जाएगा। स्लॉट बुकिंग कार्यक्रम कुल 22 स्थानों पर शुरू किया जाएगा, जिसमें हैदराबाद में आजमपुरा, चिक्कड़पल्ली, संगारेड्डी जिले में सदाशिवपेट, कुतुबुल्लापुर, मेडचल जिले में वल्लभ नगर, रंगारेड्डी जिले में शमशाबाद, सरूर नगर, चंपापेट, पेद्दापल्ली जिले में रामागुंडम, खम्मम जिले में कुसुमंची, खम्मम (आर.ओ.), मेडचल (आर.ओ.), महबूबनगर (आर.ओ.), जगतियाल, निर्मल, वारंगल किला, वारंगल ग्रामीण, कोठागुडेम, आर्मूर, भुवनागिरी, चौटुप्पल, नागरकर्नूल शामिल हैं। उप-पंजीयक कार्यालय में एक ही दिन में पंजीकरण के लिए कई दस्तावेज जमा करने से होने वाली देरी को रोकने के प्रयास में, मंत्री ने घोषणा की कि कार्यालय के कार्य घंटों को 48 निर्दिष्ट समय स्लॉट में व्यवस्थित किया गया है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति वेबसाइट registration.telangana.gov.in के माध्यम से सीधे पसंदीदा तिथि और समय के लिए स्लॉट आरक्षित कर सकते हैं। आगंतुकों को पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अपने निर्धारित समय पर आने और तुरंत प्रस्थान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मंत्री ने आगे उल्लेख किया कि जिन लोगों ने पहले से बुकिंग नहीं की है, उनके लिए कार्यालय तत्काल मामलों के लिए शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच प्रतिदिन पांच वॉक-इन पंजीकरण की सुविधा प्रदान करेगा। वॉक-इन आवेदकों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सेवा दी जाएगी। स्लॉट बुकिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, विशेष रूप से उच्च मांग वाले कार्यालयों में या जहां 48 से अधिक स्लॉट आवश्यक हैं, मंत्री ने संकेत दिया कि मौजूदा कर्मचारियों के साथ अतिरिक्त उप-पंजीयक नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षण पहल के तहत मेडचल मलकाजगिरी जिले के कुतुबुल्लापुर कार्यालय ने दो अतिरिक्त उप-पंजीयक और एक अतिरिक्त कर्मचारी की नियुक्ति की है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यालय में 144 उपलब्ध स्लॉट बढ़ गए हैं।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि निवासियों से प्रतिदिन शिकायतें मिल रही हैं कि उनकी संपत्तियों का कई बार पंजीकरण हो सकता है। इस मुद्दे को हल करने के लिए, राज्य सरकार इस तरह के दोहरे पंजीकरण को रोकने के लिए कानून में संशोधन करने की योजना बना रही है। मंत्री ने कहा कि कई अन्य राज्यों ने पहले ही इस मामले में अपने कानूनों में संशोधन कर लिया है और तेलंगाना में भी कानून में संशोधन करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि पंजीकरण अधिनियम की धारा 22 में संशोधन के माध्यम से एक नई धारा 22-बी जोड़ी जाएगी।

एमएलआरआईटी थिंगक्यूबेटर कोहोर्ट 7 में शीर्ष 10 टीमों में शामिल

नियोवेशन'25 में सीड फंड समर्थन जीता

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को थिंगक्यूबेटर कोहोर्ट 7 में शीर्ष 10 टीमों में से एक के रूप में चुना गया, जिसमें सैथरुन पासुमर्थी और निरंजन विक्रम सिंह की टीम व्हेयर इज माई बस को एक पुरस्कार, 5 लाख रुपये तक की सीड फंड सहायता और उनके अभिनव प्रोजेक्ट के लिए राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ।

एमएलआरआईटी ने नैसकॉम फाउंडेशन और तेलंगाना एकेडमी फॉर स्किल एंड नॉलेज (टीएएसके) के सहयोग से मंगलवार को नियोवेशन'25 पुरस्कार समारोह और ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की आधिकारिक शुरूआत नैसकॉम फाउंडेशन के महेंद्र वाई और एमएलआरआईटी के प्रिंसिपल डॉ.के. श्रीनिवास राव ने की। थिंगक्यूबेटर कोहोर्ट 8 के लिए एक अभिविन्यास सत्र आयोजित किया गया, जिसके बाद छात्र और संकाय एक लाइव राष्ट्रीय सत्र में शामिल हुए, जहां उन्होंने अन्य कॉलेजों के छात्रों और उद्यमियों के साथ बातचीत की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

वर्ष-30 अंक : 12 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.12 2082 बुधवार, 9 अप्रैल-2025

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'दिसंबर से पहले बदल जाएगा सीएम'

बेंगलूरू, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस में शीर्ष पद को लेकर चल रही अंदरूनी कलह के बीच कांग्रेस विधायक ने बड़ा दावा किया है। विधायक और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक बसवराजू शिवगंगा ने कहा कि जब कुर्सी खाली हो तो कोई भी सीएम बन सकता है। मैं पहले भी कह चुका हूं कि दिसंबर से पहले सीएम बदल जाएगा। वहीं केपीसीसी अध्यक्ष पद के लिए सतीश जारकीहोली के नाम की अटकलों पर विधायक शिवगंगा ने कहा कि केपीसीसी अध्यक्ष का पद अभी खाली नहीं है। जब अध्यक्ष का पद खाली होगा, हम इसके बारे में बात कर सकते हैं। नाम सामने आएंगे, तो कोई भी अध्यक्ष बन सकता है। यह सतीश जारकीहोली, मैं या कोई और भी हो सकता है।

पीएम ने मुद्रा योजना के लाभार्थियों से की बात

सपने हकीकत में बदल गए : मोदी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया और देश भर से मुद्रा लाभार्थियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया। एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लाभार्थियों ने उनके साथ कुछ रोचक जानकारियां साझा की कि किस प्रकार इस योजना ने उनके जीवन में बदलाव ला दिया है।

प्रधानमंत्री ने एक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मुद्रा के 10 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मैंने पूरे भारत से मुद्रा लाभार्थियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया था। उन्होंने इस योजना से उनके जीवन में आए बदलावों के बारे में रोचक जानकारी साझा की। बातचीत के दौरान केरल के एक उद्यमी, जो संयुक्त अरब अमीरात में काम कर रहे थे, ने बताया कि किस प्रकार मुद्रा योजना से उन्हें लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि इससे वे एक सफल उद्यमी बन गए हैं।

केरल के मूल निवासी ने यह भी माना कि इस योजना से उनके व्यवसाय को बढ़ावा मिला है, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इससे रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। योजना के एक अन्य लाभार्थी, मध्य प्रदेश के भोपाल के लवकुश मेहरा ने बताया कि

पहले वह किसी के लिए काम करते थे, लेकिन बाद में मुद्रा ऋण की मदद से उन्होंने अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया। उन्होंने यह भी बताया कि पहले साल उनका टर्नओवर 12 लाख रुपये था, जो अब बढ़कर 50 लाख रुपये से अधिक हो गया है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, देश की जनता को बिना किसी गारंटी के 33 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। आप अखबार में पढ़ते हैं कि यह अमीरों की सरकार है। अगर आप सभी अमीरों का जोड़ भी दें तो भी उन्हें 33 लाख रुपशे नहीं मिले होंगे। मुद्रा योजना में सबसे अधिक संख्या में महिलाएं आगे आई हैं। महिलाओं ने सबसे अधिक ऋण के लिए आवेदन किया है, सबसे अधिक ऋण प्राप्त किए हैं और उन्हें चुकाने में भी सबसे तेज हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, देश के सामान्य लोगों को 33 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं। आज भारत के युवा, उनके पास जो उद्यमशीलता का हुनर है, अगर उन्हें थोड़ी सी मदद मिल जाए तो बहुत बड़े नतीजे मिलते हैं। यह मुद्रा योजना किसी भी सरकार के लिए आंख खोलने वाली है। यह योजना मेरे देश के युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का साहस देने के लिए है। इसमें सबसे ज्यादा संख्या में महिलाएं आगे आई हैं।

यूपी के रायबरेली के एक लाभार्थी ने कहा, हम आपसे वादा करते हैं कि हम मिलकर भारत को एक विकसित भारत बनाएंगे। अब हमें सरकार से लाइसेंस लेने में कोई परेशानी नहीं है। मैं एक बेकरी चलाता हूं। मेरा मासिक टर्नओवर 2.5 से 3 लाख रुपये है और हमारे पास 7 से 8 लोगों का स्टाफ है।

मध्य प्रदेश के भोपाल के एक लाभार्थी लवकुश मेहरा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने 2021 में अपना व्यवसाय शुरू किया और आज वे 50 लाख रुपये कमा रहे हैं। मेहरा ने कहा, पहले मैं किसी के लिए काम करता था, लेकिन आपने मुद्रा लोन के जरिए हमारी गारंटी ली और आज हम खुद मालिक बन गए हैं। मैंने 2021 में अपना व्यवसाय शुरू किया और मैंने बैंक से संपर्क किया, उन्होंने मुझे 5 लाख रुपये की ऋण सीमा दी। मुझे डर था कि मैं पहली बार इतना बड़ा ऋण ले रहा हूं और मैं इसे चुका पाऊंगा या नहीं।

तमिलनाडु के 10 बिल रोकने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

> राज्यपाल के फैसले को बताया अवैध > कहा-आप संविधान से चलें, पार्टियों की मर्जी से नहीं

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध बताया है। कोर्ट ने कहा कि यह मनमाना कदम है और कानून के नजरिए से सही नहीं। राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को मदद और सलाह देनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राज्यपाल को एक दोस्त, दार्शनिक और राह दिखाने वाले की तरह होना चाहिए। आप संविधान की शपथ लेते हैं। आपको किसी राजनीतिक दल की तरफ से संचालित नहीं होना चाहिए। आपको उत्प्रेरक बनना चाहिए, अवरोधक नहीं। राज्यपाल को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कोई बाधा पैदा न हो।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की तरफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी। इसमें कहा गया था कि राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य के जरूरी बिलों को रोककर रखा है। बता दें कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में काम कर चुके पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएन रवि ने 2021 में तमिलनाडु के राज्यपाल का पद संभाला था।

सुप्रीम कोर्ट के 2 कमेंट...

> जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि राज्यपाल द्वारा इन 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध और मनमाना है। यह कार्रवाई रद्द की जाती है। राज्यपाल की सभी कार्रवाई अमान्य है।

> बेंच ने कहा कि राज्यपाल रवि ने भले मन से काम नहीं किया। इन बिलों को उसी दिन से मंजूर माना जाएगा, जिस दिन विधानसभा ने बिलों को पास करके दोबारा राज्यपाल को भेजा गया था।

सुप्रीम कोर्ट के 2 निर्देश...

> सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को निर्देश दिया कि उन्हें अपने विकल्पों का इस्तेमाल तय समय-सीमा में करना होगा, वरना उनके उठाए गए कदमों की कानूनी समीक्षा की जाएगी।

> कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल बिल रोकें या राष्ट्रपति के पास भेजें, उन्हें यह काम मंत्रिपरिषद की सलाह से एक महीने के अंदर करना होगा। विधानसभा बिल को दोबारा पास कर भेजती है, तो राज्यपाल को एक महीने के अंदर मंजूरी देनी होगी। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि वह राज्यपाल की शक्तियों को कमजोर नहीं कर रहा, लेकिन राज्यपाल की सारी कार्रवाई संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों के अनुसार होनी चाहिए।

विदेश मंत्री ने दुबई के क्राउन प्रिंस का किया स्वागत

कहा-संबंधों को लेकर उनकी सकारात्मक भावनाओं की करता हूं सराहना

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के उप प्रधानमंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम का स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। वह मंगलवार को अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के डिप्टी पीएम और रक्षा मंत्री महामहिम शेख हमदान मोहम्मद का भारत की पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। हमारे व्यापक सहयोग और जीवंत संबंधों के लिए उनकी सकारात्मक भावनाओं की सराहना करता हूं।

शिक्षक भर्ती घोटाला : राहुल गांधी की राष्ट्रपति मुर्मू से हस्तक्षेप की अपील

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में शिक्षकों की नियुक्ति रद्द किए जाने के अदालत के हालिया फैसले पर चिंता जताई है। उन्होंने यह मामला राष्ट्रपति के संज्ञान में लाते हुए उनसे हस्तक्षेप की अपील की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मैंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में हजारों योग्य स्कूल शिक्षकों के मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है, जिन्होंने न्यायपालिका द्वारा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के बाद अपनी नौकरी गंवा दी है। मैंने उनसे अनुरोध किया है कि वह सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह करें कि निष्पक्ष तरीके से चुने गए उम्मीदवारों की नौकरी बरकरार रहे।

उन्होंने प्रभावित शिक्षकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए और इस मुद्दे को राजनीतिक स्तर पर उठाने का संकेत दिया। राहुल गांधी ने अपने पत्र में राष्ट्रपति मुर्मू से इस मामले में राज्य सरकार पर दबाव डालने की अपील की ताकि प्रभावित शिक्षकों को न्याय मिल सके। उनका कहना है कि जिन उम्मीदवारों का चयन पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हुआ था, उन्हें इस फैसले का खामियाजा नहीं भुगतना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला पिछले कुछ समय से चर्चा में रहा है। राज्य में स्कूल सेवा आयोग के जरिए हुई शिक्षक भर्तियों में कथित अनियमितताओं की शिकायतें सामने आने के बाद कोलकाता उच्च न्यायालय ने इस प्रक्रिया को अवैध घोषित कर दिया था। अदालत के इस फैसले के बाद करीब 25,000 शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द हो गईं, जिससे राज्य में व्यापक असंतोष और प्रदर्शन देखने को मिले। राज्य में यह मुद्दा अब राजनीतिक रंग ले चुका है, जहां विपक्षी दल इसे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। भाजपा विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए तृणमूल सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी को जेल जाना चाहिए। वह मुख्य लाभार्थी हैं।

उनके भतीजे ने 700 करोड़ रुपये की रिश्वत ली। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन 25,000 लोगों के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है। उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) की इसमें बड़ी भूमिका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल में नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के साथ खड़ी हूं, उनका सम्मान वापस दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगी। जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी आपकी नौकरियां नहीं छीनने दूंगी।

वक्फ कानून आज से लागू

पश्चिम बंगाल में हिंसा, प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, गाड़ियां जलाईं, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़े

मुर्शिदाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन कानून मंगलवार से देशभर में लागू कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को लोकसभा से, 3 अप्रैल को राज्यसभा से पास हुआ था। 5 अप्रैल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बना था। इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में मंगलवार शाम को वक्फ कानून के विरोध के दौरान हिंसा भड़क गई है। कई वाहनों को प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी है। इसमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल हैं।

प्रदर्शनकारियों से झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हैं। वक्फ कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद में मुस्लिम संगठन प्रदर्शन कर रहा था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके। पुलिस ने उन्हें खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। भीड़ हिंसक हो गई। लोगों ने पुलिस के वाहन और अन्य वाहनों में आग लगी दी। इसके बाद भारी पुलिसबल मौके पर तैनात किया गया है। वक्फ संशोधन बिल को पास होने के बाद से अबतक सुप्रीम कोर्ट में 12 याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 11 अप्रैल से पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

तीन संगठनों ने हुर्रियत का साथ छोड़ा

अमित शाह बोले-यह भारत के संविधान में लोगों का विश्वास

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी संगठन हुर्रियत को मंगलवार को झटका लगा है। तीन बड़े संगठनों ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से नाता तोड़ लिया है। इसकी जानकारी खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के संविधान में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एकजुट और शक्तिशाली भारत का सपना आज और भी मजबूत हो गया है, क्योंकि अब तक 11 ऐसे संगठनों ने अलगाववाद को त्याग दिया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, जम्मू कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट जैसे तीन और संगठनों ने हुर्रियत से खुद को अलग कर लिया है। यह घाटी के लोगों में भारत के संविधान के प्रति विश्वास का एक प्रमुख प्रदर्शन है।

उन्होंने आगे पीएम मोदी की तारीफ करते हुए लिखा, मोदी जी का एकजुट और शक्तिशाली भारत का सपना आज और भी मजबूत हो गया है, क्योंकि अब तक 11 ऐसे संगठनों ने अलगाववाद को त्याग दिया है और इसके लिए अटूट समर्थन की घोषणा की है। इससे पहले हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दो संगठनों, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की थी।

इस वक्त गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। उन्होंने शहीद डीएसपी हुमायूं मुजम्मिल भट के पिता से मुलाकात की। अमित शाह ने इस मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं मुजम्मिल भट ने 2023 में जम्मू-कश्मीर के कोकरनाग में आतंकवादियों के खिलाफ एक ऑपरेशन में सर्वोच्च बलिदान देकर वीरता और देशभक्ति की अमर मिसाल कायम की। आज श्रीनगर में शहीद के परिवार से मुलाकात की और अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा विधायकों में हाथापाई

श्रीनगर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायकों ने सदन में बिल पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान एनसी और भाजपा विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। इससे पहले सोमवार को एनसी के विधायक ने सदन में वक्फ कानून की कॉपी फाड़ दी। एक एनसी विधायक ने अपनी जैकेट फाड़कर सदन में लहराई। इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्रवाई पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। एनसी समेत अन्य दलों ने वक्फ कानून के खिलाफ रेजोल्यूशन लाने की बात कही थी। वक्फ संशोधन बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में पास हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिल को 5 अप्रैल की देर रात मंजूरी दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब कानून लागू करने के लिए केंद्र नोटिफिकेशन जारी करेगा।

अदालतों को नैतिक पुलिसिंग नहीं करनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपने एक अहम फैसले में कहा कि अदालतों को नैतिक पुलिसिंग नहीं करनी चाहिए और इसके साथ पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का आदेश को पलट दिया। अपने इस आदेश से सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक विश्लेषण तहसीन पूनावाला को बड़ी राहत दी और उच्च न्यायालय द्वारा पूनावाला पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के आदेश पर रोक लगा दी। तहसीन पूनावाला और गायक और संगीतकाल विशाल ददलानी पर जैन मुनि तरुण सागर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला था। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने उच्च न्यायालय के 2019 के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें पूनावाला और विशाल ददलानी को जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय इस तथ्य से प्रभावित था कि याचिकाकर्ता ने एक विशेष धर्म के पुजारी की आलोचना की थी।

'सरदार पटेल की विरासत हड़पना चाहती है भाजपा'

अहमदाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और संघ पर सरदार पटेल की विरासत हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ देश के नायकों के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार, सरदार पटेल की विचारधारा संघ के खिलाफ थी और उन्होंने संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को गुजरात में शुरू हुई। इस दौरान अपने भाषण में सरदार पटेल ने आरोप लगाया कि सरकार सांप्रदायिक भेदभाव पैदा करके असल मुद्दों से लोगों के ध्यान भटकाना चाहती है।

देश के नायकों के खिलाफ रची जा रही साजिश

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से देश के कई नायकों के खिलाफ सुनियोजित साजिश की जा रही है। कांग्रेस पार्टी के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है और ये माहौल वो लोग बना रहे हैं जिनके पास अपनी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर हमला करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के तौर पर दिखाने के लिए उनके पास कुछ भी नहीं है। उन्होंने यह दिखाने की साजिश की कि सरदार पटेल और पंडित नेहरू के बीच अच्छे संबंध नहीं थे। जबकि सच्चाई यह है कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू थे। कई घटनाएं और दस्तावेज उनके सौहार्दपूर्ण संबंधों के गवाह हैं।

सरदार पटेल ने संघ पर लगाया था प्रतिबंध :

खड़गे ने दावा किया कि दोनों के बीच लगभग रोजाना पत्राचार होता था। नेहरू जी सभी मामलों में उनकी सलाह लेते थे। नेहरू जी पटेल साहब का बहुत सम्मान करते थे। अगर उन्हें कोई सलाह लेनी होती तो वे खुद पटेल जी के घर जाते थे। उन्होंने कहा कि पटेल की विचारधारा आरएसएस के विचारों के विपरीत थी और उन्होंने संगठन पर प्रतिबंध भी लगाया था, लेकिन यह हास्यास्पद है कि आज उस संघ के लोग सरदार पटेल की विरासत पर दावा करते हैं। खड़गे ने दावा किया कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने ही बाबा साहब आंबेडकर को संविधान सभा का सदस्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। खुद आंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में कहा था कि कांग्रेस पार्टी के समर्थन के बिना संविधान नहीं बनाया जा सकता था। लेकिन जब संविधान बनाया गया, तो आरएसएस ने गांधीजी, पंडित नेहरू, डॉ. आंबेडकर और कांग्रेस की खूब आलोचना की। उन्होंने रामलीला मैदान में संविधान और इन नेताओं के पुतले जलाए। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान और संविधान निर्माताओं दोनों का सम्मान करती है और जानती है कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल साहब हमारे दिलों में, हमारे विचारों में बसते हैं। हम उनकी विरासत को आगे ले जा रहे हैं।